✷ बिहार-झारखंड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

✷ पटना संस्करण

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

✷ रजि. नंबर : 52290/90 ✷ वर्ष : 37 ✷ अंक : 74 ✷ पृष्ठ : 12 ✷ औरंगाबाद, रविवार, 9 अगस्त 2026 ✷ मूल्य : 3.00 रुपये ✷ औरंगाबाद, पटना एवं बोकारो से प्रकाशित ✷ www.navbihartime.com

शहादत दिवस पर शहीद निर्मल महतो को श्रद्धांजलि देते सीएम हेमंत सोरेन

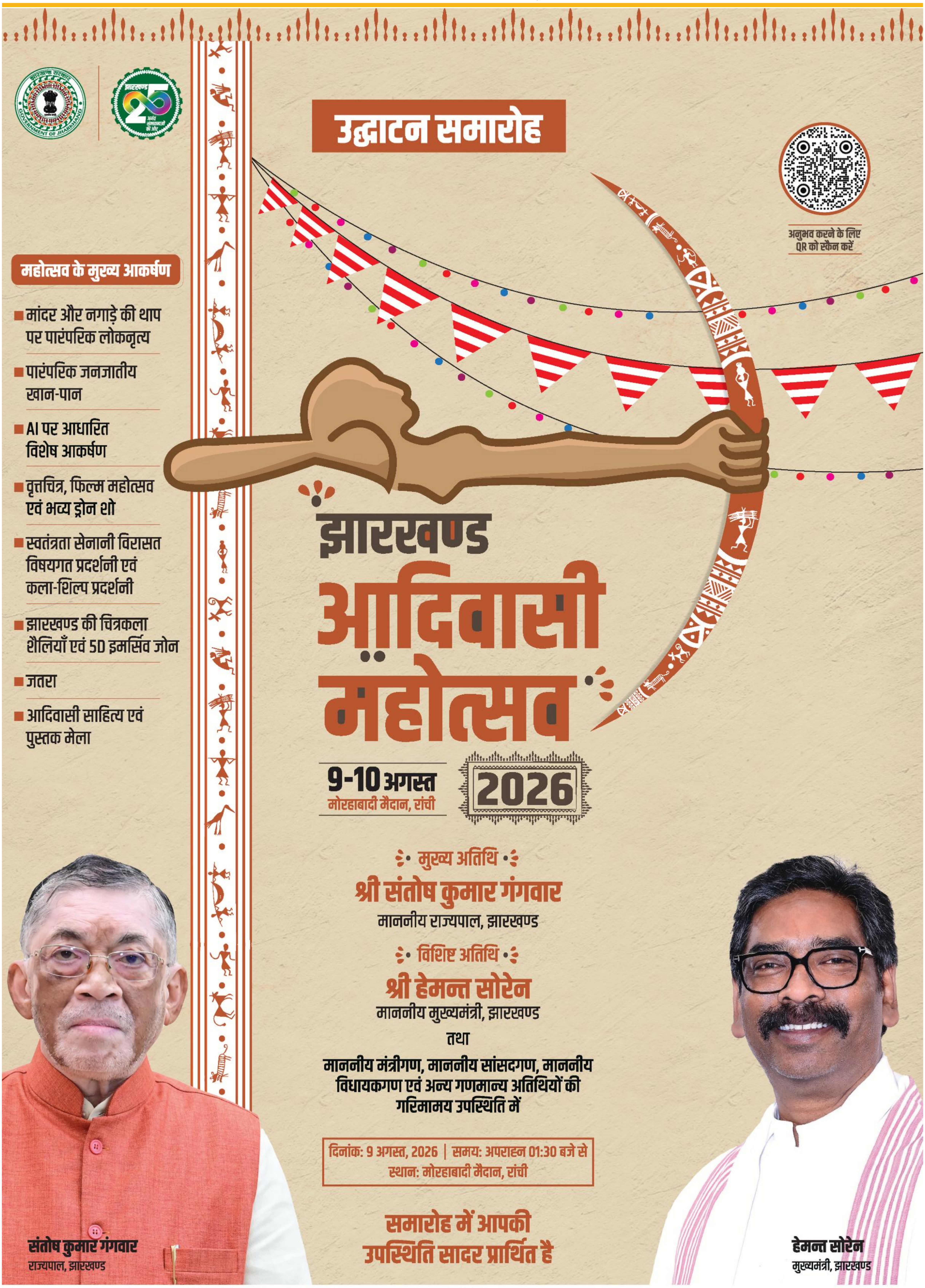

PR-386953 (IPRD) 26-27

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड

मुख्यमंत्री ने पशुपालकों और मछली पालकों को दी बड़ी सौगात

बिहार को मिला पहला फिश ब्रुड बैंक, बनेगा मिल्क पाउडर संयंत्र

रोजाना 30 मीट्रिक टन मिल्क पाउडर उत्पादन से बढ़ेगी पशुपालकों की आय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को राज्य के पशुपालक किसानों और मछली पालकों को बड़ी सौगात दी है। उन्होंने 10.92 करोड़ रुपये की लागत से सीतामढ़ी के बखरी में बने बिहार के पहले फिश ब्रुड बैंक का शुभारंभ किया। साथ ही सीतामढ़ी में 76.60 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले मिल्क पाउडर संयंत्र का भी उद्घाटन किया है। इस शुभारंभ के बाद अब राज्य में पहली बार फिश ब्रुड का उत्पादन और उन्नत मत्स्य बीज का वितरण प्रारंभ हो जाएगा। फिश ब्रुड का उत्पादन शुरू हो जाने से हैचरी संचालकों को राज्य में सस्ती दर पर गुणवत्तापूर्ण प्रजनक मछली बीज उपलब्ध हो सकेगा। इस ब्रुड बैंक में आधुनिक वैज्ञानिक तरीके से स्वस्थ, बड़े और आनुवंशिक रूप से उन्नत मछलियों (ब्रुडर्स) को तैयार किया जाएगा, ताकि उनसे गुणवत्तापूर्ण और रोग-मुक्त बीज तैयार किया जा सके। इससे भारतीय मेजर कार्प और मछलियों की अन्य प्रजातियों को बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय स्तर पर सस्ता और शुद्ध बीज उपलब्ध होने से न सिर्फ मछली उत्पादन एवं रोजगार को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि निर्यात को भी प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही बाहरी राज्यों पर मत्स्य बीज की निर्भरता में कमी आएगी।

बनने जा रहा है अत्याधुनिक मिल्क पाउडर संयंत्र

इस दौरान सीतामढ़ी में 76.60 करोड़ रुपये की लागत से बनने जा रहे मिल्क पाउडर संयंत्र का भी मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने उद्घाटन किया। इस संयंत्र से उत्तर बिहार में दुग्ध प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिलेगा। यह अत्याधुनिक और पूर्णतः स्वचालित मिल्क पाउडर संयंत्र होगा। इससे प्रतिदिन 30 मीट्रिक टन अतिरिक्त मिल्क पाउडर का उत्पादन होगा। इस पहल से उत्तर बिहार के दुग्ध उत्पादक किसानों से अतिरिक्त दूध की नियमित खरीद सुनिश्चित होगी। किसानों को बेहतर एवं स्थिर मूल्य प्राप्त होगा जिससे दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। मिल्क पाउडर के माध्यम से दूध का दीर्घकालिक भंडारण संभव होगा जिससे बाजार में अतिरिक्त मांग की पूर्ति की जा सकेगी।

सुधा ब्रांड को मिलेगी मजबूती

इस मिल्क पाउडर संयंत्र के निर्माण से राज्य में दुग्ध उत्पादों के मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण क्षमता तथा विपणन को नई गति मिलेगी। साथ ही स्थानीय स्तर पर प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। राज्य की दुग्ध प्रसंस्करण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और बिहार मिल्क पाउडर उत्पादन के क्षेत्र में अग्रसर होगा। इस पहल से न केवल दुग्ध उत्पादक किसानों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि 'सुधा' ब्रांड की बाजार क्षमता को भी मजबूती मिलेगी।

श्रद्धा, सेवा और समर्पण ही है श्रावणी मेला की सच्ची भावना : डॉ. प्रेम कुमार

श्रावणी मेला में चंद्रवंशी महासभा के सेवा शिविरों का उद्घाटन, कांवरियों को फल और पेयजल वितरित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर/पटना। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला के अवसर पर कांवरियों पथ के निरीक्षण के दौरान बिहार विधान सभा के अध्यक्ष एवं अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने जिलेबिया मोड़ के समीप महासभा की ओर से लगाए गए तीन सेवा शिविरों का उद्घाटन किया। इस दौरान चंद्रवंशी समाज के कार्यकर्ताओं और श्रद्धालुओं ने 'बोल बम' तथा 'हर-हर महादेव' के जयघोष के साथ उनका स्वागत किया। सेवा शिविरों के उद्घाटन के बाद डॉ. प्रेम कुमार ने स्वयं कांवरियों की सेवा की और उनके बीच फल तथा शीतल पेयजल वितरित किया। उन्होंने कहा कि श्रद्धा के साथ सेवा और समर्पण ही श्रावणी मेला की सच्ची भावना है। श्रावणी मेला केवल आस्था और भक्ति का पर्व नहीं, बल्कि सेवा, सहयोग, समर्पण और सामाजिक एकता का भी महापर्व है। देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले शिवभक्तों की सेवा भगवान शिव की सेवा के समान पुण्य का कार्य है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में 'सेवा परमो धर्मः' की भावना को विशेष महत्व दिया गया है। चंद्रवंशी महासभा के सेवा शिविर सामाजिक दायित्व और सेवा भावना का उदाहरण हैं। डॉ. प्रेम कुमार ने अपनी धर्मपत्नी एवं सहयोगियों के साथ बैद्यनाथ धाम में बाबा भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर बिहार की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। उन्होंने कहा कि प्रशासन कांवरियों की सुविधा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और पेयजल व्यवस्था के लिए लगातार कार्य कर रहा है। सामाजिक संगठनों की सहभागिता से इन व्यवस्थाओं को और मजबूती मिलती है।

नदियों से जुड़ेगा बिहार का कारोबार, एनडब्ल्यू-1 पर 16 नए सामुदायिक जेटी का रास्ता साफ

10 स्टील जेटी का निर्माण शुरू, गंडक नदी के किनारे भी दो जेटी निर्माण प्रस्तावित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्यभर में व्यापार और आवागमन को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से गंगा (एनडब्ल्यू-1) और गंडक नदी, राष्ट्रीय जलमार्ग-37 (एनडब्ल्यू-37) में जल परिवहन का विकास तेजी से किया जा रहा है। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण की ओर से चिन्हित राष्ट्रीय जलमार्गों पर जल परिवहन से संबंधित जन सुविधाओं के लिए आवश्यक सामुदायिक जेटी का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इनके जरिये यात्रियों और सामान की सुरक्षित एवं सुगम आवाजाही की व्यवस्था विकसित की जा रही है। इनके निर्माण से नावों और जहाजों पर चढ़ने-उतरने में भी आसानी होती है। आईडब्ल्यूएआई सामुदायिक जेटी के निर्माण एवं दो साल तक सफल संचालन के बाद इसे इनलैंड वाटर ट्रांसपोर्ट, बिहार को हस्तानांतरित करता है। परिवहन विभाग के अनुसार 17 स्थानों में से 16 स्थानों पर नए सामुदायिक जेटी निर्माण के लिए जिलों से आईडब्ल्यूएआई को एनओसी मिल चुका है। इनमें पटना जिले के अंतर्गत एनआईटी (एनओसी अप्राप्त है), कंगनघाट, ग्यासपुर पीपापुल और महाजी पीपापुल, वैशाली जिले में कोनहराघाट और हाजीपुर, सारण में हरिहारनाथ मंदिर और सोनपुर, समस्तीपुर में पत्थरघाट और धरनीपट्टी पश्चिम, बेगुसराय में तीन (सिमरिया घाट, अयोध्या घाट और चित्रोघाट), वैशाली में दो जगहों, भागलपुर तथा आरा में एनडब्ल्यू-1 पर जेटी बनाने का काम प्रक्रियाधीन है। 10 स्टील जेटी का निर्माण शुरू भी हो चुका है। इधर, गंडक नदी (एनडब्ल्यू-37) पर पश्चिम चंपारण में दो जेटी का निर्माण प्रस्तावित है, जिसका एनओसी चिन्हित स्थानों पर सरकारी जमीन उपलब्ध नहीं रहने के कारण अभी प्राप्त नहीं हुआ है। विभाग के सचिव राज कुमार ने बताया कि सामुदायिक जेटी नदी किनारे रहने वाले स्थानीय लोगों, किसानों, मछुआरों, व्यापारियों और यात्रियों के लिए वरदान साबित हो रहे हैं। वर्तमान में राज्यभर के 11 जिलों में एनडब्ल्यू-1 के किनारे कुल 21 सामुदायिक जेटी मौजूद है। यह भोजपुर जिले में खवासपुर और महुली घाट, पटना में पांच जगहों (दीघा, नकटा दियारा, पानापुर, नासरीगंज और बाढ़), भागलपुर में चार (तिनतंगा, सुल्तानगंज, कहलगांव, बटेश्वर्नाथ), वैशाली एवं तथा कटिहार में दो-दो, बक्सर, सारण, समस्तीपुर, बेगुसराय, मुंगेर तथा खगड़िया जिलों में एक-एक हैं। इनमें से कई स्टील और कई प्लास्टिक (एचडीपीई) से निर्मित हैं। सचिव ने आगे कहा कि इन जेटी से स्थानीय उपज, माल और कार्गो की सस्ती ढुलाई और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन से सड़क परिवहन पर भी दबाव कम होता है।

देश के सर्वश्रेष्ठ पुस्तकालयों की तर्ज पर विकसित होगा बिहार विधानमंडल पुस्तकालय : डॉ.प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में बिहार विधानमंडल पुस्तकालय के विकास एवं संवर्धन तथा राज्य के प्रमुख पुस्तकालयों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा को लेकर उच्चस्तरीय बैठक हुई। बैठक में पुस्तकालयों को आधुनिक, सुविधासंपन्न और तकनीकी रूप से उन्नत बनाने पर जोर दिया गया। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि पुस्तकालय केवल पुस्तकों का संग्रह नहीं, बल्कि ज्ञान के जीवंत भंडार हैं। उन्होंने पुस्तकालय भवनों के संरक्षण, साफ-सफाई तथा पाठकों के लिए पेयजल, शौचालय, वातानुकूलित व्यवस्था और पंखे जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने पुरानी एवं दुर्लभ पुस्तकों के डिजिटलीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा। अध्यक्ष ने पुस्तकालयों की जर्जर स्थिति और अतिक्रमण पर चिंता जताते हुए प्रबंध समितियों में स्थानीय विधायकों एवं शिक्षाविदों को सदस्य बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने प्रमंडलीय एवं जिला पुस्तकालय समितियों की बैठक प्रत्येक तीन माह में नियमित रूप से कराने तथा अनुपालन रिपोर्ट विभाग को भेजने की बात कही। बैठक में निर्णय लिया गया कि अन्य राज्यों की पुस्तकालय व्यवस्था का अध्ययन करने के लिए उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव की अध्यक्षता में सभा सचिवालय और शिक्षा विभाग की संयुक्त टीम दिल्ली, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के पांच दिवसीय स्थल अध्ययन दौरे पर शीघ्र जाएगी। बैठक में उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव, शाहजहां, संयुक्त सचिव, शिक्षा विभाग, सचिन्द्र कुमार, निदेशक, पुस्तकालय एवं सूचना केंद्र निदेशालय तथा सिन्हा लाइब्रेरी, राजकीय उर्दू लाइब्रेरी, राजकीय पुस्तकालय पूर्णिया, गया, सारण और मुजफ्फरपुर के प्रतिनिधि एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दानापुर-भागलपुर के मध्य श्रावणी मेला स्पेशल का परिचालन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। श्रावणी मेला के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर रेलवे द्वारा कई श्रावणी मेला स्पेशल का परिचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में पटना-बख्तियारपुर-मोकामा-किउल-सुलतानगंज के रास्ते दानापुर एवं भागलपुर के मध्य गाड़ी सं. 03234/03233 दानापुर-भागलपुर-दानापुर अनारक्षित श्रावणी मेला स्पेशल का परिचालन किया जाएगा। इस स्पेशल में साधारण श्रेणी/शयनयान श्रेणी के 14 एवं एसएलआरडी के 02 कोच सहित कुल 16 कोच होंगे। गाड़ी सं. 03234 दानापुर-भागलपुर श्रावणी मेला स्पेशल 9 एवं 10 अगस्त, 2026 को दानापुर से 15.30 बजे खुलकर 15.50 बजे पटना जं., 17.03 बजे बख्तियारपुर, 17.55 बजे मोकामा, 19.05 बजे किउल एवं 20.45 बजे सुलतानगंज सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए 22.00 बजे भागलपुर पहुंचेगी।

केन्द्रीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, पूर्व मध्य रेल, पटना में विश्व स्तनपान सप्ताह पर जन जागरूकता कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर केन्द्रीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, पूर्व मध्य रेल, पटना में चिकित्सा निदेशक डॉ0 सुबोध कुमार मिश्र के नेतृत्व में एक जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य रेल कर्मचारियों एवं परिजनों के बीच स्तनपान से होने वाले फायदों के बारे में जागरूकता फैलाना था। इस अवसर पर डॉ. नेहा कुमारी, मंडल चिकित्सा अधिकारी (स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ) ने इस वर्ष की थीम - 'जीवन के सतत शुरूआत के लिए स्तनपानः कारगर उपायों को सुदृढ़ बनाना' पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात डॉ प्रतीक्षा शुभम (डीएनबी रेजिडेंट) ने स्तनपान के सही तरीके एवं इससे शिशुओं एवं माताओं को होने वाले फायदे के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. संध्या किरण अपर मु0 स्वा0 निदेशक (स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ) ने शिशु के जन्म के छः माह तक पूर्ण स्तनपान कराने में समाज व परिवारजनों की सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया। साथ ही डॉ.ए.के.ओझा अपर मु0 स्वा0 निदेशक (शिशु रोग विशेषज्ञ) ने स्तनपान को जीवन का नींव बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए चिकित्सा निदेशक डॉ0 सुबोध कुमार मिश्र ने कहा कि स्तनपान शिशुओं एवं माताओं के लिए स्वास्थ्यवर्धक है एवं सभी माताओं को पूर्ण स्तनपान कराने का सुझाव दिया।

विदेशी धन के दुरुपयोग पर रोक के लिए मजबूत कानूनी व्यवस्था जरूरी : डॉ. संतोष कुमार सुमन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (से.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार सरकार के लघु जल संसाधन मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने एफसीआरए संशोधन विधेयक का समर्थन करते हुए कहा कि विदेशी अंशदान से जुड़े मामलों में पारदर्शिता, जवाबदेही और राष्ट्रीय हित सर्वोच्च होना चाहिए। किसी भी संप्रभु राष्ट्र की यह जिम्मेदारी है कि देश में आने वाली विदेशी फंडिंग का उपयोग कानून, सार्वजनिक व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के हितों के अनुरूप हो। डॉ. सुमन ने कहा कि विदेशी सहायता प्राप्त करना अपने आप में गलत नहीं है, लेकिन उसके स्रोत, उपयोग और उससे निर्मित संपत्तियों को लेकर स्पष्ट और जवाबदेह व्यवस्था होना बेहद जरूरी है। एफसीआरए में प्रस्तावित संशोधन विदेशी योगदान से जुड़े मामलों में निगरानी और जवाबदेही को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि विदेशी धन के नाम पर देश की नीतियों, सामाजिक स्थिरता या राष्ट्रीय हितों को प्रभावित करने की किसी भी कोशिश को स्वीकार नहीं किया जा सकता। पारदर्शिता और कानून के दायरे में काम करने वाले संगठनों को इससे किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। डॉ. सुमन ने विपक्ष से आग्रह किया कि एफसीआरए संशोधन को राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय राष्ट्रहित, पारदर्शिता और राष्ट्रीय सुरक्षा की कसौटी पर देखें। भारत की संप्रभुता और सुरक्षा से समझौता किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकता।

डीडीयू-गया के बीच अनारक्षित स्पेशल ट्रेन का परिचालन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। श्रावणी मेला के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर पूर्व मध्य रेल द्वारा ट्रेन संख्या 03656/03655 डीडीयू-गया-डीडीयू अनारक्षित श्रावणी मेला स्पेशल का परिचालन 08 अगस्त से 17 अगस्त, 2026 तक प्रतिदिन किया जा रहा है। यह ट्रेन सासाराम-डिहरी ऑन सोन-अनुग्रह नारायण रोड के रास्ते डीडीयू और गया के बीच परिचालित होगी। इस स्पेशल ट्रेन के परिचालन से डीडीयू, भभुआ रोड, सासाराम, डिहरी ऑन-सोन, अनुग्रह नारायण रोड एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से गया जाने वाले श्रद्धालुओं को गया में ट्रेन संख्या 03654 गया-मधुपुर श्रावणी मेला स्पेशल के माध्यम से जसीडीह तक की आगे की यात्रा के लिए कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी।

काकोरी कांड स्वतंत्रता संग्राम का अमिट अध्याय: डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने काकोरी षड्यंत्र में शामिल वीर सपूतों की देशभक्ति और बलिदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि काकोरी कांड भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का ऐसा अमिट अध्याय है, जिसने देशभक्ति, साहस और आत्मबलिदान की अद्वितीय मिसाल प्रस्तुत की। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि अंग्रेजी हुकूमत की नींद उड़ा देने वाली इस ऐतिहासिक घटना ने देशभर के युवाओं में राष्ट्रभक्ति और आजादी के लिए संघर्ष की नई चेतना पैदा की। क्रांतिकारियों के साहस और त्याग ने स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्ज़ा प्रदान की। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त 1925 को क्रांतिकारियों ने लखनऊ के निकट काकोरी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन रोककर सरकारी खजाना लूटा था। इस घटना ने ब्रिटिश शासन को खुली चुनौती दी और क्रांतिकारी आंदोलन को व्यापक पहचान मिली।डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि काकोरी कांड में अग्रणी भूमिका निभाने वाले राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान, राजेंद्र लाहिड़ी और ठाकुर रोशन सिंह को अंग्रेजी शासन ने फांसी की सजा दी। इन अमर बलिदानियों ने स्वराज्य और मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि काकोरी के वीरों का त्याग और देशप्रेम आज भी युवाओं को राष्ट्रहित में समर्पित होकर कार्य करने की प्रेरणा देता है।

बहुभाषिकता भारतीय समाज की भाषायी और सांस्कृतिक विविधता की स्वाभाविक अभिव्यक्ति : डॉ कुमार वरूण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। अनुग्रह नारायण महाविद्यालय, पटना के हिंदी विभाग एवं भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी-सह-कार्यशाला के द्वितीय दिवस का आयोजन विचारोत्तेजक एवं सार्थक विमर्श के साथ संपन्न हुआ। विभिन्न सत्रों में प्रशासन और न्यायपालिका में हिंदी के प्रयोग, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, मातृभाषा एवं बहुभाषिक शिक्षा, भारतीय भाषाओं की सांस्कृतिक भूमिका तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में भारतीय भाषाओं की संभावनाओं पर विशेषज्ञों ने विस्तार से विचार प्रस्तुत किए। प्रथम सत्र का विषय 'हिंदी भाषा का अनुप्रयोग : प्रशासन और न्यायपालिका' रहा। डॉ कुमार वरूण ने 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति और बहुभाषिक शिक्षण पद्धति' विषय पर वक्तव्य देते हुए कहा कि बहुभाषिकता भारतीय समाज की भाषायी और सांस्कृतिक विविधता की स्वाभाविक अभिव्यक्ति है। विद्यार्थियों को अपनी मातृभाषा के साथ अन्य भारतीय भाषाओं से जोड़ना राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समन्वय को मजबूत करेगा।सत्र की अध्यक्षता प्रो. आशीष त्रिपाठी (काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी) ने की तथा मुख्य वक्ता प्रो. कलानाथ मिश्र ने प्रशासनिक एवं न्यायिक क्षेत्र में हिंदी के प्रयोग की आवश्यकता और उसकी व्यावहारिक चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की।

टी.पी.एस. कॉलेज में सड़क सुरक्षा एवं फर्स्ट एड प्रशिक्षण सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। टी.पी.एस. कॉलेज, पटना में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं कम्युनिटी ट्रैफिक पुलिस, पटना के संयुक्त तत्वावधान में सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं अस्पताल पूर्व चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य प्रो. तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि सड़क दुर्घटना के बाद की शुरुआती कुछ मिनट अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। यदि आम नागरिकों एवं विद्यार्थियों को प्राथमिक उपचार का सही ज्ञान हो तो अनेक लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, सेवा-भाव एवं व्यावहारिक कौशल के विकास पर विशेष बल देती है तथा इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम समाज के प्रति संवेदनशील एवं उत्तरदायी नागरिक तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एन.एस.एस. कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. उमेश कुमार ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सड़क सुरक्षा नियमों के पालन, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के नियमित उपयोग तथा दुर्घटना की स्थिति में घायलों को सुरक्षित ढंग से प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने के महत्व पर प्रकाश डाला। इसी अवसर पर महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय रसायन विज्ञान दिवस-2026 का भी आयोजन किया गया। प्रो. तपन कुमार शांडिल्य ने आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के वैज्ञानिक योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि विज्ञान का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जन नहीं, बल्कि समाज और मानवता के कल्याण के लिए उसका उपयोग करना है।

20 वर्षों बाद घर में गूंजी नन्हीं किलकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जन्दाहा (वैशाली)। लगभग 20 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार डॉ. आनंद रंजन झा की बहन के घर खुशियों ने दस्तक दी। उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई है। नन्हे राजकुमार के आगमन से पूरा परिवार खुशी और उल्लास से भर उठा है। 20 वर्षों से जिस घर में एक नन्हीं किलकारी की प्रतीक्षा थी, आज उसी आंगन में बच्चे की मासूम किलकारी गूंज उठी। लंबे इंतजार के बाद मिली इस खुशी को परिजन ईश्वर का अनमोल आशीर्वाद मान रहे हैं। नन्हे शिशु के जन्म की खबर मिलते ही रिश्तेदारों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं देना शुरू कर दिया। परिवार में उत्सव जैसा माहौल है। इस अवसर पर डॉ. आनंद रंजन झा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा '20 वर्षों के इंतजार के बाद घर में आई यह खुशी हमारे लिए अविस्मरणीय है। नन्हे राजकुमार का आगमन ईश्वर का सबसे अनमोल उपहार है।' उन्होंने माता एवं नवजात शिशु के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। 20 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद आई इस खुशखबरी ने पूरे परिवार के जीवन में नई उमंग और नई खुशियां भर दी है।

विश्व आदिवासी दिवस जनजातीय अधिकारों और समृद्ध विरासत के संरक्षण का संदेश : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों एवं जनजातीय समाज को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि यह दिवस जनजातीय समुदायों के अधिकारों के संरक्षण, उनकी विशिष्ट पहचान तथा समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति वैश्विक स्तर पर जागरूकता फैलाने का महत्वपूर्ण अवसर है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा 23 दिसंबर 1994 को विश्व आदिवासी दिवस की स्थापना की गई थी। इसका उद्देश्य दुनिया भर के आदिवासी समुदायों के अधिकारों की रक्षा और उनके सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक योगदान को सम्मान देना है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज का जीवन प्रकृति के साथ गहरे समन्वय, परंपराओं के संरक्षण और अटूट साहस का प्रतीक रहा है। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर राष्ट्र निर्माण तक जनजातीय समाज के अनेक नायकों ने अपने अदम्य साहस, त्याग और संघर्ष से देश के इतिहास में अतुलनीय योगदान दिया है। डॉ. प्रेम कुमार ने बताया कि वर्ष 2026 के विश्व आदिवासी दिवस की थीम 'आदिवासी महिलाओं का सम्मानः जीवन और कल्याण की रक्षा' है। यह विषय पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणालियों तथा मातृ-शिशु देखभाल में जनजातीय महिलाओं के अमूल्य योगदान को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा कि जनजातीय महिलाओं के पारंपरिक ज्ञान और सेवाओं को सम्मान एवं संरक्षण देकर स्वस्थ और समावेशी समाज के निर्माण को मजबूती दी जा सकती है।

राज्य में विकसित हो रहे खेल अवसंरचना से बदली बिहार की पहचान

राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों का बना नया केंद्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कभी खेल अवसंरचना के अभाव में बड़े आयोजनों की मेजबानी से दूर रहने वाला बिहार आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। राज्य सरकार के पिछले कुछ वर्षों में खेल अवसंरचना पर किए गए बड़े निवेश ने राज्य की सूरत-सीरत बदल दी है। राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बिहार खेल विश्वविद्यालय, पटना के अत्याधुनिक खेल परिसर, जिला खेल परिसरों और पंचायत स्तर तक विकसित हो रहे खेल मैदानों ने बिहार को बड़े खेल आयोजनों के लिए नई पहचान दिलाई है। राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स इस बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है। करीब 90 एकड़ में विकसित इस विश्वस्तरीय परिसर में अंतरराष्ट्रीय मानकों का हॉकी स्टेडियम, बहुउद्देशीय इंडोर हॉल, ओलंपिक आकार का स्विमिंग पूल, एथलेटिक्स सुविधाएं, खिलाड़ियों के लिए खेल चिकित्सा केंद्र और बिहार खेल विश्वविद्यालय स्थापित किए गए हैं। हाल ही में यहां 40 हजार दर्शकों की क्षमता वाले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का भी निर्माण किया गया है जिससे बिहार में क्रिकेट के बड़े आयोजन का रास्ता भी खुल गया है। राजधानी पटना में भी खेल अवसंरचना को लगातार मजबूत किया गया है। पाटलिपुत्र खेल परिसर (कंकड़बाग) को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया जहां फुटबॉल, एथलेटिक्स और बहुउद्देशीय इंडोर खेलों की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन हो रहा है। ऊर्जा स्टेडियम, मोइनुल हक स्टेडियम के पुनर्विकास की पहल, प्रशिक्षण केंद्रों का विस्तार तथा राज्यभर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना ने खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं का मंच उपलब्ध कराया है। सरकार पटना के पुनपुन क्षेत्र में अत्याधुनिक स्पोर्ट्स सिटी विकसित करने की दिशा में भी तेजी से काम कर रही है। राज्य में खेल अवसंरचना का विस्तार अब केवल राजधानी और बड़े शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रखंड और जिला स्तर तक खेल सुविधाओं को विकसित किया जा रहा है।

'हर घर तिरंगा' अभियान को जन-जन तक पहुंचाने की तैयारी

तिरंगे के रंग में रंगेगा बिहार : नीतीश मिश्रा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। नगर विकास एवं आवास मंत्री नीतीश मिश्रा ने राज्य के सभी नगर निकायों के अधिकारियों को 'हर घर तिरंगा' राष्ट्रीय अभियान के तहत व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा 09 अगस्त से 17 अगस्त, 2026 तक 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर देशव्यापी 'हर घर तिरंगा' अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रीय ध्वज से भावनात्मक रूप से जोड़ना तथा अपने घर पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करना है। नीतीश मिश्रा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुआ 'हर घर तिरंगा' अभियान राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के प्रति सम्मान एवं गौरव की भावना को जन-जन तक पहुंचाने वाला एक प्रभावी राष्ट्रीय अभियान बन गया है।

12 रुपये से शुरू हुआ सफर, आज दुनिया में गूंज रही बिहार की लोककला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कभी दीवारों तक सीमित मिथिला चित्रकला जब पहली बार कागज पर उतरी तो उसकी कीमत मिली थी महज 12 रुपये, लेकिन उस 12 रुपये की कमाई में एक ऐसी कला-यात्रा की शुरुआत छिपी थी, जिसने आगे चलकर बिहार की लोककला को देश-दुनिया के मंच तक पहुंचा दिया। पद्मश्री बौआ देवी ने बिहार संग्रहालय स्थापना दिवस पर इस ऐतिहासिक दौर की यादें साझा कीं तो कला की पूरी एक सदी जैसे संवाद के मंच पर जीवंत हो उठी। बिहार संग्रहालय में आयोजित कार्यक्रम में दूसरे दिन लोककला, संग्रहालय, पारंपरिक कला और समकालीन कला पर मंथन हुआ। कलाकारों, कला विशेषज्ञों और संग्रहालय से जुड़े विशेषज्ञों ने न केवल बिहार की समृद्ध कला परंपरा की चर्चा की, बल्कि यह भी बताया कि किस तरह सामाजिक परिस्थितियों और संघर्षों के बीच लोककलाओं ने अपनी अलग पहचान बनाई। बिहार संग्रहालय के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह के मॉडरेशन में हुए संवाद में पद्मश्री बौआ देवी ने मिथिला चित्रकला के उस दौर को याद किया जब 1964-65 में यह कला दीवारों से उतरकर कागज पर आ रही थी।

✷ बिहार-झारखंड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

✷ पटना संस्करण

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

✷ रजि. नंबर : 52290/90 ✷ वर्ष : 37 ✷ अंक : 74 ✷ पृष्ठ : 12 ✷ औरंगाबाद, रविवार, 9 अगस्त 2026 ✷ मूल्य : 3.00 रुपये ✷ औरंगाबाद, पटना एवं बोकारो से प्रकाशित ✷ www.navbihartime.com

सीतामढ़ी में लाभुकों के बीच चेक का वितरण करते सीएम सम्राट चौधरी

संक्षिप्त समाचार

भूमिहीन परिवारों को 15 तक मिलेगा बंदोबस्ती प्रमाण पत्र

पटना(नबिटा ब्यूरो)। राज्य के भूमिहीन परिवारों को बिहार सरकार बंदोबस्ती का प्रमाण पत्र देगी। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने 15 अगस्त तक 30 हजार परिवारों के बीच बंदोबस्ती प्रमाण पत्र वितरित करने का निर्णय लिया है। इसकी तैयारी जोरों पर है। अभियान बसेरा-2 योजना के तहत राज्य के भूमिहीन गरीब परिवारों को घर बनाने के लिए भूमि उपलब्ध कराया जाना है।

छपरा और सीवान के चार डिग्री कॉलेजों की मान्यता रद्द

पटना(नबिटा ब्यूरो)। बिहार सरकार ने सख्ती दिखाते हुए छपरा (सारण) और सीवान के चार डिग्री कॉलेजों की मान्यता रद्द कर दी है। इन कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं का एडमिशन अब आसपास के दूसरे शिक्षण संस्थानों में किया जाएगा। बिहार सरकार के उच्च शिक्षा विभाग ने इस संबंध में छपरा के जय प्रकाश विश्वविद्यालय को निर्देश जारी किए हैं। जिन चार कॉलेजों की मान्यता रद्द की गई है उनमें सारण जिले के तीन और सीवान जिले का एक डिग्री कॉलेज शामिल है। विभाग ने कहा कि बिना सीनेट या सिंडिकेट की मंजूरी के इन कॉलेजों को मान्यता दी गई थी। इसलिए इनकी संबद्धता को तुरंत प्रभाव से वापस लिया जाता है।

टीआरई-4 में सीटें बढ़ने की संभावना

पटना(नबिटा ब्यूरो)। टीआरई-4 में शिक्षक नियुक्ति की सीटें बढ़ सकती हैं। इनमें पुराने खाली पदों को भी शामिल किया जाएगा। शिक्षा विभाग ने इसकी पहल शुरू कर दी है। इसके तहत कक्षा 9वीं से 12वीं के लिए शिक्षक नियुक्ति की संशोधित रिक्तियां बीपीएससी को भेजी जाएंगी। यही नहीं इनमें बैकलॉग पदों की भी गणना होगी। शिक्षा विभाग ने सभी जिलों से माध्यमिक (कक्षा 9-10) और उच्च माध्यमिक (कक्षा 11-12) शिक्षकों के विषयवार रिक्त पदों की संशोधित जानकारी मांगी है। साथ ही टीआरई-3 के बाद बचे रिक्त पदों का आरक्षण समायोजन कराने का निर्देश दिया गया है।

कोर्ट में गवाही देकर लौट रही महिला की गोली मारकर हत्या

अरवल(नबिटा ब्यूरो)। जहानाबाद-अरवल मुख्य मार्ग स्थित अरवल के करपी थाना क्षेत्र के बाजितपुर मोड़ के समीप बाइक सवार हथियारबंद अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग कर एक महिला की हत्या कर दी। वारदात के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मृत महिला की पहचान 28 वर्षीय शोभा कुमारी के रूप में की गई है। बताया जाता है कि शोभा कुमारी अपने दूसरे पति पप्पू कुमार के साथ अरवल न्यायालय में गवाही देने आई थी। न्यायालय से गवाही देकर दोनों ऑटो से लौट रहे थे। इसी दौरान बाजितपुर मोड़ के समीप पूर्व से घात लगाए बाइक सवार अपराधियों ने ऑटो को रोक शोभा कुमारी को गोली मार दी। गोली लगने से महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के दौरान उसका पति पप्पू कुमार बाल-बाल बच गया।

गृह विभाग की ओर से गुमशुदा बच्चों एवं मानव तस्करी पर पूर्वी क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित

बिहार से गायब बच्चों-महिलाओं की होगी घर वापसी : सम्राट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बच्चों और महिलाओं का गायब होना सरकार के लिए गंभीर चिंता का विषय है। मानव तस्करी के खिलाफ कार्रवाई के साथ अब सरकार पुनर्वास पर भी जोर देगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि गायब बच्चों और महिलाओं को बिहार लाकर उनका पुनर्वास किया जाएगा। मुख्यमंत्री शनिवार को पटना के ज्ञान भवन में आयोजित 'ईस्टर्न जोनल कॉन्फ्रेंस-कम-कंसल्टेशन ऑन मिसिंग एंड ह्यूमन ट्रैफिकिंग' को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में मानव तस्करी और लापता बच्चों को लेकर कई अहम मुद्दों पर मंथन हुआ। सम्राट चौधरी ने कहा कि बच्चों का गायब होना सरकार के लिए गंभीर समस्या है। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति अपनी इच्छा से बाहर जाता है तो उसके वापस लौटने की उम्मीद रहती है लेकिन जिन्हें गायब कर दिया जाता है उनके लौटने की उम्मीद कम हो जाती है। उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चों और महिलाओं को वापस लाना बड़ी चुनौती है। सरकार इस दिशा में गंभीरता से काम करेगी। मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि केवल रेस्क्यू करना ही काफी नहीं है। बच्चों और महिलाओं को वापस लाने

के बाद उनके पुनर्वास की भी व्यवस्था करनी होगी। सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार गायब बच्चों और महिलाओं को बिहार लाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में काम करेगी। उन्होंने कहा कि पुनर्वास सबसे बड़ी चुनौती है। इसके लिए सरकार की ओर से जरूरी कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने सम्मेलन में हुए मंथन को भी महत्वपूर्ण बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सम्मेलन में जो सुझाव और निष्कर्ष सामने आएंगे, सरकार उन पर गंभीरता से विचार करेगी। मानव तस्करी का नेटवर्क अक्सर एक राज्य तक सीमित नहीं रहता। ऐसे में अलग-अलग राज्यों की पुलिस और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार की बड़ी आबादी रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में जाती रही है। अगर राज्य में रोजगार और उद्योग के अवसर बढ़ेंगे तो लोगों को बाहर जाने की जरूरत कम होगी। उन्होंने कहा कि बिहार में उद्योग आएंगे तो लोग यहां स्थिर होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में बड़े निवेश की तैयारी चल रही है। निवेशकों की ओर से स्टील और न्यूक्लियर प्लांट जैसे क्षेत्रों में निवेश की सहमति की बात भी उन्होंने कही। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में बिहार में बड़े पैमाने पर निवेश होगा। उनका कहना था कि उद्योग और रोजगार बढ़ने से बिहार के लोगों को अपने राज्य में ही बेहतर अवसर मिलेंगे।

पशु तस्करों से कथित सांठ-गांठ के आरोप में एक एएसआइ समेत चार पुलिसकर्मी गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मुंगेर। जिले में पशु तस्करी के खिलाफ पुलिस प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने पशु तस्करों से कथित सांठ-गांठ के आरोप में एक एएसआइ समेत चार पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोप है कि ये पुलिसकर्मी तस्करों के संपर्क में थे और मवेशियों से लदे वाहनों को जिले की सीमा से सुरक्षित पार कराने में उनकी मदद करते थे। मामले के सामने आने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई में ट्रैफिक थाना, मुफस्सिल थाना समेत अन्य थानों में तैनात पुलिसकर्मियों की भूमिका सामने आई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि पशु तस्करी का यह नेटवर्क कितने समय से सक्रिय था और इसमें विभाग के अन्य कितने लोग शामिल हैं। पूरे मामले की शुरुआत जिला सूचना इकाई को मिली गुप्त सूचना से हुई। सूचना के आधार पर डीआइयू की टीम ने ने एक संदिग्ध ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान ट्रक में करीब 35 से 36 भैंसें बेहद क्रूरतापूर्वक लदी मिलीं। पुलिस ने मौके से तीन कथित पशु तस्करों को हिरासत में लिया। पूछताछ में उन्होंने मवेशियों को खगड़िया ले जाने की बात बताई। तकनीकी अनुसंधान के दौरान पुलिस को तस्करों और मुंगेर पुलिस के कुछ कर्मियों के बीच लगातार संपर्क के पुख्ता प्रमाण मिले। जांच में सामने आया कि तस्करों के संपर्क में ट्रैफिक थाना, मुफस्सिल थाना और अन्य थानों में तैनात पुलिसकर्मी थे। इनमें एक दरोगा समेत चार पुलिसकर्मियों की कथित सीधी संलिप्तता सामने आई। तकनीकी जांच में पुलिसकर्मियों की कथित भूमिका सामने आने के बाद पुलिस कप्तान ने तत्काल कार्रवाई का आदेश दिया। इसके बाद एक एएसआइ समेत चार पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जांच का दायरा बढ़ाया जा रहा है। पशु तस्करी के इस सिंडिकेट से जुड़े किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और जांच में सामने आने वाले सभी आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बिहार को बर्बाद कर रही चार नदियां : सीएम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के कई हिस्सों में हर साल बाढ़ की वजह से लोगों को परेशानी झेलनी पड़ती है। नेपाल में होने वाली मूसलाधार बारिश की वजह से बिहार में खतरा बढ़ जाता है। हर साल की तरह इस साल भी पहले ही प्रशासन की तरफ से रोकथाम की तैयारी कर ली गई। ऐसे में आज एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी बाढ़ का जिक्र किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार दुनिया की सबसे घनी आबादी वाला राज्य है। बिहार एक ओर जहां सुखाड़ से परेशान रहता है तो दूसरी ओर बाढ़ भी बिहार को बर्बाद करती है। नेपाल के पानी से सबसे ज्यादा परेशानी होती है। चार बड़ी नदियां बिहार को बर्बाद कर रहीं हैं। सीएम सम्राट चौधरी 'ईस्टर्न जोनल कॉन्फ्रेंस-कम-कंसल्टेशन ऑन मिसिंग एंड ह्यूमन ट्रैफिकिंग' कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि साउथ बिहार से डेढ़ गुनी आबादी नॉर्थ बिहार में रहती है। 22 में 15 जिले के बाढ़ प्रभावित हैं लेकिन अब दो हजार गांव ही हाई रिस्क जोन में हैं। कहा कि बिहार में पहले 22 लाख हेक्टेयर ही खेती की जमीन थी। अब सिर्फ नॉर्थ बिहार में 32 लाख हेक्टेयर में सिंचाई की व्यवस्था है। गंगा, गंडक और कोसी नदी को पूरी तरह से व्यवस्थित किया जायेगा। बता दें कि शनिवार सुबह 6 बजे जारी जल संसाधन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस्माईलपुर-बिंद टोली, राघोपुर, मदरौनी और जेबी चोरहर चारों प्रमुख जगहों पर नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

रिश्वत लेते उद्योग विभाग के जीएम गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

अररिया। जिले में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उद्योग विभाग के महाप्रबंधक अनिल कुमार मंडल को गिरफ्तार किया है। निगरानी टीम ने उनके किराये के मकान पर छापेमारी कर 50 हजार रुपये की कथित रिश्वत की राशि बरामद की है। बताया जाता है कि मो कमरे आलम नामक व्यक्ति उद्योग विभाग की ओर से आम नागरिकों को उद्योग चलाने के लिए उपलब्ध मशीनों की सप्लाई करते हैं। उनकी शिकायत के मुताबिक कमरे आलम ने विभिन्न लोगों को करीब 17 लाख रुपये की मशीनें सप्लाई की थीं। इसी मशीन सप्लाई के एवज में उद्योग विभाग के महाप्रबंधक अनिल कुमार मंडल द्वारा पांच प्रतिशत कमीशन की मांग की जा रही थी। कमरे आलम ने मामले की शिकायत निगरानी अन्वेषण ब्यूरो,

पटना में की। शिकायत मिलने के बाद ब्यूरो के पदाधिकारियों ने मामले की जांच और सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान रिश्वत मांगने की बात सही पाए जाने के बाद 7 अगस्त 2026 को निगरानी थाना में कांड संख्या 95/26 दर्ज किया गया। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अनिल कुमार मंडल को आरोपी बनाया गया। मामला दर्ज होने के बाद निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की ओर से छापेमारी दल का गठन किया गया। डीएसपी सतीश चंद्र महादेव के नेतृत्व में टीम ने शनिवार को उद्योग विभाग के महाप्रबंधक अनिल कुमार मंडल के किराये के मकान पर छापेमारी की। निगरानी डीएसपी ने बताया कि महाप्रबंधक के बेडरूम के बगल में रखी एक अलमारी से 50 हजार रुपये की कथित रिश्वत की राशि बरामद की गई। बरामदगी के बाद निगरानी टीम ने अनिल कुमार मंडल को गिरफ्तार कर लिया। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के डीएसपी सतीश चंद्र माधव ने बताया कि शिकायतकर्ता कमरे आलम द्वारा शिकायत की गई थी कि मशीन सप्लाई के एवज में महाप्रबंधक की ओर से पांच प्रतिशत कमीशन की मांग की जा रही है। शिकायत का सत्यापन कराया गया जिसमें रिश्वत मांगने की बात सही पाई गई। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी के बाद निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की ओर से मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया की जा रही है। टीम मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

जेल अधीक्षक समेत चार पर प्राथमिकी

आरा(नबिटा ब्यूरो)। भोजपुर जिले के शाहपुर से भाजपा विधायक राकेश रंजन उर्फ राकेश रंजन ओझा की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। विधायक के पैतृक गांव ओझवलिया स्थित आवास पर पहुंचे एक गुमनाम पत्र में उनकी हत्या की कथित साजिश का उल्लेख किए जाने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पत्र में हैंड ग्रेनेड की व्यवस्था करने और शूटर के जरिए विधायक पर हमला कराने की बात कही गई है। मामले में भागलपुर विशेष केंद्रीय कारा के जेल अधीक्षक राजीव कुमार झा, आरा कोर्ट बम ब्लास्ट कांड के आरोपी लंबू शर्मा, बक्सर के ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के जोगिया गांव निवासी कुबेर मिश्रा तथा करनामेपुर थाना क्षेत्र के सोनबरसा गांव निवासी हरीश मिश्रा को नामजद किया गया है। करनामेपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस पत्र में लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है।

दिल्ली में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मिले निशांत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार शनिवार को नई दिल्ली पहुंचे। राष्ट्रीय राजधानी में उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच बिहार में स्वास्थ्य के क्षेत्र में चल रहे कामों पर विस्तार से चर्चा हुई। निशांत ने इसे शिष्टाचार मुलाकात बताया। उन्होंने कहा कि बिहार में ट्रॉमा सेंटर और सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों के विस्तार के मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री से बात हुई है। जेपी नड्डा से मिलने के बाद निशांत ने मीडिया से बातचीत में कहा कि बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर उनसे विस्तार से चर्चा हुई। बिहार के लोगों को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रयास कर रही है। निशांत ने कहा कि स्वस्थ बिहार के संकल्प को साकार करने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार एवं आधुनिकीकरण के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हेल्थ सर्विस की गुणवत्ता में निरंतर सुधार का काम

किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से उनकी यह शिष्टाचार भेंट रही। बिहार में स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो योजनाएं चल रही हैं, उनके बारे में केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया गया। स्वास्थ्य मंत्री बनने के बाद निशांत बिहार में हेल्थकेयर सेक्टर को और मजबूत करने में जुटे हैं। उन्होंने हर जिला अस्पताल में सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक बनाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही हर जिले में सभी तरह की जांच और इलाज की सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है।

पेड़ से टकराया पुलिस का गश्ती वाहन, चालक की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

शिवहर। जिले में बिहार पुलिस का गश्ती वाहन हादसे का शिकार हो गया। जीप पेड़ से टकरा गई जिसमें ड्राइवर रामजी राय (45 वर्ष) की मौत हो गई। वहीं दारोगा अशोक सिंह समेत दो पुलिसकर्मी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इनमें दारोगा अशोक सिंह की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए एसकेएमसीएच मुजफ्फरपुर रेफर किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और स्थानीय लोगों के सहयोग से घायलों को इलाज के लिए पिपराही पीएचसी में भर्ती कराया जहां से सभी को सरोजा सीताराम सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने चालक रामजी राय को मृत घोषित कर दिया, जबकि दारोगा सहित तीन पुलिसकर्मियों का इलाज जारी है। वहीं दारोगा को रेफर करने की तैयारी चल रही है। हादसा तब हुआ जब पिपराही थाने में तैनात अवर निरीक्षक अशोक सिंह तथा तीन पुलिसकर्मियों के साथ गश्ती पर निकले थे।

वीरों की धरती है झारखंड : हेमंत सोरेन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड की धरती वीरों की भूमि रही है। अमर वीर शहीद निर्मल महतो जी जैसे हमारे महान आंदोलनकारियों और मार्गदर्शकों का जीवन समाज के लिए सदैव प्रेरणादायक रहा है और हमेशा रहेगा। उक्त बाते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को झारखंड के महान आंदोलनकारी निर्मल महतो के शहादत दिवस पर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कही। श्री सोरेन ने हर साल की तरह इस साल भी शहीद निर्मल महतो की स्मृति में यहां बड़ी संख्या में हमारे गांव, शहर, कस्बे और मोहल्लों से आए प्रबुद्ध नागरिकों, किसान भाइयों, माताओं-बहनों, हमारे क्रांतिकारी साथियों आदि की उपस्थिति है। उन्होंने सभी का अभिनंदन करते हुए कहा कि वीर शहीद निर्मल महतो के बारे में कुछ भी कहना बहुत कम होगा। लेकिन एक बात

हमेशा कहूंगा-जब तक चांद-सूरज रहेगा, निर्मल महतो तेरा नाम रहेगा। अनगिनत आंदोलनकारी हमारे बीच आए और चले गये लेकिन उन्होंने अपना जीवन झारखंड के आदिवासी-मूलवासियों को एकजुट करने और उनके हक-अधिकार की लड़ाई के लिए समर्पित किया। लंबे संघर्ष, आंदोलनकारियों के बलिदान और लहू के बाद वर्ष 2000 में झारखंड ने भारत के मानचित्र पर अपनी अलग पहचान बनाई। हमारी एकजुटता और परस्पर सहयोग ही इस राज्य की सबसे बड़ी ताकत है। वीर शहीदों के विचार और आदर्श हमेशा हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे। आज हम सभी वीर पुरुष शहीद निर्मल महतो के चरणों में नमन करने और उनका आशीर्वाद लेने आए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ दिन पहले ही लंबे समय तक हमारे बीच मार्गदर्शक के रूप में रहे दिशोम गुरु शिबू सोरेन की भी पुण्यतिथि थी। वहां भी हम सभी बड़े पैमाने पर एकजुट होकर उन्हें नमन करने पहुंचे और उनका आशीर्वाद लिया। आज हम जिस संवेदनशीलता के साथ इस राज्य के गरीब-गुरबा, किसान और आम नागरिकों के लिए काम कर रहे हैं, उस काम में बाधा डालने के लिए विपक्ष के लोग एड़ी-चोटी का जोर लगाए हुए हैं। लेकिन हम उस लड़ाई को भी जीतेंगे और इस राज्य के करोड़ों लोगों का हक-अधिकार उनके घर तक पहुंचाएंगे। बातें बहुत हैं। क्योंकि यह वीरों की धरती है। एक वीर की कहानी सुनाएंगे तो दूसरे वीर की कहानी की कड़ी जुड़ती चली जाएगी। हमारे वीर शहीद आज शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनके विचार और आदर्श हमेशा हमारे जीवन के साथ चलेंगे। उन्होंने कहा कि हम अपने वीर शहीदों और मार्गदर्शकों को अपनी प्रेरणा बनाते हुए जीवन का सफर तय करेंगे। मजबूती से, बिना डरे हमें आगे बढ़ना है। झारखंड अलग राज्य बना लेकिन राज्य को दिशा देने का काम जिन लोगों के जिम्मे रहा, उनमें ऐसे लोग भी थे जो कभी इस राज्य के गठन के घोर विरोधी रहे और यहां के आदिवासी-मूलवासियों के हक-अधिकार के भी विरोधी रहे।

CMYK

आपदा पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता करना सरकार की प्राथमिकता : श्रवण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

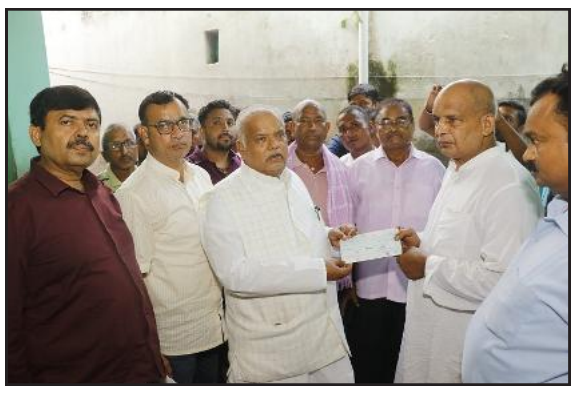

बिहारशरीफ। नगर निगम के वार्ड संख्या 50 स्थित विजनपर गांव में आपदा पीड़ित परिवार को राज्य सरकार की ओर से सहायता राशि प्रदान की गई। क्षेत्रीय विधायक, जदयू विधायक दल के नेता तथा बिहार सरकार के ग्रामीण विकास एवं सूचना जनसंपर्क विभाग के मंत्री श्रवण कुमार ने मृतक बलराम कुमार के आश्रित पिता सिद्धेश्वर प्रसाद को सहायता राशि का चेक सौंपा।इस अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि आपदा पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हमेशा कहते रहे हैं कि राज्य सरकार के खजाने पर पहला हक आपदा पीडित परिवारों का है।मंत्री ने मृतक के परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और इस दुख की घड़ी में धैर्य एवं हिम्मत से काम लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि असमय हुई क्षति की भरपाई संभव नहीं है, लेकिन सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि पीडित परिवार को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार ने बिना भेदभाव समाज के सभी वर्गों के कल्याण को प्राथमिकता दी है। 'न्याय के साथ विकास' के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए राज्य में विकास की गति को लगातार मजबूत किया जा रहा है।कार्यक्रम में बीडीओ मनीष कुमार, प्रखंड जदयू अध्यक्ष धनंजय प्रसाद कुशवाहा, जिला जदयू प्रवक्ता डॉ. धनंजय कुमार देव, प्रदेश सचिव गुलरेज अंसारी समेत कई जनप्रतिनिधि, जदयू कार्यकर्ता एवं समाजसेवी मौजूद रहे।

अपर समाहर्ता ने मॉडल आरबी-2 विद्यालय का किया औचक निरीक्षण, व्यावहारिक शिक्षा पर जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। अपर समाहर्ता, नालंदा ने प्रखंड सिलाव स्थित मॉडल आरबी-2 विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, बुनियादी सुविधाओं, साफ-सफाई और छात्र-छात्राओं की उपस्थिति का जायजा लिया। अपर समाहर्ता स्वयं कक्षाओं में पहुंचे और विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी जिज्ञासाओं को समझा।उन्होंने नदियों और नालों के दूषित जल को सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के माध्यम से उपचारित कर स्वच्छ बनाने की प्रक्रिया के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। बताया कि क्षेत्र में भी आधुनिक ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण की योजना पर कार्य चल रहा है। इसके निर्माण के बाद विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण कराया जाएगा, जिससे वे जल शोधन की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से समझ सकेंगे।कक्षा में फ्रांसीसी क्रांति, पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग और नदियों के प्रदूषण पर भी चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्रांति के बाद कोयला जैसे सीमित संसाधनों का अत्यधिक दोहन हुआ, जबकि अब सौर ऊर्जा और जल विद्युत जैसे नवीकरणीय स्रोतों की ओर बढ़ना जरूरी है।अपर समाहर्ता ने शिक्षकों को पठन-पाठन को संवादात्मक बनाने, विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करने तथा रटने के बजाय विषय की व्यावहारिक समझ विकसित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को क्यों, कब, कैसे और क्या जैसे प्रश्नों के साथ पढ़ने की आदत विकसित करनी चाहिए।

एक नजर

थरथरी गंज में छापेमारी, शराब के साथ महिला गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। थरथरी थाना क्षेत्र के थरथरीगंज गांव में शुक्रवार की शाम पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर पांच लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की। इस दौरान पुलिस ने शराब की अवैध बिक्री के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष जावेद अहमद खान ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि थरथरी गंज गांव में एक घर के बाहर अवैध रूप से चुलाई शराब की बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद दरोगा गंगा प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापेमारी की। तलाशी के दौरान घर के बाहर से पांच लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की गई। पुलिस ने मौके से रूबी देवी को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार महिला के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायालय भेज दिया गया।

नागपंचमी के दिन घर से निकली महिला लापता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हरनौत। नगर पंचायत क्षेत्र के श्रीचंद्रपुर मोहल्ले से 70 वर्षीय वृद्ध महिला गनौरी देवी पिछले पांच दिनों से लापता हैं। महिला के अचानक घर से गायब होने के बाद परिजन उनकी लगातार तलाश कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिल सका है। इसके बाद परिजनों ने हरनौत थाना में गुमशुदगी का आवेदन देकर पुलिस से तलाश की गुहार लगाई है। लापता महिला की पहचान श्रीचंद्रपुर मोहल्ला निवासी योगेश्वर बिंद की पत्नी गनौरी देवी के रूप में हुई है। वार्ड संख्या-9 के पार्षद सूरज कुमार ने बताया कि गनौरी देवी तीन अगस्त को नागपंचमी के दिन बिना किसी को बताए घर से निकल गई थी। इसके बाद वह वापस नहीं लौटीं। परिजनों ने रिश्तेदारों, परिचितों और आसपास के गांव-मोहल्लों सहित कई संभावित स्थानों पर खोजबीन की, लेकिन महिला का पता नहीं चल पाया। बताया गया कि उनकी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं रहती थी, जिससे परिजन किसी अनहोनी की आशंका को लेकर चिंतित हैं। पुलिस ने आवेदन के आधार पर महिला की तलाश शुरू कर दी है।

पति ने पत्नी को गला रेत की हत्या,पति गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

राजगीर। राजगीर थाना क्षेत्र के माली टोला में शनिवार को दिनदहाड़े एक सनसनीखेज वारदात में 65 वर्षीया महिला की धारदार चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान बच्ची देवी के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही राजगीर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतका के पति गिन्नी मालाकार को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने हत्या की बात स्वीकार की है। उसने पारिवारिक विवाद को घटना की वजह बताया। आरोपित का कहना है कि शनिवार को चापाकल पर पानी भरने के दौरान पत्नी से पानी गिर गया था। इसको लेकर विरोध करने पर बेटा वहां पहुंचा और उसके साथ मारपीट की। आरोपी ने दावा किया कि वह करीब पांच वर्षों से परिवार से अलग रह रहा था और पत्नी व बेटे द्वारा उसे प्रताड़ित किया जाता था। उसका आरोप है कि पत्नी ने बेटे को रोकने की कोशिश नहीं की, जिससे गुस्से में आकर उसने पत्नी की हत्या कर दी। वहीं, मृतका के बेटे उपेंद्र मालाकार ने पिता के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। उसका कहना है कि उसकी मां दूध लेने के लिए घर से निकल रही थीं। इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे पिता ने चाकू से हमला कर उनकी हत्या कर दी। परिजनों ने हत्या के पीछे जमीन विवाद की आशंका जताई है। उनका आरोप है कि करीब एक कट्ठा छह डिसमिल जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था और इसी विवाद में हत्या की गई। राजगीर के डीएसपी संजीत कुमार गुप्ता ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। शुरुआती जांच में मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। हालांकि, पुलिस जमीन विवाद समेत हत्या से जुड़े सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही हत्या के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि हो सकेगी।

फतुहा-हुलासगंज सड़क को चार लेन करने की मांग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। फतुहा से एकंगरसराय और इस्लामपुर होते हुए हुलासगंज तक जाने वाली सड़क को चार लेन में विकसित करने की मांग को लेकर इस्लामपुर विधायक रुहेल रंजन ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। इस दौरान विधायक ने केंद्रीय मंत्री को पत्र सौंपकर सड़क के चौड़ीकरण की स्वीकृति प्रदान करने और आवश्यक प्रक्रिया शुरू कराने का अनुरोध किया। विधायक ने बताया कि फतुहा से हुलासगंज तक करीब 50 किलोमीटर लंबी यह सड़क पटना, नालंदा, जहानाबाद और गया जिले के लोगों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग इस सड़क से आवागमन करते हैं। वाहनों की संख्या लगातार बढ़ने के कारण वर्तमान दो लेन सड़क पर यातायात का दबाव काफी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि सड़क का पिछला विस्तार करीब चार दशक पहले किया गया था। इसके बाद क्षेत्र की आबादी, बाजार और व्यावसायिक गतिविधियों में काफी वृद्धि हुई है। सड़क की सीमित चैड़ाई के कारण कई स्थानों पर जाम की स्थिति उत्पन्न होती है और दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। विधायक ने कहा कि फतुहा-एकंगरसराय-इस्लामपुर-हुलासगंज मार्ग को चार लेन किए जाने से यातायात सुगम होगा। साथ ही पटना, नालंदा, जहानाबाद और गया के बीच संपर्क व्यवस्था मजबूत होने के साथ व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने जनहित में केंद्र सरकार से इस परियोजना पर जल्द सकारात्मक पहल करने का आग्रह किया।

किसान महाविद्यालय में प्राचार्य प्रो. दिव्यांशु कुमार के एक वर्ष पूरा होने पर सम्मान समारोह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। किसान महाविद्यालय में प्राचार्य प्रो. दिव्यांशु कुमार के पदभार ग्रहण के एक वर्ष पूरे होने पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता अभिमन्यु कुमार और राष्ट्रीय कला मंच, एबीवीपी के प्रांत सह संयोजक सुमित पटेल ने प्राचार्य को भगवान बुद्ध की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि प्रो. दिव्यांशु कुमार के नेतृत्व में बीते एक वर्ष के दौरान महाविद्यालय में कई नए पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। इन प्रयासों से विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के नए अवसर मिल रहे हैं और उनके बेहतर भविष्य की दिशा में महाविद्यालय लगातार आगे बढ़ रहा है।सामाजिक कार्यकर्ता अभिमन्यु कुमार ने कहा कि प्राचार्य के नेतृत्व में किसान महाविद्यालय शिक्षा के साथ संस्कार और अनुशासन के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बना रहा है। वहीं सुमित पटेल ने कहा कि नए पाठ्यक्रम शुरू होने से ग्रामीण क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को भी उच्च शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ने का बेहतर अवसर मिलेगा।समारोह में महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। सभी ने प्राचार्य प्रो. दिव्यांशु कुमार के सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

हरनौत में जनता दरबार में भूमि विवाद के मामले पहुंचे, मौके पर निष्पादन

नवबिहार टाइम्स संवादाता

हरनौत। प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर स्थित अंचलाधिकारी कक्ष में शनिवार को भूमि एवं राजस्व संबंधी विवादों के निपटारे को लेकर साप्ताहिक जनता दरबार आयोजित किया गया। सुबह करीब 11:30 बजे शुरू हुए जनता दरबार में विभिन्न पंचायतों और गांवों से बड़ी संख्या में फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे।अंचलाधिकारी रीता कुमारी ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित मामलों में दोनों पक्षों को आमने-सामने बुलाकर विवादों के समाधान का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि जनता दरबार में भूमि विवाद से जुड़े कुल आठ मामले सामने आए। इनमें पांच मामलों का दोनों पक्षों की मौजूदगी में मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। वहीं, तीन मामलों में संबंधित पक्षों के उपस्थित नहीं होने के कारण सुनवाई पूरी नहीं हो सकी। ऐसे पक्षों को अगली सुनवाई के लिए अगले शनिवार को उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। जनता दरबार में जमीन की मापी, सीमांकन, कब्जा, रास्ता सहित अन्य भूमि संबंधी विवादों को लेकर शिकायतें दर्ज कराई गईं। अधिकारियों ने उपलब्ध दस्तावेजों और तथ्यों के आधार पर मामलों की सुनवाई की।अंचलाधिकारी ने कहा कि दोनों पक्षों की मौजूदगी और आवश्यक कागजात के आधार पर निष्पक्ष तरीके से विवादों का समाधान कराया जा रहा है। मौके पर राजस्व पदाधिकारी रितु रिमझिम कुमारी, लिपिक मनीष कुमार, हरनौत थाना के दरोगा सहित अन्य कर्मी मौजूद रहे।

नवादा

गोपालपुर विद्यालय में लोक संवाद आयोजित, प्रभारी थानाध्यक्ष ने ग्रामीणों से की कानून-व्यवस्था पर चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली (नवादा)। रजौली प्रखंड के चितरकोली पंचायत अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोपालपुर में शनिवार को पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से लोक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी थानाध्यक्ष एसआई अजय कुमार ने की। इस दौरान एसआई सचिन कुमार और एएसआई जयप्रकाश चौधरी सहित पुलिस बल के जवान भी उपस्थित रहे। लोक संवाद में पंचायत के जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। प्रभारी थानाध्यक्ष अजय कुमार ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस और जनता के सहयोग से ही अपराध पर नियंत्रण पाया जा सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। उन्होंने बताया कि ओटीपी, लिंक या लॉटरी के नाम पर आने वाले कॉल से सावधान रहें। किसी के साथ बैंक डिटेल और पासवर्ड साझा न करें। ठगी का शिकार होने पर तुरंत 1930 नंबर पर शिकायत दर्ज कराएं। एएसआई जयप्रकाश चौधरी ने महिला सुरक्षा और बालिकाओं की शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि बेटियों को आत्मरक्षा के गुर सीखने चाहिए। विद्यालयों में अनुशासन बनाए रखने और नशा मुक्ति के लिए बच्चों को प्रेरित करने की बात भी कही। लोक संवाद में राजकुमार यादव, परवेज अख्तर, अर्जुन प्रसाद यादव, मो. कलीम, कारू यादव, बालेश्वर यादव, राजो सिंह, महेंद्र साव, सुरेश यादव, नवलेश कुमार, भोला यादव, विकास कुमार, मुकेश कुमार समेत दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में प्रभारी थानाध्यक्ष ने सभी से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

इनर व्हील क्लब ने सर्वाइकल कैंसर व पर्यावरण संरक्षण को लेकर चलाया जागरूकता अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। पटवासराय में इनर व्हील क्लब की ओर से विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर सामुदायिक भवन में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को बच्चों के लिए मां के दूध के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। क्लब की प्रेसिडेंट रेखा रानी ने बताया कि विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान माताओं को स्तनपान के प्रति जागरूक किया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मां को बच्चे को जन्म के बाद छह महीने तक अपना दूध पिलाना चाहिए। यदि मां को दूध नहीं हो रहा है तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जन्म के बाद निकलने वाला मां का पहला पीला दूध बच्चे के लिए प्राकृतिक वैक्सीन का काम करता है और उसे कई गंभीर बीमारियों से बचाने में मदद करता है। इसलिए बच्चे को यह दूध पिलाने में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं करनी चाहिए। कार्यक्रम के दूसरे चरण में क्लब की टीम उत्क्रमित उच्च प्राथमिक विद्यालय पहुंची, जहां क्लब की सेक्रेटरी पुष्पा कुमारी ने छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूक किया। उन्होंने इसके लक्षण, बचाव और समय पर चिकित्सकीय सलाह लेने की आवश्यकता की जानकारी दी। विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। विद्यालय के बाहर कीटनाशक दवा का छिड़काव भी कराया गया। महिलाओं को पॉलीथिन का इस्तेमाल नहीं करने की अपील की गई। बताया गया कि पॉलीथिन मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित करने के साथ पशुओं के लिए भी नुकसानदायक है। कार्यक्रम में प्रेसिडेंट रेखा रानी, सेक्रेटरी पुष्पा कुमारी, वाइस प्रेसिडेंट अंजना सिन्हा, सावित्री बरनवाल, आशा देवी, रजनी कुमारी, अबधेश सर एवं मथुरा सर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बापू इंटर विद्यालय पांडेयगंगौट में हाफ डे की खुशी में शिक्षकों ने बांटी मिठाई

पांडेयगंगौट। बापू इंटर विद्यालय पांडेयगंगौट में प्राचार्य अजय कुमार के नेतृत्व में शनिवार को विद्यालय में हाफ डे किए जाने के निर्णय पर शिक्षकों ने खुशी जाहिर की। इस अवसर पर शिक्षकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। शिक्षकों ने शनिवार को हाफ डे किए जाने के निर्णय के लिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं शिक्षा मंत्री मिथलेश तिवारी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। शिक्षकों ने कहा कि सरकार का यह निर्णय शिक्षक हित में है। इससे शनिवार को विद्यालय का कार्य आधे दिन समाप्त होने के बाद शिक्षकों को अपने व्यक्तिगत एवं पारिवारिक कार्यों के लिए अतिरिक्त समय मिल सकेगा। प्राचार्य अजय कुमार ने कहा कि सरकार द्वारा लिया गया यह निर्णय शिक्षकों के हित में सकारात्मक पहल है। मौके पर विद्यालय के अन्य शिक्षक एवं कर्मी मौजूद रहे।

अंचल कार्यालय में जनता दरबार आयोजित

कौआकोल। कौआकोल अंचल कार्यालय परिसर में शनिवार को साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में राजस्व अधिकारी अनीश कुमार ने मौजूद रहकर सुनवाई की। जनता दरबार में भूमि विवाद से संबंधित दो मामले प्राप्त हुए। जिसका उन्होंने दोनों पक्षों को समझा बुझाकर ऑन स्पॉट निष्पादन कर दिया। इस अवसर पर राजस्व कर्मचारी रूदन सिंह,अजित कुमार के अलावे लिपिक नीतीश कुमार सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

शनिवार को हाफ डे के निर्देश से शिक्षकों-छात्रों में खुशी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली । शिक्षा विभाग द्वारा शनिवार को हाफ डे करने के निर्देश जारी होते ही रजौली प्रखंड के विद्यालयों में खुशी की लहर देखी गई। विभाग का पत्र मिलते ही शिक्षक और छात्र दोनों उत्साहित नजर आए। खासकर घर से दूर किराये पर रहकर नौकरी करने वाले शिक्षकों में इस फैसले को लेकर जबरदस्त खुशी है।निर्देश की जानकारी मिलते ही शिक्षक एक-दूसरे को सोशल मीडिया ग्रुप और व्हाट्सएप के माध्यम से बधाई देने लगे। विद्यालय से घर की दूरी अधिक होने और साप्ताहिक घर जाने वाले शिक्षकों ने कहा कि इस निर्णय से उन्हें अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने का मौका मिलेगा। इस संबंध में रजौली प्रखंड शिक्षक नेता अजित कुमार ने शिक्षा विभाग और राज्य सरकार को धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा, शनिवार को हाफ डे होना अति आवश्यक था। यह सभी छात्रों और शिक्षकों के लिए जरूरी था। यह शिक्षकों को उत्साहित करने की दिशा में सरकार का एक सराहनीय कदम है। शिक्षक नेता अजीत कुमार ने कहा कि हाफ डे के साथ-साथ प्रोन्नति जैसी ज्वलंत समस्या पर भी सरकार को ध्यान देना होगा। उन्होंने मांग की कि विशिष्ट और नियोजित शिक्षकों को उनका प्रोन्नति का अधिकार यथाशीघ्र दिया जाए। साथ ही कहा कि शिक्षक उत्साहित रहेंगे तभी उत्साहित भविष्य का निर्माण संभव है। हम उम्मीद करते हैं कि सरकार शिक्षकों की अन्य लंबित मांगों पर भी जल्द निर्णय लेगी। शिक्षकों का मानना है कि हाफ डे से न सिर्फ शिक्षकों को राहत मिलेगी, बल्कि छात्रों की उपस्थिति और पढ़ाई की गुणवत्ता में भी सुधार होगा।

जर्जर भवन के साये में पढ़ाई को मजबूर करबलानगर उर्दू विद्यालय के छात्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली (नवादा)। रजौली प्रखंड के उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय करबलानगर का भवन अत्यंत जर्जर स्थिति में पहुंच गया है। प्रभारी प्रधानाध्यापिका इंदु कुमारी ने प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीइओ) को पत्र सौंपकर विद्यालय के सभी कमरों, शौचालयों और चाहरदीवारी की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है। विद्यालय में नामांकित 100 से अधिक बच्चों और शिक्षकों के लिए यह जर्जर ढांचा सुरक्षा का बड़ा खतरा बन गया है। प्रभारी प्रधानाध्यापिका के अनुसार, पांचों कमरे जर्जर हैं और छत से पानी टपकने के कारण दो कमरों को बंद करना पड़ा है। पानी रिसने से कमरे का पंखा भी खराब हो चुका है। इसके अलावा, दोनों शौचालय उपयोग के लायक नहीं रहने से विशेषकर छात्राओं को भारी कठिनाई हो रही है। चाहरदीवारी क्षतिग्रस्त होने से परिसर में मवेशियों और असामाजिक तत्वों का जमावड़ा बना रहता है, जिससे शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है। स्थानीय अभिभावक मो. अकरम और मो. वसीम सहित अन्य लोगों ने भी प्रशासन से अविलंब संज्ञान लेने की अपील की है। इस संबंध में प्रभारी बीईओ राकेश कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में आ चुका है। विभागीय कार्रवाई जारी है और जल्द ही छत की मरम्मत करवा दी जाएगी।

जिलाधिकारी ने जिला स्तरीय समन्वय, राजस्व एवं तकनीकी विभागों की समीक्षा की

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिलाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में डीआरडीए सभागार में जिला स्तरीय समन्वय, राजस्व एवं तकनीकी विभागों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों एवं योजनाओं की पीपीटी के माध्यम से क्रमवार समीक्षा की गई। बैठक के प्रारंभ में सहयोग शिविर पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को सभी प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने तथा निष्पादन संबंधी प्रतिवेदन पोर्टल पर अद्यतन करने का निर्देश दिया। राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान खखंदुआ-अवनैया पथ निर्माण के लिए 3.1 हेक्टेयर वन भूमि के बदले क्षतिपूरक वृक्षारोपण हेतु प्रस्तावित गैर-वन भूमि के संबंध में अनापत्ति प्रतिवेदन शीघ्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। वहीं, जिले में बीएमएसआईसीएल द्वारा संचालित परियोजनाओं के लिए चिन्हित भूमि के संबंध में अनापत्ति प्रमाण-पत्र निर्गत करने हेतु अंचल अधिकारी, नवादा को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। जिले में पंचायत स्तर पर हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के नए भवन निर्माण हेतु आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने के संबंध में समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने संबंधित अंचल अधिकारियों को आवश्यक भूमि का शीघ्र चिन्हांकन कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। भू-अर्जन की समीक्षा के दौरान जिला पदाधिकारी ने भू-अर्जन पदाधिकारी को एसएच-103 के अंतर्गत मंझवे-गोविंदपुर पथ के पैकेज-6 एवं पैकेज-7 से संबंधित परियोजनाओं में एलपीसी निर्गत करने में आ रही समस्याओं के समाधान हेतु अनुमंडल पदाधिकारी, रजौली एवं अंचल अधिकारी, रजौली के साथ समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया। साथ ही, संबंधित ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर एलपीसी निर्गत करने की आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

गणित-विज्ञान शिक्षकों के लिए पीबीएल प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को रजौली प्रखंड में एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधि का संचालन किया गया, जहां प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राकेश कुमार के कुशल निर्देशानुसार स्थानीय प्रखंड संसाधन केंद्र में गणित एवं विज्ञान विषय पढ़ाने वाले सभी मध्य विद्यालय के शिक्षक और शिक्षिकाओं के लिए 'प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग' कार्यशाला का भव्य आयोजन सुनिश्चित किया गया। इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य ध्येय शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण विधियों से परिचित कराना था ताकि वे बच्चों को रटने की प्रवृत्ति से दूर ले जाकर प्रयोगात्मक और व्यवहारिक ज्ञान के माध्यम से विषय की गहरी समझ विकसित करने में सक्षम हो सकें। इस आयोजन में प्रखंड स्तरीय कुशल प्रशिक्षक राजेंद्र कुमार,निशांत नयन और निलेन्द्र कुमार की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही, जिन्होंने पी.बी.एल. तकनीक के विभिन्न पहलुओं को बेहद सरल और प्रभावशाली ढंग से उपस्थित सभी शिक्षकों के समक्ष रखा।प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों ने न केवल नई तकनीकों को सीखा, बल्कि कक्षा में आने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए आपसी चर्चा और नवाचारी विचारों का भी आदान-प्रदान किया, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने का एक नया मार्ग प्रशस्त हुआ है और यह कार्यशाला रजौली के शैक्षणिक वातावरण में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में एक अहम कड़ी साबित होगी।

राउटर खराब रहने से 20 दिनों से कौआकोल डाकघर में जमा-निकासी कार्य प्रभावित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कौआकोल। कौआकोल मुख्य डाकघर में राउटर मशीन खराब रहने के कारण पिछले करीब 20 दिनों से जमा-निकासी समेत कई सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। डाकघर का लिंक भी अक्सर फेल रहने से ग्राहकों को अपने जरूरी काम के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। तकनीकी समस्या के कारण कई बार ग्राहकों को बिना काम कराए ही वापस लौटना पड़ रहा है। डाकघर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग बचत खाता,आवर्ती जमा, निकासी सहित अन्य जरूरी कार्यों के लिए पहुंचते हैं। लेकिन राउटर में खराबी और बार-बार लिंक फेल होने के कारण इन सेवाओं का लाभ ग्राहकों को समय पर नहीं मिल पा रहा है। सबसे अधिक परेशानी उन लोगों को हो रही है, जो दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से अपना काम कराने के लिए डाकघर पहुंचते हैं। ग्राहकों का कहना है कि कई दिनों से समस्या बनी रहने के बावजूद इसका स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। सुबह से डाकघर पहुंचने के बाद लिंक आने का इंतजार करना पड़ता है। कई बार काफी देर इंतजार करने के बाद भी नेटवर्क नहीं आने पर उन्हें निराश होकर लौटना पड़ता है। इससे ग्राहकों का समय और आने-जाने में होने वाला खर्च दोनों बर्बाद हो रहे हैं। स्थानीय ग्राहकों ने संबंधित डाक विभाग के अधिकारियों से मामले को गंभीरता से लेते हुए खराब राउटर मशीन को जल्द बदलने या उसकी मरम्मत कराने की मांग की है।

वंचित वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार की प्राथमिकता वाले जिलों में गयाजी शामिल : डीएम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। जिलाधिकारी शशांक शुभंकर की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम अजय) के अंतर्गत आदर्श ग्राम योजना के क्रियान्वयन एवं प्रगति की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी ने कहा कि गया जिला अनुसूचित जाति एवं वंचित वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार की प्राथमिकता वाले जिलों में शामिल है। राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ इन क्षेत्रों के लोगों तक निरंतर पहुंचाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त केंद्र सरकार भी अनुसूचित जाति बहुल गांवों के समग्र विकास के उद्देश्य से प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के माध्यम से विशेष पहल कर रही है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत गया जिले के सभी 24 प्रखंडों के कुल 735 अनुसूचित जाति बहुल गांवों का चयन किया गया है जिन्हें चरणबद्ध तरीके से आदर्श ग्राम के रूप में विकसित किया जाएगा। इन गांवों में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रत्येक पात्र परिवार को सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले तथा स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों की योजना तैयार की जाए। जिला पदाधिकारी ने बताया कि प्रत्येक चयनित गांव के लिए 20 लाख की विशेष राशि केंद्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई है। इस राशि का उपयोग गांव की वास्तविक आवश्यकताओं एवं स्थानीय लोगों से प्राप्त सुझावों के आधार पर ऐसे विकास कार्यों में किया जाएगा जिनसे पूरे गांव को स्थायी एवं व्यापक लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि जुलाई माह में प्रत्येक गांव के लिए अलग-अलग सर्वेक्षण दल गठित किए गए हैं, इन दलों में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी शामिल हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा, जीविका, जन वितरण प्रणाली, सामाजिक सुरक्षा, पेयजल, स्वच्छता तथा अन्य विभागों के अधिकारी गांव-गांव और घर-घर जाकर लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं, पात्र लाभार्थियों की पहचान किया जा रहा है तथा उनकी आवश्यकताओं एवं सुझावों का संकलन भी किये जा रहे हैं। जिले के सभी 24 प्रखंडों के कुल 735 अनुसूचित जाति बहुल गांवों में 201238 हाउस होल्ड परिवार में से 49108 परिवारों का सर्वे किया गया है। डीएम ने नाराजगी जाहिर करते हुए सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिए हैं कि तेजी से घर घर सर्वे का काम पूर्ण करवाये। डीएम ने बताया कि बाकेबाजार में 2%, परैया में 6%, इमामगंज में 7%, गुरुआ में 7%, वजीरगंज में 14%, नीमचक बथानी में 14% ही मात्र प्रगति है। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण पूर्ण होने के तुरंत बाद प्राप्त सुझावों एवं आवश्यकताओं का विश्लेषण कर विकास योजनाओं का चयन किया जाएगा। योजना चयन के दौरान यह सुनिश्चित किया जाए कि प्राथमिकता उन परियोजनाओं को मिले जिनसे पूरे गांव को अधिकतम लाभ प्राप्त हो तथा गांव के समग्र सामाजिक एवं आर्थिक विकास को गति मिले। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य संपादित करने के निर्देश दिए गए, ताकि प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना(पीएम अजय) के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारा जा सके।

बियाडा औद्योगिक परिसर में विद्युत समस्याओं के स्थायी समाधान को लेकर बैठक

ट्रिपिंग एवं लो-वोल्टेज की समस्या होगी दूर, विशेष पावर ट्रांसफॉर्मर का कार्य अंतिम चरण में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। गुरारू प्रखंड अंतर्गत बियाडा औद्योगिक परिसर में उद्योगों को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने तथा विद्युत संबंधी समस्याओं के त्वरित एवं स्थायी समाधान को लेकर विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, गया (ग्रामीण) के विद्युत कार्यपालक अभियंता ई. विनोद कुमार के साथ विस्तृत बैठक आयोजित की गई। बैठक में बियाडा परिसर के उद्योगपतियों एवं प्रतिनिधियों ने विद्युत आपूर्ति से संबंधित विभिन्न समस्याओं को रखा। विशेष रूप से बार-बार ट्रिपिंग, कम वोल्टेज तथा वोल्टेज में उतार-चढ़ाव की समस्या पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि बियाडा स्पेशल के लिए नया पावर ट्रांसफॉर्मर स्थापित किया जा रहा है जिसका कार्य अंतिम चरण में है। इसके स्थापित होने के बाद औद्योगिक इकाइयों को अधिक स्थिर एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी तथा बार-बार ट्रिपिंग की समस्या में कमी आएगी। वहीं, बियाडा परिसर में कम वोल्टेज एवं वोल्टेज फ्लक्चुएशन की समस्या के समाधान के लिए आवश्यक तकनीकी कार्य किए जा रहे हैं। उद्योगपतियों की मांग पर बियाडा परिसर के अंदर अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर स्थापित करने का कार्य भी प्रगति पर है जिसे शीघ्र पूरा कर चालू किया जाएगा। विद्युत कार्यपालक अभियंता ई. विनोद कुमार ने कहा कि विद्युत विभाग बियाडा औद्योगिक क्षेत्र में निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण एवं पर्याप्त विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं अभियंताओं को विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की सतत निगरानी करने तथा उद्योगों से प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि औद्योगिक इकाइयों को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति मिलने से उत्पादन कार्य सुचारू रूप से संचालित होगा तथा क्षेत्र में औद्योगिक विकास को और गति मिलेगी।

मगध आइजी के निर्देश पर कोंच-आंती में लोक संवाद, समस्याओं का त्वरित समाधान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोंच/गया। पुलिस और आम जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से मगध क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक के निर्देश पर शनिवार शाम 4 बजे पुलिस-पब्लिक लोक संवाद गोष्ठी का आयोजन किया गया। कोंच थाना क्षेत्र की गोष्ठी पंचायत भवन रौना में हुई। वहीं आंती थाना क्षेत्र की गोष्ठी पंचायत सरकार भवन आंती में आयोजित की गई। आंती थानाध्यक्ष दीपक कुमार राव ने बताया कि गोष्ठी में थाना क्षेत्र के ग्राम सिमरहुआ से दो और आंती से एक मामला सामने आया। इसमें सिमरहुआ का एक और आंती का एक मामला का निदान ऑन द स्पॉट कर दिया गया। शेष बचे एक मामले का निपटारा कुछ दिनों में कर दिया जाएगा। गोष्ठी में क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, महिला सुरक्षा, साइबर अपराध और सामुदायिक पुलिसिंग से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की।

प्रस्तावित विश्वविद्यालय अधिनियम के खिलाफ शिक्षकों का शंखनाद

10 अगस्त को सामूहिक अवकाश और विशाल धरने का ऐलान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोधगया। राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित 'विश्वविद्यालय अधिनियम 2026' के खिलाफ मगध विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। मगध विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर शिक्षक संघ की कार्यकारिणी द्वारा पूर्व में लिए गए निर्णयों के आलोक में आज 8 अगस्त 2026 को विश्वविद्यालय के मन्नूलाल पुस्तकालय सभागार में शिक्षकों की एक महत्वपूर्ण आम सभा बुलाई गई। आज की आम सभा में सरकार के इस प्रस्तावित विधेयक के दूरगामी और नकारात्मक प्रभावों पर गहन चर्चा हुई। फुटाब, फुस्टाब तथा बिहार राज्य के अन्य विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय महासंघों के संयुक्त आह्वान पर राज्यव्यापी विरोध का निर्णय लिया गया है। इसी केंद्रीय निर्णय के आलोक में आम सभा में उपस्थित सभी शिक्षकों ने सर्वसम्मति से इस जनविरोधी विधेयक के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया और आगामी 10 अगस्त को एक दिवसीय सामूहिक आकस्मिक अवकाश पर जाने का अनुमोदन किया। शिक्षकों ने एक स्वर में स्पष्ट किया कि प्रस्तावित अधिनियम के तहत स्नातकोत्तर विभागों को राज्यपाल के अधीन और स्नातक कॉलेजों को सीधे राज्य सरकार के नियंत्रण में लाने का प्रावधान विश्वविद्यालयों की ऐतिहासिक स्वायत्तता पर सीधा कुठाराघात है जिसे शिक्षा जगत किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं करेगा। शिक्षक संघ द्वारा कुलपति को पत्र के माध्यम से 10 अगस्त को सामूहिक अवकाश पर रहने की आधिकारिक सूचना प्रेषित कर दी गई है। इस पत्र के माध्यम से विश्वविद्यालय प्रशासन को स्पष्ट कर दिया गया है कि 10 अगस्त को सामूहिक अवकाश पर रहने के बावजूद सभी शिक्षक विश्वविद्यालय परिसर में ही उपस्थित रहेंगे और प्रस्तावित बिल के खिलाफ अपना कड़ा विरोध प्रदर्शन करेंगे। इस आंदोलन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए मगध विश्वविद्यालय के सभी अंगीभूत कॉलेजों के शिक्षकों का भी आह्वान किया गया है कि वे इस साझा आंदोलन में अपनी पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करें। सभी शिक्षक आगामी 10 अगस्त को सामूहिक अवकाश पर रहते हुए सुबह 11:00 बजे विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन के सामने एकत्रित होंगे। यहां एक विशाल धरना-प्रदर्शन किया जाएगा जिसके उपरांत कुलपति को मांगों का ज्ञापन सौंपा जाएगा।

स्मारिका तर्पण के प्रकाशन हेतु संपादक मंडल का गठन, कंचन सिन्हा बने संपादक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। आगामी पितृपक्ष मेला 2026 के अवसर पर जिला प्रशासन, गया द्वारा मेला को सफल एवं यादगार बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 'तर्पण' नामक स्मारिका का प्रकाशन कराया जाता है जिसमें देश विदेश के बुद्धिजीवी/साहित्यकार द्वारा पितृपक्ष पर आधारित अपना आलेख उपलब्ध कराया जाता रहा है। इस वर्ष भी जिला पदाधिकारी द्वारा स्मारिका तर्पण के सफल प्रकाशन हेतु संपादक मंडल का गठन किया गया है जिसमें संरक्षक के रूप में जिला पदाधिकारी, संयोजक अपर समाहर्ता (विभागीय जांच), सह-संयोजक जिला जन संपर्क पदाधिकारी, संपादक कंचन कुमार सिन्हा तथा संपादक मंडल के सम्मानित सदस्य में राकेश कुमार सिन्हा रवि, डॉ. कुमारी रश्मि प्रियदर्शिनी, डॉ ममता मेहरा, डॉ सच्चिदानंद प्रेमी एवं आचार्य लाल भूषण मिश्र शामिल हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में आज अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) सह संयोजक, स्मारिका कोषांग, पितृपक्ष मेला 2026 की अध्यक्षता में अपर समाहर्ता (विधि व्यवस्था) के प्रकोष्ठ में संपादक मंडल के सम्मानित सदस्यों के साथ बैठक का आयोजन किया गया जिसमें स्मारिका का सफल एवं ससमय प्रकाशन हेतु विचार-विमर्श किया गया। साथ ही बैठक में निर्णय लिया गया कि 20 अगस्त 2026 तक ही आलेख प्राप्त किया जाएगा तथा प्राप्त आलेखों को ध्यानपूर्वक पढ़ने के बाद ही स्मारिका में शामिल किया जाएगा।

विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता की रक्षा के लिए ए.एम. कॉलेज के शिक्षक-कर्मचारी आंदोलनरत

प्रस्तावित बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम-2026 के विरोध में काला बिल्ला लगा जताया विरोध

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। बिहार सरकार द्वारा प्रस्तावित बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम-2026 के विरोध में राज्यव्यापी संयुक्त आंदोलन के तहत अनुग्रह मेमोरियल महाविद्यालय, गया के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी चरणबद्ध आंदोलन में सक्रिय रूप से शामिल हो गए हैं। राज्यव्यापी आंदोलन के प्रथम चरण के अंतर्गत महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने 5 से 8 अगस्त 2026 तक काला बिल्ला लगाकर अपने नियमित शैक्षणिक एवं प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए प्रस्तावित अधिनियम के प्रति शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया। इसी क्रम में महाविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी प्रशासनिक भवन के समक्ष एकत्रित हुए और प्रस्तावित विश्वविद्यालय अधिनियम के विरोध में नारेबाजी करते हुए अपना प्रतिरोध व्यक्त किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि प्रस्तावित अधिनियम विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता, शैक्षणिक स्वतंत्रता, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा उच्च शिक्षा की गरिमा के प्रतिकूल है। शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने कहा कि उनका आंदोलन किसी व्यक्तिगत हित के लिए नहीं, बल्कि विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता, उच्च शिक्षा की गुणवत्ता एवं लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा के लिए है। उन्होंने बिहार सरकार से प्रस्तावित बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम-2026 को तत्काल वापस लेने की मांग की। आंदोलन के अगले चरण के तहत 10 अगस्त 2026 को सामूहिक अवकाश रहेगा तथा शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी विश्वविद्यालय मुख्यालय पर आयोजित धरना-प्रदर्शन में भाग लेंगे। इसके बाद 11 अगस्त से 25 अगस्त 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 1:30 बजे से 2:00 बजे तक महाविद्यालय परिसर में विरोध सभा, नारेबाजी एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने एकजुट होकर संकल्प लिया कि विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता, शैक्षणिक स्वतंत्रता और उच्च शिक्षा के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा। साथ ही राज्यव्यापी आंदोलन के आगामी सभी चरणों में सक्रिय एवं संगठित भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया।

लोक संवाद गोष्ठी में ग्रामीणों की समस्याओं पर चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डुमरिया। गया जिले के डुमरिया प्रखंड के बोधी बिगहा थाना क्षेत्र अंतर्गत महुडी पंचायत के पोखरपुर स्थित पंचायत भवन में लोक संवाद गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता बोधी बिगहा थाना अध्यक्ष आलोक प्रियंदन ने की। कार्यक्रम में महुडी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि डॉ. बीबी वर्मा, समाजसेवी मोहन यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं एवं स्थानीय लोग शामिल हुए। इस दौरान क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं, आपसी समन्वय, कानून-व्यवस्था एवं ग्रामीणों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। थाना अध्यक्ष ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और आपसी सहयोग एवं शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने की अपील की।

विकास योजनाओं को अंतिम रूप देने के लिए जिला परिषद गया की विशेष बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। वित्तीय वर्ष 2026-27 की जिला पंचायत विकास योजना के निर्माण और अनुमोदन को अंतिम रूप देने के लिए शनिवार को जिला परिषद गया के सभागार में विशेष बैठक हुई। बैठक का उद्देश्य योजनाओं को भारत सरकार एवं बिहार सरकार के निर्देशों के अनुरूप तैयार कर ई-ग्राम स्वराज पोर्टल एवं ई-पंचायत बिहार पोर्टल पर निर्धारित समय-सीमा में अपलोड कराना था। योजना से संबंधित पूरी प्रक्रिया 15 अगस्त 2026 तक पूरी की जानी है। बैठक में बताया गया कि 16वें वित्त आयोग की अनुशंसा के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में जिला परिषद गया को डीएमपी पोर्टल पर कुल 40 करोड़ रुपये की योजनाएं अपलोड करनी हैं। प्राप्त दिशा-निर्देश के अनुसार स्वयं के स्रोत से राजस्व (ओएसआर) में वृद्धि करने पर जिला परिषद को 20 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान देय होगा। इसी उद्देश्य से ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर 40 करोड़ रुपये की योजनाएं अपलोड करने का लक्ष्य रखा गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के लिए आरक्षित राशि को यथावत रखते हुए शेष राशि का प्राथमिकता के आधार पर आवंटन किया जाएगा। बैठक में ग्रामीण आधारभूत संरचना के तहत सड़क, नाली और पुल-पुलिया के निर्माण एवं मरम्मत, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के तहत अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक शौचालय, शिक्षा के क्षेत्र में विद्यालय भवन, पेयजल एवं शौचालय, नवीकरणीय ऊर्जा के तहत सोलर स्ट्रीट लाइट, आजीविका एवं कौशल विकास तथा डिजिटल पंचायत एवं सुशासन को प्राथमिकता देने पर चर्चा हुई। अनटाइड फंड से प्राप्त राशि का न्यूनतम 20 प्रतिशत ओएसआर सृजन वाले कार्यों पर खर्च करना अनिवार्य होगा। बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सभी सदस्य, जिला पंचायत राज पदाधिकारी एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। सदस्यों को अपने-अपने क्षेत्र की योजनाओं का प्रस्ताव शीघ्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया, ताकि 15 अगस्त से पहले सभी योजनाएं पोर्टल पर अपलोड की जा सके।

राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़ना गौरव की बात : डॉ. मो. अली हुसैन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। शहर के प्रतिष्ठित मिर्जा गालिब कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना का ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एनएसएस से जुड़े स्वयंसेवकों को योजना के उद्देश्यों, गतिविधियों एवं सामाजिक महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मो. अली हुसैन ने राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़ने के लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एनएसएस के माध्यम से छात्र-छात्राओं को समाज एवं देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने का अवसर मिलता है। इसके जरिए समाज को सशक्त बनाने में योगदान दिया जा सकता है। राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़ना गौरव की बात है। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक संख्या में एनएसएस से जुड़कर सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान माई भारत पोर्टल पर पंजीकरण की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। साथ ही नशा मुक्त भारत अभियान से संबंधित वीडियो भी दिखाया गया। कॉलेज के सचिव शकील अहमद खान ने कार्यक्रम में शामिल स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं दीं और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सिद्धार्थ गौतम ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मो. सफदर अली ने किया। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. जोफैल हसन, डॉ. इरफाना नाहिद सहित विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

ट्रांसफॉर्मर का क्वाइल चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा, दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टिकारी। पंचानपुर थाना क्षेत्र में बिजली ट्रांसफॉर्मर से क्वाइल चोरी करने वाले गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों में बाजितपुर कला गांव निवासी राजेश पासवान का पुत्र सुजीत कुमार तथा कबाड़ी दुकानदार मो. सीमम का पुत्र रमीज शामिल है। पंचानपुर थाना के एसएचओ पद्माकर उपाध्याय ने बताया कि सघन वाहन जांच अभियान के दौरान सहबाजपुर मोड़ पर पुलिस ने साइकिल सवार एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से पीतल के नट-बोल्ट बरामद हुए। सामान संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस ने उससे पूछताछ की जिसमें उसने ट्रांसफॉर्मर की क्वाइल चोरी करने की बात स्वीकार कर ली। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि रूपनबिगहा से ट्रांसफॉर्मर की क्वाइल निकालकर दो अलग-अलग स्थानों की झाड़ियों में छिपाकर रखी गई है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने छह ट्रांसफॉर्मर क्वाइल बरामद कीं। इसके अलावा रिंच, प्लास, कटर, नट-बोल्ट समेत चोरी में प्रयुक्त कई उपकरण भी जब्त किए गए। पुलिस के अनुसार आरोपित ने पूछताछ में खुलासा किया कि चोरी की गई क्वाइल व टिकारी के बेलहड़िया निवासी कबाड़ी दुकानदार को बेचता था जिसकी दुकान पंचदेवता में संचालित है।

भारी मात्रा में शराब के साथ सात तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेरघाटी। शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत उत्पाद विभाग की टीम ने शेरघाटी और आमस क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए सात तस्करों को गिरफ्तार किया। इस दौरान तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे तीन टेंपो और एक कार से भारी मात्रा में शराब बरामद की गई। उत्पाद विभाग की टीम ने शेरघाटी में बूढ़ी नदी पुल और सिविल कोर्ट के समीप, जबकि आमस थाना क्षेत्र के करमाइन मोड़ के पास वाहनों की जांच के दौरान यह कार्रवाई की। तलाशी में झारखंड निर्मित विभिन्न ब्रांड की विदेशी और देशी शराब के साथ चुलाई शराब भी बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान गया जिले के छोटका पिंडरा निवासी अमित कुमार, कोल्हौरा निवासी शिवरंजन कुमार, खरखुरा-तरवाना निवासी नीरज कुमार तथा औरंगाबाद जिले के बोधी बिगहा निवासी अनुराग कुमार, अविनाश कुमार, रौशन कुमार और अंकुश कुमार के रूप में हुई है। उत्पाद विभाग के अनुसार कार्रवाई में 250 लीटर चुलाई शराब, 143.625 लीटर विदेशी शराब तथा 300 लीटर देशी शराब जब्त की गई। विदेशी शराब 320 बोतलों और देशी शराब 1000 बोतलों में थी। बरामद शराब की कुल मात्रा 693.625 लीटर आंकी गई है। छापेमारी अभियान में सहायक अवर निरीक्षक अजय कुमार सिंह, मो. हाबिल, अनिल कुमार सिंह, नीतू कुमारी सहित गृह रक्षक के जवान शामिल रहे। उत्पाद विभाग ने बताया कि गिरफ्तार सभी आरोपितों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। अनुसंधान पूरा होने के बाद न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा। विभाग ने कहा कि शराब तस्करी के खिलाफ आगे भी लगातार अभियान जारी रहेगा।

प्रेमचंद का साहित्य समाज का पथ प्रदर्शक : अजय कुमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टिकारी। टिकारी राज इंटर कॉलेज के सभागार में शनिवार को कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती सह प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि सह विधायक अजय कुमार ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत एनसीसी कैडेटों की ओर से मुख्य अतिथि को सलामी देने के साथ हुई। इसके बाद विधायक ने महाराजा गोपाल शरण सिंह और विद्यालय के पूर्व प्राचार्य राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा माता सरस्वती मंदिर में पूजा-अर्चना की। समारोह में विधायक अजय कुमार, प्राचार्य सैयद अख्तर हुसैन, सह आयोजक हिमांशु शेखर, सुभाष यादव, नगर परिषद अध्यक्ष अजहर इमाम, बृजमोहन शर्मा और विनोद शर्मा सहित अन्य अतिथियों ने मुंशी प्रेमचंद के तैलचित्र पर माल्यार्पण किया। इसके बाद सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्राचार्य सैयद अख्तर हुसैन और हिमांशु शेखर ने अतिथियों को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने स्वागत गान प्रस्तुत किया। संगीत शिक्षक मनु मणि के मार्गदर्शन में आयुष कुमार और सौरभ केसरी ने प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी 'बड़े भाई साहब' पर आधारित नाट्य मंचन किया। गोपाल नारायण और मयंक कुमार ने संगीत दिया। विद्यार्थियों की प्रस्तुति की अतिथियों और दर्शकों ने सराहना की।

सर्पदंश से युवक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेरघाटी। थाना क्षेत्र के चिताब कला गांव में सर्पदंश से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान उपेंद्र साव के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार उपेंद्र साव को जहरीले सांप ने डंस लिया था। परिजन उन्हें बचाने का प्रयास करते रहे, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। घटना के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मृतक अपने परिवार के मुख्य कमाने वाले सदस्य थे। उनके निधन से पत्नी और चार छोटे-छोटे बच्चों के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति पहले से ही कमजोर है और अब बच्चों के पालन-पोषण की चिंता बढ़ गई है।

हसनपुर में कीचड़ और जलजमाव से ग्रामीण बेहाल, प्रशासन से मदद की गुहार

15 साल पुराना सोलिंग ध्वस्त, अधूरी नाली बनी मुसीबत, आंदोलन की चेतावनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोंच। ग्राम पंचायत चबूरा के ग्राम हसनपुर में जलजमाव और कीचड़ के कारण ग्रामीणों का जीवन मुश्किल में पड़ गया है। बरसात के बाद हालात और बिगड़ गए हैं। गलियों में आधा फीट तक कीचड़ जमा होने से बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों का निकलना तक दूभर हो गया है। गांव में महादेव स्थान से राम विलास यादव के घर तक जाने वाला रास्ता और राजेंद्र यादव के घर से पूर्व दिशा में सियाराम यादव, रामाशीष यादव आदि के घरों तक जाने वाली गली सबसे ज्यादा प्रभावित है। ग्रामीणों के अनुसार यहां लगभग 15 वर्ष पहले हुआ ईंट का सोलिंग पूरी तरह टूट चुका है। नाली की व्यवस्था भी नहीं है। कुछ माह पहले नाली निर्माण शुरू हुआ था, लेकिन वह अधूरा छोड़ दिया गया। इससे न जल निकासी हो पा रही है और न ही लोगों को राहत मिली है। शनिवार को ग्रामीण आलोक कुमार, शत्रुघ्न यादव, अवधेश यादव, शिव नारायण यादव सहित दर्जनों लोगों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से शीघ्र समाधान की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत के बाद भी नालियों की सफाई और सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द जल निकासी और सड़क मरम्मत नहीं की गई तो वे बड़े आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

पूर्व मध्य रेल

सूचना

संविदा के आधार पर एक वर्ष के लिये 05 Contract Medical practitioners (Full Time)/Specialist (i.e. Ortho, Surgeon, Physician, Gynecologist & Pediatrician) पदों (अना– 03, अन्य पिछड़ा वर्ग–01 एवं अजा.–01) के लिये साक्षात्कार के आधार पर तैनाती हेतु अधिसूचना संख्या ECR-DDUOPERS (GAZ)/11/2023 (Computer No. 211057) दिनांक 04.08.2026 को जारी किया गया है।

इच्छुक योग्य उम्मीदवार (सेवानिवृत्त रेलवे डॉक्टरों सहित) इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या– ECR-DDUOPERS (GAZ)/11/2023 (Computer No. 211057) दिनांक 04.08.2026 के तहत वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी, पं दीन दयाल उपाध्याय मंडल (मुगलसराय), चंदौली, उत्तर प्रदेश, पिन कोड–232101 को रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से अथवा व्यक्तिगत रूप से 25.08.2026 तक या उससे पहले प्रेषित करें।

साक्षात्कार की सूचना पात्र अभ्यर्थी को बाद में दी जायेगी। **आवेदन प्रपत्र को कार्मिक विभाग के वेवसाइटः www.ecr.indianrailways.gov.in** (Click: Division → Pt. Deen Dayal Upadhyaya→ Personnel →Notification)से डाउनलोड किया जा सकता है।

मंडल रेल प्रबंधक (का०)
पूर्व मध्य रेल, डीडीयू

पीआर/0693/डीडीयू/पीईआरएसएल/नोटिफिकेशन/26-27/40

AFFIDAVIT

Old Name: MANVI KUMARI, New Name: **SAMRIDHI SINHA**, daughter of BABITA KUMARI & MANISH KUMAR, aged about 16 years, residing at New Road Durza, Buddha Colony, Near B D Public School, Patna-800001 do hereby solemnly affirm and declare as follows: That I am the holder of LIC **Policy No. 516869708**. That my correct name is Samridhi Sinha. Due to an inadvertent error, my name has been recorded as Manvi Kumari in the above-mentioned LIC policy.That my correct date of birth is 13.11.2010. Due to an inadvertent error, my date of birth has been recorded as 13.11.2009 in the said policy.That I request the Life Insurance Corporation of India (LIC) to correct my name and date of birth in all its records relating to the above policy.That this affidavit is made to confirm my correct particulars and for submission to LIC for necessary correction in its records. That the statements made herein are true and correct to the best of my knowledge and belief, and nothing material has been concealed. Vide **affidavit No.- 3116**, Dated : 7th day of August, 2026. Place: PATNA

संपादकीय

अब सिद्धिविनायक में चढ़ावा चोरी

देश में अयोध्या के श्रीराम मंदिर और बदरीनाथ धाम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला ठंडा पड़ा भी नहीं था कि मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर में चढ़ावा चोरी का बड़ा मामला सामने आ गया है। इससे लगता है कि अधिकांश हिंदू मंदिरों में चोरों की गहरे तक घुसपैठ है। सिद्धिविनायक मंदिर में 18 करोड़ रू. की चढ़ावा चोरी का गंभीर आरोप है। महाराष्ट्र में अब यह राजनीति का मुद्दा भी बनता जा रहा है। चढ़ावा चोरी का यह आरोप महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने लगाया है, जिस पर सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट ने सफाई दी है कि राज्य के उपमुख्यनमंत्री एकनाथ शिंदे ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। इस बीच राज्य के कानून और न्याय विभाग ने ट्रस्ट से विस्तृत जांच रिपोर्ट मांगी है। सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के चीफ़ सदा सर्वणकर का कहना है कि विभाग की यह कार्रवाई उसके अनुरोध पर शुरू की गई व्यापक ऑडिट प्रक्रिया का हिस्सा है और यह राज ठाकरे के आरोपों से कई महीने पहले शुरू हुई थी। ट्रस्टियों ने माना कि चढ़ावा संग्रह में खामियां थी और उसने एंटी करप्शन ब्यूरो और महाराष्ट्र के क़ानून और न्याय विभाग से जांच के लिए कहा है। जांच रिपोर्ट के आधार पर राज्य सरकार आगे कार्रवाई करेगी। गौरतलब है कि बीती एक अगस्त को राज ठाकरे ने मनसे की स्टूडेंट विंग के 20वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में दावा किया था कि 'उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को भेजे गए एक पत्र में कहा गया है कि मंदिर से हर साल 18 करोड़ रुपये चोरी किए जा रहे हैं।' हालांकि ट्रस्ट ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा कि ऐसा कोई पत्र शिंदे को नहीं भेजा गया था। ट्रस्ट के अध्यक्ष और राज्य मंत्री सदा सर्वणकर ने कहा कि चढ़ावे में गड़बड़ी नज़र आने के बाद सबसे पहले ट्रस्टियों ने ही अधिकारियों को इसकी जानकारी दी थी। मैंने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो और उसके प्रमुख विश्वास नांगरे पाटिल से शिकायत की थी, जिसके बाद मंदिर में अधिकारियों की तैनाती की गई। ट्रस्ट के अनुसार, मंदिर के एक कर्मचारी राजेंद्र पेंडुरकर को दान राशि चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद मार्च में आठ और अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष ने मीडिया से कहा कि हमने पिछले चार सालों की दान पेटी संग्रह राशि की जांच की। हमारे कार्यभार संभालने के बाद दान पेटियों से प्राप्त राशि में लगभग 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। चढ़ावा चोरी के पीछे एक बड़ी गैंग है। जानकारी मिलते ही हमने पुलिस में रिपोर्ट कराई। इस बीच राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि वर्तमान ट्रस्टियों के कार्यकाल से पहले के पांच वर्षों में हुई जांच के आधार पर कई लोगों को गिरफ्तार किया गया, कई को निलंबित किया गया और कुछ को जेल भी भेजा गया। बाद में अदालत ने उन्हें जमानत दे दी। ट्रस्ट की मांग है कि उन सभी मामलों की जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके।' यह पूरा मामला तब सामने आया जब मंदिर स्टाफ के खिलाफ वीवीआईपी दर्शन कराने के लिए पैसे लेने की शिकायतें मिलीं। इसी साल 20 मार्च को मंदिर प्रशासन ने दान पेटी से नकदी ग़ायब होने की जानकारी दी थी। इस बीच चढ़ावा चोरी का मामला राजनीतिक तूल पकड़ता जा रहा है। बीजेपी नेता राम कदम ने कहा कि अगर राज ठाकरे के पास कोई ठोस सबूत या विश्वसनीय जानकारी है, तो इसे पुलिस या सरकार के साथ साझा करें। शिवसेना (यूबीटी) की पूर्व सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि लगता है जैसे चोर ही चोरों को पकड़ने की कोशिश कर रहे हों। मामला गंभीर है और इसमें सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

गरिमामय भारत निर्माण के लिए मोदी सरकार की पहल

महात्मा गांधी ने कहा था हो सकता है मेरा पुनर्जन्म न हो, लेकिन यदि ऐसा होता है तो मैं चाहूंगा कि मेरा जन्म सिर पर मैला ढोने वाले परिवार में हो ताकि मैं उन्हें इस अमानवीय, अस्वास्थ्यकर और घृणास्पद प्रथा से छुटकारा दिला सकूँ। अब गाँधी का जन्म नहीं होगा क्योंकि देश में अब मैला ढोने वाले लोग नहीं रहे तो उनका जन्म कहाँ होगा? खैर, गाँधी की भावना इस मामले में बहुत अच्छी थी, इसे मानना पड़ेगा क्योंकि वे किसी के गरिमा के साथ होने वाले खिलवाड़ को उचित नहीं मानते थे, इसीलिए उन्होंने कुछ ऐसा कहा होगा। गरिमा की ओर बढ़ता भारत अब यह कहने में सक्षम हो गया है कि भारत में मैला ढोने की प्रथा के उन्मूलन और सफाई कर्मियों के पुनर्वास की नई तस्वीर आ चुकी है और अब किसी को शर्मिंदा नहीं होना पड़ेगा।

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

नए भारत में मैला ढोने वालों की यह नई तस्वीर यदि भारत सरकार के सर्वेक्षण में सामने आई है तो निःसंदेह बहुत ही अच्छी बात है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में सामाजिक न्याय केवल नीतियों का विषय नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के सम्मान, सुरक्षा और बेहतर जीवन से जुड़ा संकल्प है। हाथ से मैला उठाने की अमानवीय, अपमानजनक एवं घृणित कुप्रथा का उन्मूलन बहुत ज़रूरी था। केंद्र सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय मशीनीकृत स्वच्छता इकोसिस्टम कार्य-योजना-नमस्ते योजना के माध्यम से सफाई कर्मियों की गरिमा, सुरक्षा और पुनर्वास को प्राथमिकता दी गई है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा राज्यसभा में प्रस्तुत जानकारी निश्चय ही सरकार के अच्छे कार्यों को रेखांकित करती है। हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013 के तहत वर्ष 2024-25 में किए गए नए देशव्यापी सर्वेक्षण में देश के किसी भी जिले में हाथ से मैला उठाने वाला कोई व्यक्ति नहीं पाया गया। यह उपलब्धि सामाजिक बदलाव और सरकारी प्रयासों के प्रभाव का संकेत है। वर्ष 2013 और 2018 में किए गए देशव्यापी सर्वेक्षणों में कुल 58,098 हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों की पहचान हुई थी। सरकार ने पुनर्वास की दिशा में कदम बढ़ाते हुए इन सभी चिह्नित कर्मियों को 40,000 रुपये की एकमुश्त वित्तीय सहायता-ओटीसीए दिया। यह सहायता उन्हें सम्मानजनक जीवन और वैकल्पिक आजीविका की ओर बढ़ाने का माध्यम बनी। पुनर्वास की प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने के लिए स्वरोजगार योजना-एसआरएमएस को भी जुलाई 2023 में नमस्ते योजना के तहत शामिल किया गया जिससे सफाई कर्मियों और उनके आश्रितों को कौशल विकास प्रशिक्षण तथा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध हुए। वर्ष 2023-24 से 2025-26 के बीच 5,632 लाभार्थियों को कौशल विकास प्रशिक्षण दिया गया। 483 लाभार्थियों को वैकल्पिक रोजगार शुरू करने के लिए पूंजीगत सब्सिडी प्रदान की गई। ये

आत्मनिर्भरता की राह तैयार करने की वजह से जो व्यापक सुधार हुआ है और मैला ढोने वालों की संख्या सरकार के अनुसार शून्य हुई है, उसे गरिमा की स्थापना के रूप में देखा जाना चाहिए और सरकार का धन्यवाद करना चाहिए।

हम सब जानते हैं कि सफाई व्यवस्था में मानवीय जोखिमों की चुनौती अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। सीवर और सेप्टिक टैंक की जोखिमपूर्ण सफाई के कारण होने वाली मौतें अब भी गंभीर हैं। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग की रिपोर्ट का अवलोकन करें तो, 1 जनवरी 2023 से 30 जून 2026 के बीच ऐसी घटनाओं में 182 सफाई कर्मियों की मृत्यु हुई। ये आंकड़े बताते हैं कि स्वच्छता व्यवस्था को सुरक्षित, आधुनिक और पूरी तरह मशीनीकृत बनाने की आवश्यकता लगातार अभी भी बनी हुई है। चूंकि संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत स्वच्छता राज्य का विषय है, इसलिए उल्लंघन करने वाली एजेंसियों का केंद्रीय स्तर पर अलग से कोई आंकड़ा सदन से नहीं मिली। लेकिन नमस्ते योजना का मूल उद्देश्य ही यही है कि सफाई कर्मियों को खतरनाक और अमानवीय परिस्थितियों से मुक्त कर आधुनिक तकनीक आधारित स्वच्छता व्यवस्था विकसित की जाए। सरकार यह चाहती है कि मशीनों के उपयोग, कौशल विकास, वित्तीय सहायता और सामाजिक सुरक्षा के माध्यम से सरकार एक ऐसे भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़े, जहां स्वच्छता का दायित्व निभाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान और सुरक्षा मिले।

अब अगर मानवाधिकारवादी दृष्टि से देखा जाए और राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की भी मंशा का उल्लेख अगर अवलोकित करें तो वहां यह स्पष्ट रूप से पता चलता है कि राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने इस विषय को मानव सम्मान और मौलिक अधिकारों से जुड़ा मुद्दा माना है। आयोग ने समय-समय पर इस प्रथा के उन्मूलन, पुनर्वास और जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया है। आयोग की दृष्टि में समाधान केवल रोजगार बदलने तक सीमित नहीं है। वास्तविक मुक्ति तब होगी जब प्रभावित समुदायों को शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक अवसर प्राप्त होंगे। मैला ढोने की प्रथा का अंत मानव गरिमा की पुर्नस्थापना का अभियान समझना होगा। आयोग यह जनता है कि सामाजिक न्याय का मार्ग निरंतर प्रयासों, संवेदनशील नीतियों और सामूहिक प्रतिबद्धता से ही प्रशस्त होता है। इसलिए समय-समय पर मैला ढोने की प्रथा को सभ्यता के माथे पर लगा कलंक और मानव गरिमा की पुकार समझकर आयोग ने अखंड भारत में कार्य किया। मानव अधिकारों का मूल सिद्धांत है कि प्रत्येक व्यक्ति सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकारी है। सिर पर मैला ढोना मूल भावना के विरुद्ध है, क्योंकि इसमें तो व्यक्ति को सामाजिक बहिष्कार और मानसिक पीड़ा भी सहनी पड़ी है। इसमें पीड़ित व्यक्ति को समाज ने लंबे समय तक समस्या का हिस्सा मान लिया, जबकि वास्तविकता यह है कि समस्या स्वयं वह सामाजिक व्यवस्था है जिसने ऐसे कार्यों को कुछ समुदायों के भाग्य से जोड़ दिया। मानवाधिकारवादी दृष्टि इस सोच को चुनौती देती है और व्यक्ति को उसके काम से ऊपर रखती है। निःसंदेह, मैला ढोने की प्रथा इसी सामाजिक अन्याय का सबसे भयावह रूप रही है। मानव सभ्यता की सबसे बड़ी पहचान करुणा और प्रेम है। जिस दिन हम यह स्वीकार कर लेंगे कि कोई भी मनुष्य किसी दूसरे मनुष्य से कम नहीं है, उसी दिन इस अमानवीय परंपरा की समाप्ति हो जाएगी। मैला ढोने की समस्या पूरे समाज के नैतिक विवेक की परीक्षा थी। यह हमें याद दिलाती है कि विकास की चमक तभी सार्थक है, जब उसके प्रकाश में समाज का सबसे उपेक्षित व्यक्ति भी सम्मान के साथ खड़ा मिलेगा। आज भारत पूरी दुनिया में बहुत ही श्रेष्ठ लोकतंत्र व करुणा-शील के रूप में सम्मानित है इसलिए मैला ढोने वाली प्रथा अगर अब भी समाप्त नहीं होती तो निश्चय ही भारत के सभी अच्छे दावे प्रश्नचिन्ह बन जाते। नमस्ते योजना ने देश की गरिमा की रक्षा की है। आज भारत दावे के साथ कहने के लिए समर्थ है कि हम मैला ढोने की प्रथा के सन्दर्भ में ज़ीरो टॉलरेंस में विश्वास करते हैं। संयुक्त राष्ट्र हाथ से मैला ढोने की प्रथा को एक गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन, अमानवीय प्रथा और जाति-आधारित भेदभाव का चरम रूप मानता रहा है। एक समय ऐसा भी था कि यह भी दावे किए जा रहे थे कि भारत में हाथ से मैला ढोने की प्रथा गहरे स्तर पर जाति व्यवस्था से जुड़ी है, जिसमें लगभग 97% लोग दलित समुदाय से आते हैं। अब भारत में ऐसे आरोप नहीं लगेंगे। सरकार इस दिशा में अभी भी अगर सतर्क रहकर जिले स्टार पर निगरानी करती रही तो फिर ऐसे अपमानजनक कार्य से हमेशा भारत मुक्त रहेगा। सच में देखा जाए तो नरेंद्र मोदी सरकार की यह सबसे बड़ी उपलब्धि है जिसे उन्होंने मिटाकर गरिमामय भारत बनाने का कार्य किया है।

अध्यात्म

हमारे भी पास सात दिन ही हैं

एक बार की बात है संत तुकाराम अपने आश्रम में बैठे हुए थे। तभी उनका एक शिष्य, जो स्वाभाव से थोड़ा क्रोधी था। उनके समक्ष आया और बोलाः गुरूजी, आप कैसे अपना व्यवहार इतना मधुर बनाये रहते हैं, ना आप किसी पे क्रोध करते हैं और ना ही किसी को कुछ भला-बुरा कहते हैं? कृपया अपने इस अच्छे व्यवहार का रहस्य बताइए? संत बोलेः मुझे अपने रहस्य के बारे में तो नहीं पता, पर मैं तुम्हारा रहस्य जानता हूँ! मेरा रहस्य! वह क्या है गुरु जी?: शिष्य ने आश्चर्य से पूछा। तुम अगले एक हफ्ते में मरने वाले हो! संत तुकाराम दुखी होते हुए बोले। कोई और कहता तो शिष्य ये बात मजाक में टाल सकता था, पर स्वयं संत तुकाराम के मुख से निकली बात को कोई कैसे काट सकता था? शिष्य उदास हो गया और गुरु का आशीर्वाद ले वहां से चला गया। उस समय से शिष्य का स्वभाव बिलकुल बदल सा गया। वह हर किसी से प्रेम से मिलता और कभी किसी पे क्रोध न करता, अपना ज्यादातर समय ध्यान और पूजा में लगाता। वह उनके पास भी जाता जिससे उसने कभी गलत व्यवहार किया था और उनसे माफ़ी मांगता। देखते-देखते संत की भविष्यवाणी को एक हफ्ते पूरे होने को आये। शिष्य ने सोचा चलो एक आखिरी बार गुरु के दर्शन कर आशीर्वाद ले लेते हैं। वह उनके समक्ष पहुंचा और बोलाः गुरुजी, मेरा समय पूरा होने वाला है, कृपया मुझे आशीर्वाद दीजिये! मेरा आशीर्वाद हमेशा तुम्हारे साथ है पुत्र। अच्छा, ये बताओ कि पिछले सात दिन कैसे बीते? क्या तुम पहले की तरह ही लोगों से नाराज हुए, उन्हें अपशब्द कहे?: संत तुकाराम ने प्रश्न किया। नहीं-नहीं, बिलकुल नहीं। मेरे पास जीने के लिए सिर्फ सात दिन थे, मैं इसे बेकार की बातों में कैसे गँवा सकता था? मैं तो सबसे प्रेम से मिला, और जिन लोगों का कभी दिल दुखाया था उनसे क्षमा भी मांगीः शिष्य तत्परता से बोला। संत तुकाराम मुस्कुराए और बोले, बस यही तो मेरे अच्छे व्यवहार का रहस्य है। मैं जानता हूँ कि मैं कभी भी मर सकता हूँ, इसलिए मैं हर किसी से प्रेमपूर्ण व्यवहार करता हूँ, और यही मेरे अच्छे व्यवहार का रहस्य है। शिष्य समझ गया कि संत तुकाराम ने उसे जीवन का यह पाठ पढ़ाने के लिए ही मृत्यु का भय दिखाया था। वास्तव में हमारे पास भी सात दिन ही बचें हैं: रवि, सोम, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र और शनि, आठवां दिन तो बना ही नहीं है। परिवर्तन आज से आरम्भ करें।

उपचुनाव में हार: ये तो होना ही था..

चुनावी रणनीतिकार के रूप में देश में प्रसिद्ध प्रशांत किशोर 2012 से लेकर 2021 तक विभिन्न पार्टियों के लिए चुनावी रणनीतिकार होकर विभिन्न प्रदेशों में लगभग 90% सफलता प्राप्त की। परंतु उत्तर प्रदेश (कांग्रेस) में वे जरूर असफल रहे। बिहार के पिछले विधानसभा चुनाव में स्वयं की पार्टी की बुरी तरह से हार से वे स्वयं के लिए भी रणनीतिकार के रूप में असफल सिद्ध हुए। लेकिन इस उपचुनाव की जीत ने प्रशांत किशोर की छवि पर लगी उक्त दाग को धो दिया। लोकतंत्र की यही सबसे बड़ी खूबी है कि यहां जनता समय-समय पर सत्ता को ''जमीन पर उतरने'' का संदेश देती रहती है। शायद इसी कारण इन परिणामों को देखकर सहज ही मन कह उठता है- ''यह तो होना ही था।''

राजीव खंडेलवाल

देश के तीन दिशाओं के तीन राज्यों मध्य प्रदेश (''मध्य'', हृदय प्रदेश) बिहार (पूर्व) और गुजरात (पश्चिम) में हुए उपचुनावों के परिणाम पर एक लाइन की प्रतिक्रिया ''देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य'' को ''मजबूत, सुरक्षित'' करने के लिए ''ये तो होना ही था''। वैसा हमेशा यह दावा किया जाता रहा है कि लोकतांत्रिक चुनाव परिणाम देश के ''लोकतंत्र को ही मजबूत'' करते हैं, जो कई बार 'धरातल पर सही नहीं उतरता है।' लेकिन इन परिणामों ने निश्चित रूप से वास्तविक अर्थों में ''लोकतंत्र की जड़ों को सींचा'' है। आइये! इसका अर्थ समझने का प्रयास करते हैं।

बिहार के बांकीपुर में जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर की लगभग 19 हजार (लगभग 50 प्रतिशत मत 49.19), मध्यप्रदेश के दतिया में कांग्रेस के घनश्याम सिंह की 6 हजार से अधिक और गुजरात की मंजलपुर विधानसभा से भाजपा की 30 हजार से अधिक मतों से जीती है। वर्तमान में 2 विधानसभा सीट भाजपा और 1 कांग्रेस के पास थी, जहां भाजपा को इन उपचुनावों में एक सीट का ''नुकसान'' रहा। गुजरात का चुनाव परिणाम अपेक्षित था, जो राजनीति पर विशेष प्रभाव नहीं डालता है। यद्यपि यहां पर भाजपा की लीड एक लाख से घटकर 30 हजार पर आ गई।

यह चुनाव परिणाम पक्ष (सत्ता) व विपक्ष दोनों को ऊर्जा प्रदान करता हुआ सजग करता है व आंखें खोलने वाला है। प्रारंभ से ही भाजपा के लिए निम्न 'पांच' अपशगुन रहे।

(ए) पूर्व घोषित उम्मीदवार अभिषेक कुमार 'बंटी' को बदलकर, नीरज कुमार को लाया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष की सीट पर मंडल अध्यक्ष को उम्मीदवार बना दिया।

(बी) नीतीश कुमार के चेहरे के बिना यह पहला चुनाव था। मानों भाजपा के 'सिर से राजनीतिक छतरी हट गई।

(सी) कांग्रेस ने आरजेडी गठबंधन से हटकर प्रशांत किशोर का समर्थन किया।

(डी) भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन का चुनावी प्रचार के दौरान यह बयान कि 'देश में नए' 'वायरस और कॉकरोच 'जैसी पार्टियां उभर रही हैं, जिनका मकसद देश को नष्ट करना है', का भी विपरीत प्रभाव पड़ा।

(ई) कहा जा रहा है कि आरजेडी ने चुनावी मैदान में उम्मीदवार उतारने के बावजूद पर्दे के पीछे प्रशांत किशोर का अप्रत्यक्ष साथ दिया। मतलब विपक्षी मतों का अप्रत्याशित ध्रुवीकरण हुआ।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, नितिन नबीन की यह परंपरागत सीट है, जहां से वे लगातार 5 बार जीते और इसके पूर्व उनके स्वर्गीय पिताजी भी 4 बार लगातार विजयी हुए थे। बावजूद इसके बांकीपुर की हार चुनावी न होकर एक राजनैतिक संकेत है, जिसे भाजपा को एक 'निर्णायक संदेश' के रूप में लेना चाहिए। क्योंकि राजनीति में कई बार 'एक चिंगारी भी बड़ा संदेश दे जाती है।'

पिछले चुनाव में दूसरे नंबर पर रहने वाली आरजेडी की वही प्रत्याशी की इस बार जमानत जब्त हो गई। 23% वोट पाकर 25 विधानसभा सीटें जीतने वाली राजद के नेता तेजस्वी यादव को पीके से सीखना चाहिए। 3.38% मत और निरंक सीट के बावजूद शेर की मांद में जाकर हरा कर एक तीर से कई निशाने पीके ने साध लिए।

पिछले विधानसभा चुनाव में बुरी तरह से हारी, मात्र 3:38 प्रतिशत वोट पानी वाली एक भी सीट न जीतने वाली जन सुराज पार्टी, की विधानसभा में यह पहली जीत प्रशांत किशोर के मनोबल को ताकत व 'मंसूबों' को पंख देगी। प्रशांत किशोर पत्रकारों से कहा कि सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री पद में न रहने देने के लिए यह मत है। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान स्पष्ट रूप से कहा था कि आपने तो विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार के लिए वोट दिया था, सम्राट चौधरी को नहीं। अतः आपका यह वोट मेरे लिए नहीं सम्राट चौधरी के खिलाफ माना जाएगा। अब भाजपा को 'किसी अच्छे व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाना चाहिए', से प्रशांत किशोर की भविष्य की राजनीति के संकेत व मंसूबों की पुष्टि होती है। जन सुराज पार्टी के अध्यक्ष प्रशांत किशोर बांकीपुर से बाहरी उम्मीदवार होने के बावजूद 30 साल से लगातार जीत रही भाजपा को हराकर चुनाव जीते। विधानसभा की बड़ी हार का बकाया (बाकी) बांकीपुर में प्रशांत किशोर ने बड़ी जीत कर वसूल कर लिया।

चुनावी रणनीतिकार के रूप में देश में प्रसिद्ध प्रशांत किशोर 2012 से लेकर 2021 तक विभिन्न पार्टियों के लिए चुनावी रणनीतिकार होकर विभिन्न प्रदेशों में लगभग 90% सफलता प्राप्त की। परंतु उत्तर प्रदेश (कांग्रेस) में वे जरूर असफल रहे। बिहार के पिछले विधानसभा चुनाव में स्वयं की पार्टी की बुरी तरह से हार से वे स्वयं के लिए भी रणनीतिकार के रूप में असफल सिद्ध हुए। लेकिन इस उपचुनाव की जीत ने प्रशांत किशोर की छवि पर लगी उक्त दाग को धो दिया। लोकतंत्र की यही सबसे बड़ी खूबी है कि यहां जनता समय-समय पर सत्ता को ''जमीन पर उतरने'' का संदेश देती रहती है। शायद इसी कारण इन परिणामों को देखकर सहज ही मन कह उठता है- ''यह तो होना ही था।''

आज का कार्टून

राशिफल

मेष
किसी पुराने काम की प्रशंसा होगी। घरेलू कार्यों में आप अत्यधिक व्यस्त रहने वाले हैं। बॉस आपकी आय बढ़ाने का विचार बना सकते हैं।

वृषभ
अपने व्यवहार में नियन्त्रण रखें। गृहस्थ जीवन में थोड़ी अशान्ति हो सकती है। नकारात्मक लोगों की संगत से दूर रहें। आपको मेहनत से समझौता नहीं करना चाहिये।

मिथुन
नये व्यावसायिक कार्यों में आप रुचि ले सकते हैं। बड़ी परेशानियों से आपको छुटकारा मिल सकता है। परिवार की जिम्मेदारियाँ आपको मिल सकती हैं।

कर्क
व्यापार में शानदार धन लाभ होगा। धार्मिक कार्यों में आप रुचि ले सकते हैं। वाणी और व्यवहार में सन्तुलन रखें। सरकारी कार्यों में आ रही बाधा दूर होगी।

सिंह
विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर अत्यन्त गम्भीर रहेंगे। रिश्तों में मधुरता आयेगी। किसी बड़ी कम्पनी में जॉब मिल सकती है। आपके सभी काम सफल होंगे।

कन्या
आज आपको परिवार के लोगों की चिन्ता रहेगी। सहकर्मी आपके साथ धोखा कर सकते हैं। बड़े प्रोजेक्ट्स में आपको निवेश नहीं करना चाहिये।

तुला
कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिये दिन बहुत अच्छा है। अपनी दिनचर्या में कुछ सुधार कर सकते हैं।

वृश्चिक
अपना आत्मविश्वास बनाकर रखें। प्रेमीजन आपके प्रति आकर्षित रहेंगे। बुजुर्ग लोगों की सेवा में आप अत्यधिक सक्रिय रहेंगे।

धनु
आपकी बनायी हुयी कोई योजना सफल होने की सम्भावना है। जरूरतमन्द लोगों की आप मदद करेंगे। जीवनसाथी के साथ एकान्त में समय बिताना पसन्द करेंगे।

मकर
किसी पर अधिक विश्वास न करें। मांसपेशियों में खिंचाव हो सकता है। घर में अचानक मेहमान आ सकते हैं। आपको अकारण विवादों में फँसने से बचना चाहिये।

कुंभ
आज आपका दिन अत्यन्त शुभ रहने वाला है। यदि आप अपने काम से प्रसन्न नहीं हैं तो करियर बदलने के विकल्पों पर विचार कर सकते हैं।

मीन
परिश्रम का यथोचित परिणाम नहीं मिलेगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों को लेन-देन के मामलों में सजग रहना चाहिये। जीवनसाथी से सलाह लेना आपके लिये हितकर होगा।

संक्षिप्त समाचार

जरूरतमंदों के बीच साड़ी-शॉल का वितरण

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मसौढ़ी प्रखंड के देवरिया पंचायत के अंतर्गत बड़कीबाग गांव में शनिवार को पूर्व मुखिया स्व रामानंद प्रसाद सिंह की द्वितीय पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर देवरिया पैक्स अध्यक्ष सत्यनारायण प्रसाद के द्वारा विधवा, बुजुर्ग एवं गरीब लोगों के बीच साड़ी और शॉल का वितरण किया गया। पैक्स अध्यक्ष सत्यनारायण प्रसाद ने अपने पिता को याद करते हुए कहा कि स्व.रामानंद प्रसाद अपने कार्यकाल में सामाजिक कार्यों के लिए जाने जाते थे। उन्होंने गरीबों की मदद और पंचायत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।श्रद्धांजलि सभा में पूर्व सरपंच रामबचन शर्मा, पूर्व मुखिया शंभू शर्मा, ओम प्रकाश यादव, शंकर दयाल, राघे यादव, विजय शर्मा, सुरेंद्र सिंह, रंजीत कुमार, नागमणि कुमार, चंदन कुमार सहित देवरिया पंचायत के सैकड़ों लोग शामिल हुए और स्वर्गीय रामानंद को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय रामानंद के सामाजिक कार्यों को हमेशा याद किया जाएगा। उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज सेवा करने का संकल्प भी लिया गया।

मसौढ़ी में खेत व ग्रामीण मजदूर सभा की बैठक

13 और 14 अगस्त को प्रखंड-अंचल कार्यालय पर सत्याग्रह का ऐलान

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। अखिल भारतीय खेत व ग्रामीण मजदूर सभा की एकदिवसीय बैठक शुक्रवार को ग्राम कचहरी में संपन्न हुई। बैठक में 13 और 14 अगस्त को पटना जिले के सभी प्रखंड एवं अंचल कार्यालयों पर सत्याग्रह करने का निर्णय लिया गया।बैठक में तय किया गया कि मनरेगा, राशन, पेंशन, 5 डिसमिल जमीन, गांव में सरकार द्वारा टैक्स वसूली के खिलाफ और गरीबों पर सरकार के बुलडोजर चलाए जाने के विरोध में खेतिहर मजदूर सभा द्वारा सत्याग्रह किया जाएगा। इसमें प्रत्येक प्रखंड कार्यालय पर सुबह से ही सैकड़ों की संख्या में सत्याग्रही अनशन पर बैठेंगे। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक गोपाल रविदास ने कहा कि सरकार गरीबों की योजनाओं को सही तरीके से लागू नहीं कर रही है। राशन, पेंशन और मनरेगा में व्यापक धांधली है। 5 डिसमिल जमीन का वादा भी पूरा नहीं हुआ है। इसलिए सड़कों पर उतरकर आंदोलन करना जरूरी है।जिला सचिव सतनारायण प्रसाद ने कहा कि सरकार गरीबों को उजाड़ने का काम कर रही है। गांव में टैक्स वसूली और बुलडोजर की कार्रवाई के खिलाफ 13 और 14 अगस्त को होने वाला सत्याग्रह चेतावनी के रूप में होगा।बैठक में अध्यक्ष नागेश्वर पासवान, शरीफ मांझी, कपिल पासवान, उमेश मांझी, वाजन पासवान, विद्या कुमार सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल थे।

मजदूरी मांगने पर मजदूर की लाठी-डंडों से पिटाई

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। भगवानगंज थाना क्षेत्र के बेलौना गांव में बकाया मजदूरी का पैसा मांगने गए एक मजदूर के साथ लाठी-डंडों से मारपीट कर उसे गंभीर रूप से जख्मी कर देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पीड़ित पप्पू राम, पिता- नाथूराम, बेलौना ने भगवानगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई है। आवेदन में उन्होंने बताया कि पंसारी गांव निवासी गजेंद्र यादव, पिता- बिलाल यादव बीते शाम उनके घर आए और खेत में काम करने के लिए कहा। पीड़ित का आरोप है कि जब उन्होंने कहा पहले का बकाया पैसा दो, तभी काम करेंगे तो इसी बात पर गजेंद्र यादव भड़क गया और लाठी-डंडे से उन पर हमला कर दिया। मारपीट में वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। पीड़ित के आवेदन के आधार पर पुलिस ने जानलेवा हमला और SC-ST एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। भगवानगंज थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी गजेंद्र यादव को तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पीड़ित का इलाज कराया जा रहा है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

ईओ हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर कैंडल मार्च

दानापुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। डेहरी-डालमियानगर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी विमल कुमार की हत्या से आहत भीम आर्मी बिहार एवं दानापुर के समाजिक कार्यकर्ताओं ने नगर में कैंडल मार्च निकाला। उन लोगों ने नगर भ्रमण करते हुए हत्यारे की कड़ी से कड़ी सजा की मांग रखी। कैंडल मार्च में शामिल समाजसेवी राजनाथ उर्फ राजू जयसवाल एवं अन्य ने कहा कि इस हत्याकांड के पीछे और लोग भी शामिल हैं जिन्हें बचाने का कार्य किया जा रहा है। उन सभी की मांग है कि उच्चस्तरीय जांच कर इस हत्याकांड के पीछे शामिल लोगों को सामने लाया जाए। इसके अलावा सीबीआई जांच की मांग, मृतक के परिजनों को 2 करोड़ रुपए का मुआवजा एवं मृतक की पत्नी को योग्यता के अनुसार सरकारी नौकरी देने की सरकार काम करे।

संत रविदास की प्रतिमा पर माल्यार्पण

फतुहा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। शहर के मकसूदपुर में संत रविदास की 650 वीं जयंती के उपलक्ष्य के समरसता संकल्प अभियान के तहत उनके प्रतिमा के आगे कलश रख प्रतिमा पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार की शाम भाजपा जिलाध्यक्ष शैलेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में माल्यार्पण कर समाजिक समरसता का संदेश दिया। मौके पर भाजपा फतुहा नगर अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी, पुजारी बिकास रविदास, जिला महामंत्री गजेंद्र सिंह,राणा राजेंद्र पासवान, अरविंद यादव, अनिता पाटनी, कविन्द्र तांती, सुनीता पासवान, भाजयुमो जिलाध्यक्ष सुमित कुमार,नगर उपाध्यक्ष सुनील वर्मा, सूरज कुमार सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

श्रीनारायण ने पटना विवि में गोल्ड मेडल जीत बढ़ाया मान

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मसौढ़ी प्रखंड के तिनेरी गांव निवासी श्रीनारायण ने पटना विश्वविद्यालय में ग्रामीण विकास एवं प्रबंधन विषय में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर गोल्ड मेडल हासिल किया है। उन्हें सत्र 2023-25 के दीक्षांत समारोह में बिहार के राज्यपाल एवं कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन से यह सम्मान मिला। श्रीनारायण के पिता सूर्य रामजी कुमार और माता अनीता कुमारी हैं। साधारण ग्रामीण परिवेश से निकलकर उच्च शिक्षा में यह उपलब्धि पूरे परिवार और क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। गोल्ड मेडल मिलने पर श्रीनारायण ने कहा कि यह सम्मान माता-पिता, शिक्षकों और मार्गदर्शकों को समर्पित है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास की शिक्षा का उद्देश्य ग्रामीण समाज और वंचित वर्गों में सकारात्मक बदलाव लाना है। भविष्य में वे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में काम कर समाज के विकास में योगदान देना चाहते हैं।उनकी इस उपलब्धि से गांव और आसपास के युवाओं में खुशी और प्रेरणा का माहौल है।

विश्व स्तनपान दिवस पर 10 नवजातों की स्वास्थ्य जांच

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। विश्व स्तनपान दिवस के अवसर पर शनिवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मसौढ़ी में नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जीरो से 2 वर्ष तक के 10 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कार्यक्रम में बेहतर स्वास्थ्य वाले 3 बच्चों को स्वस्थ शिशु सम्मान से नवाजा गया। पीएचसी प्रभारी डॉ. रामानुज ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को प्रमाण पत्र प्रदान किया। **प्रथम स्थान:** निक्की कुमारी, माता- सुकांति कुमारी, पिता- दीपक कुमार, निवासी-थलपुरा, **द्वितीय स्थान:** शिवांश कुमार, माता- डौली कुमारी, पिता- धर्यजीस कुमार, निवासी- घोरहुआं,एवं **तृतीय स्थान:** रियांश कुमार, माता- रूपा कुमारी, पिता- नागेंद्र, निवासी- बसौर की है।इन तीनों बच्चों को सरकारी अस्पताल द्वारा स्वस्थ शिशु का प्रमाण पत्र दिया गया। इसके अलावा कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी 10 बच्चों के माता-पिता को भी प्रोत्साहन प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मसौढ़ी में चल रहा मेगा पौधारोपण अभियान

17 पंचायतों में लगेंगे 40 हजार 800 पौधे

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से मसौढ़ी प्रखंड में 'विकसित भारत-जी रामजी योजना के तहत इन दिनों व्यापक पौधारोपण अभियान चल रहा है। इस अभियान के तहत प्रखंड की सभी 17 पंचायतों में सरकारी और निजी भूमि पर बड़े पैमाने पर पौधे लगाए जाएंगे। मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी राकेश नंदन ने बताया कि अभियान अंतिम चरण में हैं। प्रारंभिक रूप से इसे जुलाई से शुरू किया गया था,और 10 अगस्त तक लक्ष्य के अनुरूप पौधरोपण करना है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक पंचायत में 12 यूनिट के तहत कुल 2,400 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस तरह 17 पंचायतों में कुल 40,800 पौधे लगाए जाएंगे। और अब तक 28800 पौधे लगाए गए हैं। पौधारोपण सरकारी भूमि के साथ-साथ इच्छुक लोगों की निजी भूमि पर भी किया जाएगा, ताकि हरित क्षेत्र का विस्तार हो सके।अभियान के तहत स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार बरगद, पीपल, नीम, शीशम, महोगनी, सागवान, कटहल, आम, अमरूद, नींबू, जामुन सहित फलदार और छायादार पौधे लगाए जाएंगे। इसका उद्देश्य हरियाली बढ़ाने के साथ जैव विविधता को बढ़ावा देना और भविष्य में लोगों को आर्थिक एवं सामाजिक लाभ पहुंचाना है।कार्यक्रम पदाधिकारी ने बताया कि लगाए जाने वाले प्रत्येक पौधे का घेराव कराया जाएगा, ताकि मवेशियों से उन्हें नुकसान न पहुंचे। साथ ही पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण की व्यवस्था भी की जाएगी। इस अभियान के माध्यम से स्थानीय श्रमिकों को रोजगार भी मिलेगा। प्रशासन ने आम लोगों से भी अभियान में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण मिल सकेगा।

गीत, मेहंदी और पोषण पोटली के साथ मसौढ़ी के आंगनबाड़ी केंद्रों पर मनाया गया गोदभराई दिवस

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। स्वस्थ मां, स्वस्थ शिशु के संकल्प के साथ शुक्रवार को मसौढ़ी प्रखंड के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों पर गोदभराई दिवस का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं का पारंपरिक तरीके से सम्मान किया गया और उन्हें पोषण व स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।आंगनबाड़ी केंद्रों पर गीत गाकर, चुनरी ओढ़ाकर और टीका लगाकर गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म निभाई गई। सेविकाओं ने गर्भस्थ शिशु के बेहतर स्वास्थ्य की कामना के साथ महिलाओं की गोद में फल, सेब, संतरा, बेदाना, दूध और अंडा रखे। सीडीपीओ कार्यालय में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं को पोषण के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान उन्हें उपहार स्वरूप पोषण की पोटली और सतरंगी थाली भेंट की गई। पोषण की पोटली में गुड़, चना, हरी पत्तेदार सब्जियां, आयरन की गोली, पोषाहार और फल शामिल थे। वहीं थाली में विभिन्न प्रकार के पौष्टिक पदार्थ दिए गए।कार्यक्रम में महिलाओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार, नियमित प्रसवपूर्व जांच, आयरन-फोलिक एसिड का सेवन, संस्थागत प्रसव, समय पर टीकाकरण और जन्म के तुरंत बाद स्तनपान के महत्व के बारे में बताया गया। साथ ही प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, जननी सुरक्षा योजना, मातृ-शिशु सुरक्षा कार्ड, एनीमिया रोकथाम और पौष्टिक आहार की जानकारी भी दी गई।मसौढ़ी सीडीपीओ अनीता कुमारी ने कहा कि गर्भधारण की पुष्टि होते ही महिलाएं नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर की निगरानी में रहें और नियमित जांच कराएं। गर्भावस्था के अंतिम महीनों में शरीर को अधिक पोषक तत्वों की जरूरत होती है। आहार में प्रोटीन, विटामिन, कार्बोहाइड्रेट के साथ वसा भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ माँ ही स्वस्थ समाज की आधारशिला है।कार्यक्रम में महिला पर्यवेक्षिका राधा कुमारी,सेविका में अर्चना कुमारी, मंजूश्री सिन्हा, सपना राज, संजुक्ता कुमारी,, इस्मत परवीन, निर्मला कुमारी, सुशीला कुमारी ,सुषमा कुमारी, अस्मिता पटेल, लालित कुमारी आदी शामिल रहे।

10 अगस्त को पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी मुख्यालय पर होगा रोषपूर्ण धरना-प्रदर्शन

श्रीचंद उदासीन कॉलेज से भी झंडा हुआ बुलंद

दनियावां/हिलसा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बिहार के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों द्वारा प्रस्तावित बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम-2026के विरोध में हिलसा में शनिवार को कर्मचारी संघ की बैठक हुई। बैठक में कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ. राजीव नयन, सचिव शैलेश कुमार, पूर्व जिला सचिव आलोक कुमार सिंह, उपाध्यक्ष जलेंद्र कुमार, कार्यकारिणी सदस्य कुमार पवन, सुभद्रा सिन्हा, सुनीति देवी, रंजीत, गुड्डु, प्रदीप कुमार, वजरंगी लाल वर्मा, शांति एवं रेखा उपस्थित रहे। बैठक के दौरान कर्मचारी संघ में कुछ आपसी मतभेद भी खुलकर उभरे, जिन्हें बाद में आपसी सहमति से शांत कराया गया। विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 10 अगस्त सोमवार को श्रीचंद उदासीन महाविद्यालय, हिलसा के सभी एवं कर्मचारी पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना मुख्यालय पर आयोजित रोषपूर्ण धरना-प्रदर्शन में शामिल होंगे। कर्मचारियों ने कहा कि प्रस्तावित अधिनियम विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता को कमजोर करता है और बिना व्यापक विचार-विमर्श के इसे लागू नहीं किया जाना चाहिए।

विवाहिता के साथ मारपीट, गहना भी छीनने का आरोप, पिता-पुत्र गिरफ्तार

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। दहेज की मांग को लेकर एक विवाहिता के साथ मारपीट और चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने मसौढ़ी थाने में आवेदन देकर 5 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की है। पीड़िता बेबी कुमारी, पति- शैलेन्द्र दास, ईशरचक, ने आवेदन में बताया कि उनकी शादी वर्ष 2021 में हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल वाले उन्हें प्रताड़ित कर रहे थे। उनका एक 9 माह का बेटा भी है।आरोप है कि दिनांक 22.07.2026 की शाम करीब 6 बजे अशोक कुमार उम्र करीब 55 वर्ष पिता सुगम राज, बसंती देवी पति अशोक कुमार, हरेंद्र दास उम्र करीब 32 वर्ष,विलेनद्र और शैलेन्द्र दास पिता अशोक कुमार सभी ईशरचक, थाना मसौढ़ी उनके घर आए, पीड़िता का आरोप है कि सभी ने जान से मारने की नियत से लोहे के रॉड और चाकू से हमला किया। हमले में उनके हाथ, पैर और पेट में गंभीर चोटें आई हैं। आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने उनका सोने का गहना, झुमका, अंगूठी, पायल और अन्य सामान भी छीन लिए। पीड़िता ने बताया कि घटना के बाद वह किसी तरह घर से बाहर निकली और परिजनों की मदद से मसौढ़ी अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज कराया। अस्पताल से बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया था, लेकिन पैसों के अभाव में वह पटना नहीं जा सकी।

नदौल पंचायत सरकार भवन को मुख्यालय की जगह दूसरे गांव में बनाए जाने का विरोध

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मसौढ़ी प्रखंड के नदौल पंचायत में पंचायत सरकार भवन को मुख्यालय गांव की जगह दूसरे गांव में बनवाए जाने को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने अनुमंडल पदाधिकारी को आवेदन देकर मामले की जांच और भवन को मुख्यालय गांव नदौल में ही बनवाने की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि पंचायत सरकार भवन के लिए मुख्यालय गांव नदौल में खाता संख्या 220, प्लॉट संख्या 485, रकवा 0.44 डी० सरकारी जमीन उपलब्ध है। इसके बावजूद प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी और अंचलाधिकारी की मिलीभगत से भवन को नदौल से लगभग 3 किमी दूर जमालपुर गांव में बनवाया जा रहा है।

मारपीट कर जेवर छीनने का आरोप, दोनों पक्षों की ओर से थाने में आवेदन

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मसौढ़ी थाना क्षेत्र के दिघवां गांव में जमीन विवाद को लेकर एक 68 वर्षीय महिला के साथ मारपीट और जेवर छीनने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने 6 लोगों के खिलाफ मसौढ़ी थाने में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है। आवेदिका राज कुमारी देवी, पति- राम प्रवेश पंडित, ने बताया कि दिनांक 28.05.2026 को उनके देवर और अन्य परिजनों ने जबरन बारी की जमीन पर कब्जा करने के लिए उनसे मारपीट की। आरोप है कि पंकज कुमार पिता- कमलेश पंडित, कमलेश पंडित पिता- स्व. रामानंद पंडित तरुण कुमार पिता- कमलेश पंडित, रूबी कुमारी पति- तरुण कुमार, गंगीया देवी पति- कमलेश कुमार पंडित और राजीव कुमार पिता- कमलेश पंडित ने लोहे के खंती और रॉड से हमला किया। मारपीट में वह बेहोश हो गईं। होश आने पर देखा कि गले की सोने की चेन, मंगलसूत्र, कान की बाली और हाथ का कंगन गायब था। पीड़िता का यह भी आरोप है कि जब बचाव के लिए उनकी छोटी बहू आई तो उसके साथ भी अभद्र व्यवहार किया गया और उसके गले की सोने की चेन, झुमका, मंगलसूत्र और हाथ का कंगन छीन लिया गया।पीड़िता को इलाज के लिए मसौढ़ी अनुमंडलीय अस्पताल रेफर किया गया। वहां इंज्यूरी बनवाने के बाद उन्होंने थाने में आवेदन दिया। बताया गया की 31.05.2026 की शाम प्रतिवादियों ने उनके खिलाफ झूठा आवेदन देकर मसौढ़ी थाने में कांड दर्ज कराया। उसी दिन शाम 7:30 बजे से रात 1 बजे तक अज्ञात लोगों के साथ मिलकर उनके घर पर ईंट-पत्थर से हमला किया और गाली-गलौज की। डर के कारण उन्होंने दरवाजा बंद कर लिया। इस संबंध में 01.06.2026 को भी थाना को सूचना दी गई।पीड़िता ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। मसौढ़ी थानाध्यक्ष ने बताया कि राज कुमारी देवी का आवेदन प्राप्त हुआ है। दोनों पक्षों के बयान और साक्ष्यों के आधार पर जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

घोसवरी प्रखंड में बीस सूत्री की बैठक, पंचायत समिति की बैठक कोरम के अभाव में स्थगित

मोकामा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। घोसवरी प्रखंड सभागार में शुक्रवार को आयोजित बीस सूत्री की बैठक तो किसी तरह सफल रही, लेकिन पंचायत समिति की बैठक कोरम के अभाव में स्थगित हो गयी।बीस सूत्री की बैठक में सदस्यों ने क्षेत्र की समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया। पंसस की बैठक में एक घंटे तक अजीब खामोशी के साथ सदस्य, मुखिया, विधायक और सांसद प्रतिनिधि की प्रतीक्षा करते रहे। शुक्रवार को घोसवरी प्रखंड सभागार में सबसे पहले बीस सूत्री की बैठक आयोजित की गयी।इस बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य और भूमि से संबंधित अधिसंख्य मुद्दे छाए रहे।सम्यागढ़ पंचायत में अस्पताल की दुर्दशा का मुद्दा जोर-शोर से उठाया गया। बीस सूत्री सदस्य अजीत सिंह ने सम्यागढ़ अस्पताल में चिकित्सकों की लगातार अनुपस्थिति की चर्चा कर सरकार के बेहतर स्वास्थ्य सेवा के दावे की पोल खोल दी। उन्होंने बताया कि करीब पचास हजार की आबादी को बिहार सरकार ने स्वास्थ्य सेवा से वंचित कर रखा है। रात में किसी के बीमार होते ही ग्रामीण खौफ के साए में आ जाते हैं। मरीज को कहां ले जाएं, इसी सोच-विचार में उसकी जान चली जाती है।इसी प्रकार केवटी गांव में सरकारी स्कूल तक जाने वाली सड़क के अतिक्रमण का मामला भी उछाल दिया गया। तारतर पंचायत में विद्यालय शिफ्टिंग पर भी सदस्यों ने कड़ा एतराज जताया और कहा कि एक प्रधानाचार्य के मनमाने रवैये से बच्चों की जिंदगी खतरे में पड़ गयी है।सदस्य धनंजय मांझी ने महादलित बस्ती को उजाड़ने की साजिश से अधिकारियों को अवगत कराया।त्रिमुहान पंचायत के गौरीहारी गांव में आजादी के बाद से अब तक सड़क नहीं बनने का सवाल उछाल कर दूसरी बार सरकार के विकास कार्यों की हकीकत से रू-ब-रू कराया। वर्षा के मौसम में यह गांव पूरी तरह प्रखंड मुख्यालय से अलग-थलग हो जाता है।तत्क्षण एक घंटे तक हुई इस बैठक में उपस्थित बीडीओ आनंद प्रकाश ने उत्तेजित बीस सूत्री सदस्यों को समस्याओं के निदान का आश्वासन देकर शांत कराया। इसी सामुदायिक भवन में आयोजित पंचायत समिति की बैठक कोरम के अभाव में स्थगित कर दी गयी। बैठक में सांसद और विधायक के प्रतिनिधि उपस्थित नहीं रहे इसी प्रकार प्रखंड के सभी आठ मुखिया ने भी बैठक से दूरी बना ली। दो पंचायत समिति सदस्य मिथिलेश यादव और रिंकू देवी ने भी पंसस की बैठक से किनारा कर लिया।नियमानुसार एक घंटे की प्रतीक्षा के बाद प्रखंड प्रमुख ललिता कुमारी ने बैठक स्थगित कर दी।

12 अगस्त को मसौढ़ी अनुमंडल के सभी प्रखंडों में निकलेगी तिरंगा यात्रा

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। आगामी 12 अगस्त को मसौढ़ी अनुमंडल के सभी प्रखंडों में प्रखंड स्तर पर तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत किया जा रहा है जो 9 अगस्त से 17 अगस्त तक चलेगा।मसौढ़ी एसडीएम धनराज कुमार ने बताया कि सचिव, बिहार के निर्देश पर अभियान के दौरान तिरंगा यात्रा, रैली, वंदे मातरम् का सामूहिक गायन, तिरंगा एवं वंदे मातरम् प्रदर्शनी, अभियान में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विद्यालय, महाविद्यालय, जीविका स्वयं सहायता समूह, ग्राम पंचायत एवं वार्ड सदस्य, पैक्स, एनएसएस, एनसीसी, नेहरू युवा केंद्र, खेल क्लब, स्वयंसेवी संस्थाएं और व्यापारिक संगठनों को शामिल किया जाएगा। एसडीएम ने बताया कि मसौढ़ी अनुमंडल के सभी प्रखंडों में प्रति प्रखंड 4,000 झंडे उपलब्ध कराए जाएंगे।

मेंटर्स एडुसर्व टैलेंट रिवार्ड एग्जाम ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों मोड में होगी आयोजित

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मीटर परीक्षा ऑनलाइन मोड में 20 से 27 सितम्बर 2026 तक एवं ऑफलाइन मोड में 04 अक्टूबर 2026 को आयोजित की जायेगी। मीटर परीक्षा से चयनित प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को मेंटर्स एडुसर्व की ओर से लगभग 28 करोड़ तक की छात्रवृति एवं प्रोत्साहन पुरस्कार दिये जायेंगे। प्रोत्साहन पुरस्कार एवं छात्रवृति की सुविधा में कुल 1600 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। मीटर परीक्षा द्वारा विद्यार्थियों को नगद पुरस्कार, स्टेट रैंक व जिला रैंक मेंटर्स एडुसर्व में नामांकन से पहले ही दिये जायेगें। मीटर परीक्षा द्वारा विद्यार्थियों को मेंटर्स एडुसर्व में नामांकन के उपरांत छात्रवृत्ति, निःशुल्क शिक्षा व निःशुल्क आवासीय सुविधाएं दिये जायेंगे। मीटर परीक्षा द्वारा विद्यार्थियों को मेधावी छात्रों के अचीवर्स बैच में पढ़ने का सुनहरा अवसर प्राप्त होगा। मीटर परीक्षा मे कक्षा 5वीं से कक्षा 11वीं तक के विद्यार्थी शामिल हो सकते हैं। मीटर परीक्षा के लिए बिहार में पटना समेत पूरे 38 जिलों में तथा झारखण्ड में 24 जिलों में परीक्षा केन्द्र बनाये जायेंगे। विद्यार्थियों के लिए 15 अगस्त 2026 तक पंजीयन निःशुल्क होगा एवं उसके बाद पंजीयन शुल्क 100 रु० होगा।

फतुहा बीडीओ और प्रमुख ने 15वीं वित्त आयोग से बनी पीसीसी सड़क का किया उद्घाटन

फतुहा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। फतुहा प्रखंड के मौजीपुर पंचायत के मौजीपुर गांव में15वीं वित्त आयोग की बारह लाख एक्कासी हजार रुपए की राशि से निर्मित मिट्टी भराई एवं पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का उद्घाटन फतुहा प्रखंड प्रमुख श्रुति श्री और बीडीओ गौतम कुमार सिन्हा ने संयुक्त रूप से किया. इस अवसर पर बीडीओ और प्रमुख ने कहा कि सरकार की विकास योजनाओं का लाभ केवल कागजों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसका प्रभाव धरातल पर भी स्पष्ट दिखाई देना चाहिए. निर्माण कार्य में पारदर्शिता बनाए रखने तथा आम लोगों को योजनाओं की जानकारी देने पर विशेष जोर दिया गया.इससे पूर्व प्रखंड कार्यालय सभागार भवन में दोबारा बने प्रखंड प्रमुख कि अ ध्यक्षता में पंचायत समिति की बैठक भी आयोजित की गई.जिसमे बीडीओ, बीपीआरओ और सीडीपीओ ने प्रखंड प्रमुख और उप परख को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया. बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की गई तथा 16वीं वित्त आयोग से संचालित होने वाली विकास योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई.

लक्ष्य निर्धारित करें, नवाचार को गति दें और टीम भावना के साथ करें कार्य : डॉ. अनूप दास

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कृषि अनुसंधान परिसर, पटना में संस्थान अनुसंधान परिषद की बैठक -2026 संपन्न : पूर्वी भारत के लिए अनुसंधान योजना को नई दिशा। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना में तीन दिवसीय संस्थान अनुसंधान परिषद -2026 की बैठक का समापन हुआ। बैठक का उद्देश्य संस्थान में संचालित अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना तथा राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप नई अनुसंधान पहलों को अंतिम रूप देना था। बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सहायक महानिदेशक डॉ. राकेश कुमार ने वर्चुअल माध्यम से सहभागिता की। उन्होंने अनुसंधान परियोजनाओं के उद्देश्यों को राष्ट्रीय कृषि प्राथमिकताओं के अनुरूप सुव्यवस्थित करने, अंतर-संस्थागत सहयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने परियोजनाओं के उद्देश्यों एवं कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। संस्थान के निदेशक डॉ. अनुप दास ने वैज्ञानिकों से 'वन टीम, वन टास्क' की कार्य संस्कृति अपनाने तथा राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप बहुविषयक, प्रौद्योगिकी-आधारित एवं किसान-केंद्रित अनुसंधान को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने वैज्ञानिकों से जलवायु-स्मार्ट कृषि, समेकित प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण, सौर ऊर्जा के उपयोग, उन्नत किस्मों के विकास, कटाई उपरांत प्रबंधन एवं मूल्य संवर्धन तथा पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया, जिससे पूर्वी भारत के लघु एवं सीमांत किसानों की उत्पादकता, लाभप्रदता, जलवायु अनुकूलन क्षमता एवं आजीविका सुरक्षा में वृद्धि हो सके। इस बैठक के दौरान विषय-विशेषज्ञ के रूप में, केंद्रीय अंतदेर्शीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, कोलकाता के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अरुण पंडित, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान केंद्र, कोलकाता के प्रभारी डॉ. अर्नब सेन , बामेती, पटना के निदेशक डॉ. पी. के. मिश्रा, महात्मा गांधी समेकित कृषि अनुसंधान संस्थान, मोतिहारी के निदेशक डॉ. राघवेंद्र सिंह , राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र, मुजफ्फरपुर के निदेशक डॉ. बिकास दास, डॉ. अदलूल इस्लाम. प्रधान वैज्ञानिक, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, आईसीएआर, नई दिल्ली ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किये।

CMYK

संक्षिप्त समाचार

10 अगस्त को जॉब कैम्प का आयोजन

मोतिहारी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिला नियोजनालय के कैंपस में 10.08.2026 को प्रातः 11:00 बजे एक दिवसीय जॉब कैंप सह - कैरियर मार्गदर्शन कैम्प का आयोजन किया जा रहा है ' इस जॉब कैम्प में भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन लिमिटेड द्वारा भाग लिया जाएगा और अभ्यर्थियों का चयन संगम मैनेजर/ फील्ड ऑफिसर पद के लिए किया जाएगा। विभिन्न पदों के लिए योग्यता 12 वीं पास आवश्यक है, उम्र पुरुष 18 - 32 वर्ष निर्धारित है। जॉब का कार्यस्थल पूर्वी चम्पारण/ पश्चिमी चम्पारण जिलों में होगा और मानदेय 15085 रु निर्धारित किया गया है । साथ ही साथ अन्य सुविधाएं भी दी जाएगी जैसे इंसेंटिव,पीएफ, मेडिकल, फ्यूल, ग्रेजुएटिटी इस जॉब कैंप मे कुल -150 रिक्त पदों पर भर्ती किया जाना है। अभ्यर्थी अपने रिज्यूम बॉयोडाटा, मूल प्रमाणपत्रों, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक, फोटो के साथ जिला नियोजनालय के कैंपस में रोजगार कैम्प में प्रातः 11:00 उपस्थित हो सकते हैं।

'ऑपरेशन नया सवेरा' के तहत स्कूलों में जागरूकता अभियान

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। कादिरगंज थाना क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में पुलिस द्वारा 'ऑपरेशन नया सवेरा' कार्यक्रम के तहत जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य छात्राओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक करना और उन्हें सरकारी सहायता तंत्र की जानकारी देना था। कार्यक्रम के दौरान पुलिस पदाधिकारियों ने छात्राओं को अभया ब्रिगेड, मानव तस्करी, महिला एवं बाल सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव तथा आपातकालीन सहायता सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। बताया गया कि परेशानी में 112, 181 और 1091 हेल्पलाइन नंबर पर तुरंत मदद ली जा सकती है।पुलिस ने छात्राओं को सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल, अज्ञात लिंक पर क्लिक न करने, पासवर्ड गोपनीय रखने और ऑनलाइन ठगी से बचने के उपाय भी बताए। साथ ही गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के तरीके और विद्यालय आते-जाते समय बरती जाने वाली सावधानियों पर चर्चा की गई। मौके पर उपस्थित शिक्षकों ने कहा कि इस तरह के अभियान से छात्राओं का आत्मविश्वास बढ़ेगा। पुलिस ने विद्यालय प्रबंधन से अपील की कि छात्राओं की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जाए।

शराब का विनष्टीकरण

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। शराबबंदी कानून के तहत विभिन्न कांडों में जप्त की गई शराब को शनिवार को मसौढ़ी थाना परिसर में विनष्ट किया गया। विनष्टीकरण की कार्रवाई एक्साइज पुलिस और प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में की गई।थानाध्यक्ष ने बताया कि कुल 6 कांडों की 160 लीटर देसी शराब को नष्ट किया गया। इनमें थाना कांड संख्या 428/26, 463/25, 260/26, 31/18, 162/26 और 322/26 शामिल हैं।पुलिस के अनुसार न्यायालय के आदेश के बाद जप्त शराब को नियमानुसार नष्ट करने की प्रक्रिया पूरी की गई। इस दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना पुलिस भी मौजूद रही। प्रशासन ने कहा कि जिले में शराब तस्करी और बिक्री पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। जप्त शराब को समय-समय पर नष्ट कर आगे किसी भी तरह के दुरुपयोग को रोका जा रहा है।

जनता दरबार में तीन मामलों का निष्पादन

एकमा (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। अंचल कार्यालय परिसर में शनिवार को साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में अंचलाधिकारी रवि शेखर ने विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए अधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनता दरबार के दौरान भूमि एवं राजस्व से संबंधित विभिन्न मामलों को लेकर कुल पांच नए आवेदन प्राप्त हुए। वहीं, पूर्व से लंबित तीन मामलों की सुनवाई करते हुए उनका निष्पादन कर दिया गया। अंचलाधिकारी ने संबंधित कर्मियों को शेष मामलों का समयबद्ध तरीके से निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने फरियादियों से अपील की कि भूमि एवं राजस्व से संबंधित मामलों में आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना आवेदन प्रस्तुत करें, ताकि मामलों की जांच एवं कार्रवाई में अनावश्यक विलंब न हो। जनता दरबार में राजस्व अधिकारी रामप्रवेश साहू, कार्यालय कर्मी अभिनंदन तिवारी, संजीत कुमार तथा एकमा थाना के एसआई सतीश कुमार सहित अन्य कर्मी मौजूद थे।

अवैध हथियार और शराब के साथ गिरफ्तार

मोकामा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मोकामा थाना क्षेत्र के चिंतामणि चक में पुलिस ने शुक्रवार देर रात छापेमारी कर एक घर से अवैध हथियार और शराब बरामद किया है। पुलिस ने मौके से मकान मालिक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।मोकामा थानाध्यक्ष कुणाल कुमार ने बताया कि चिंतामणि चक टीओपी प्रभारी राजेश कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि एक घर में अवैध रूप से शराब रखी गई है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने उक्त घर पर छापेमारी की।छापेमारी के दौरान घर से एक झोले में रखा एक देसी कट्टा, 2 जिंदा कारतूस और 20 लीटर देसी शराब बरामद किया गया।पुलिस ने मकान मालिक रंजन सिंह उर्फ कारू सिंह को हिरासत में ले लिया। पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट और बिहार मद्य निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दिनदहाड़े चेन स्नैचिंग, 16 ग्राम सोने की चेन लूटी

मोकामा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मोकामा थाना क्षेत्र में बाइक सवार उचक्कों का आतंक एक बार फिर सामने आया है। थाना क्षेत्र के मोलदियार टोला में आज सुबह मोटरसाइकिल सवार दो बदमाशों ने एक व्यक्ति के गले से सोने की चेन झपट ली और फरार हो गए।जानकारी के अनुसार पीड़ित सुधीर सिंह, वार्ड संख्या-10, मोकामा के निवासी हैं। वह तपस्वी जी ठाकुरबाड़ी में पूजा-अर्चना कर पैदल अपने घर लौट रहे थे, तभी पीछे से अपाचे बाइक पर सवार दो उचक्कों ने उनके गले पर झपट्टा मारा और सोने की चेन छीन ली।घटना के बाद पीड़ित ने शोर मचाया, लेकिन तब तक अपराधी तेज रफ्तार में भागने में सफल रहे।

प्रथम सत्याग्रही शहीद वीर हरदेव नारायण की शहादत दिवस मनी

पालीगंज (पटना)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पालीगंज अंचल के ग्राम तोरणी में शनिवार को प्रथम सत्याग्रही शहीद बाबू वीर हर-देव नारायण सिंह की 103वीं शहादत दिवस मनाई गई। इस अवसर पर शाम चार बजे उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने शहीद बाबू वीर हरदेव नारायण सिंह के देश के प्रति योगदान और बलिदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि वीर शहीदों का बलिदान देशवासियों के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत रहेगा।

प्रेम प्रसंग में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

हाजीपुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पातेपुर थाना के खेसराही गांव में शुक्रवार की देर रात प्रेम प्रसंग के विवाद में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान पातेपुर थाना क्षेत्र के खेसराही गांव के वार्ड नंबर - 1 निवासी अरुण कुमार सिंह के पुत्र आशीष कुमार के रूप में की गई। जानकारी के अनुसार आशीष कुमार किसी लड़की से प्रेम कर रहा था। वह करीब एक हफ्ता पहले लड़की और यह दोनों भाग कर शादी भी किया था। जिसका तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल है। इस संबंध में लड़का के माता पुनीता देवी ने बताया कि किसी लड़की से बातचित करता था दोनों एक हफ्ता से फरार थे। लड़की के पिता ने मुजफ्फरपुर के सकरा थाने में अपहरण का दर्ज कराया था । फिर के बाद जो है पुलिस में मेर पर घर पर आए तो मैं बेटा को जो है पुलिस के हवाले कर दिया उसके बाद पुलिस का जो है और लड़की को बारामदगी के बाद 164 की बयान भी हुई 164 के बयान के बाद जो है लड़की को प्रशासन ने परिजन के पास रख दिया और लड़के को उसके घर पर भेज दिया । वही जब लड़का वहां से घर आया उसके बाद जो है उसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं था यानी की टेंशन में था उसके बाद देर रात जो है वह इस घटना को अंजाम दिया और वह सुसाइड कर लिया। परिजन को जब देर रात में देखा की लाइन आया हुआ है पंखा नहीं चल रहा है । परिजनों ने। जब खिड़की से देखा तो उनके होश उड़ गए। आशीष का शव पंखे से लटका हुआ था। घटना के बाद आसपास के लोग जुट गए। लोगों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गई। छानबीन के दौरान एफएसएल की टीम को भी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन की। एफएसएल की टीम घटना स्थल से कुछ सैंपल एकत्रित कर अपने साथ ले गई। छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया। लड़की से जो उसका प्रेम प्रसंग कैसे हुई। आशीष जो है जेसीबी चलाने का कार्य करता था और सकरा थाना क्षेत्र के गनीपुर बेझा गांव में ही चिमनी में आया जेसीबी चलाता था इस दौरान वही के एक लड़की नंदनी कुमारी से उसको प्रेम प्रसंग हो गया। प्रेम प्रसंग के बाद जो है दोनों 1 हफ्ता पहले भाग गया और लड़की से शादी भी रचाई जिसका तस्वीर लड़के अपने सोशल मीडिया पर अपलोड किया हुआ है।

ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए 'सीटारा योजना' को लेकर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

मोतिहारी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पूर्वी चंपारण के तत्वावधान में घोड़ासहन प्रखंड के अठमुहान में ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए संचालित 'सिटारा योजना' के संबंध में एक विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं एवं विधिक संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों को सिटारा योजना के अंतर्गत उपलब्ध लाभों, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आत्मनिर्भरता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में पारा विधिक स्वयंसेवक नवीन कुमार एवं पैनल अधिवक्ता द्वारा ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों, समानता के संवैधानिक प्रावधानों तथा विधिक सहायता की उपलब्धता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही, समाजसेवी श्री मनीष कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज में समानता एवं सम्मान के साथ जीवन जीने के महत्व पर प्रकाश डाला। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा यह भी बताया गया कि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को किसी भी प्रकार की विधिक समस्या होने पर निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है, जिसके लिए वे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क कर सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों को समाज में समावेशिता एवं समान अधिकारों को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया तथा जागरूकता फैलाने का आह्वान किया गया।

दिल्ली के किरोड़ीमल कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर बने डॉ. आलोक कुमार सिंह, क्षेत्र में खुशी की लहर

छपरा/एकमा (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। शहर के महाराणा प्रताप नगर, छपरा निवासी डॉ. आलोक कुमार सिंह का दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित किरोड़ीमल कॉलेज, नई दिल्ली में असिस्टेंट प्रोफेसर (राजनीति विज्ञान) के पद पर चयन होने से पूरे सारण जिले में खुशी का माहौल है। उनकी इस उपलब्धि को शिक्षा जगत के साथ-साथ जिले के लिए भी गौरवपूर्ण माना जा रहा है। डॉ. आलोक कुमार सिंह, पिता अवधेश सिंह एवं माता आशा देवी के पुत्र हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से बीए, एमए एवं पीएचडी की शिक्षा प्राप्त की है। इससे पहले वे दिल्ली विश्वविद्यालय में गेस्ट फैकल्टी के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। अपनी प्रतिभा, कठिन परिश्रम और समर्पण के बल पर उन्होंने यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। इस उपलब्धि पर संजीवनी फिजियोथेरेपी एंड वेलनेस सेंटर के संस्थापक डॉ. अरविंद कुमार ने उन्हें एवं उनके परिवार को हार्दिक बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि डॉ. आलोक कुमार सिंह की सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है और यह साबित करती है कि मेहनत एवं लगन से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। डॉ. आलोक कुमार सिंह को बधाई देने वालों में राज किशोर सिंह इंटर कॉलेज, सफरी, एकमा के प्राध्यापक राज किशोर सिंह, अभिषेक कुमार सिंह उर्फ पिंटू तथा विज्ञान कुमार सिंह, संस्कृत शिक्षक डॉ कृष्ण कुमार चतुर्वेदी, डॉ सुनील कुमार सिंह सहित अनेक शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता एवं शुभचिंतक शामिल हैं।

श्रावणी मेला के अवसर पर दानापुर-भागलपुर के मध्य श्रावणी मेला स्पेशल का परिचालन

हाजीपुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। श्रावणी मेला के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर रेलवे द्वारा कई श्रावणी मेला स्पेशल का परिचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में पटना-बख्तियारपुर-मोकामा-किउल-सुलतानगंज के रास्ते दानापुर एवं भागलपुर के मध्य गाड़ी सं. 03234/03233 दानापुर-भागलपुर-दानापुर अनारक्षित श्रावणी मेला स्पेशल का परिचालन किया जाएगा। इस स्पेशल में साधारण श्रेणी/शयनयान श्रेणी के 14 एवं एसएलआरडी के 02 कोच सहित कुल 16 कोच होंगे। गाड़ी सं. 03234 दानापुर-भागलपुर श्रावणी मेला स्पेशल 09 एवं 10 अगस्त, 2026 को दानापुर से 15.30 बजे खुलकर 15.50 बजे पटना जं., 17.03 बजे बख्तियारपुर, 17.55 बजे मोकामा, 19.05 बजे किउल एवं 20.45 बजे सुलतानगंज सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए 22.00 बजे भागलपुर पहुंचेगी।

विश्व स्तनपान सप्ताह, हेल्दी बेबी शो सहित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों से माताओं को किया गया जागरूक

हाजीपुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिले में 01 से 07 अगस्त 2026 तक विश्व स्तनपान सप्ताह का व्यापक स्तर पर आयोजन किया गया। राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार के निदेशानुसार जिले के सभी प्रखंडों एवं स्वास्थ्य संस्थानों में माताओं को स्तनपान के महत्व, शिशुओं के समुचित पोषण तथा मातृ-शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस वर्ष विश्व स्तनपान सप्ताह की थीम "Breastfeeding for a Sustainable Start in Life, Strengthen What Works" रखी गई थी। अभियान का मुख्य उद्देश्य नवजात एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने, बच्चों को कुपोषण से बचाने, शिशुओं के बेहतर शारीरिक एवं मानसिक विकास को सुनिश्चित करने तथा माताओं को शिशु के लिए स्तनपान के महत्व एवं सही तरीके की जानकारी उपलब्ध कराना रहा। जिला पदाधिकारी के निर्देश के आलोक में हाजीपुर, लालगंज, महनार, महुआ, पातेपुर, देसरी, भगवानपुर, जंदाहा, राजापाकर, सहदेई बुजुर्ग, चेहराकलां, वैशाली, बिदुपुर, राघोपुर सहित जिले के सभी प्रखंडों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष जागरूकता एवं प्रशिक्षण गतिविधियां आयोजित की गईं। इस दौरान 'हेल्दी बेबी शो' विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें स्वस्थ शिशुओं की माताओं को सम्मानित कर अन्य माताओं को भी शिशुओं के बेहतर पोषण एवं स्वास्थ्य के लिए प्रेरित किया गया। विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान प्रखंड स्तर पर कार्यशालाओं का आयोजन कर अठट, आशा कार्यकर्ताओं एवं आंगनबाड़ी सेविकाओं को स्तनपान एवं शिशु के उचित पोषण से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई। स्वास्थ्य संस्थानों को 'डिब्बाबंद दूध, बोतल एवं निप्पल मुक्त परिसर' बनाने की दिशा में विशेष रूप से जागरूक किया गया। माताओं को जन्म के तुरंत बाद स्तनपान शुरू कराने, केवल मां का दूध पिलाने तथा शिशु को आवश्यक पोषण उपलब्ध कराने के संबंध में परामर्श दिया गया।स्वास्थ्य संस्थानों में Post Natal Ward lYe Incharge Sister को नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई, ताकि प्रसव के बाद माताओं को स्तनपान संबंधी आवश्यक परामर्श एवं सहयोग नियमित रूप से उपलब्ध कराया जा सके। इस दौरान स्वास्थ्य कर्मियों ने सामूहिक रूप से स्तनपान को बढ़ावा देने एवं माताओं को आवश्यक सहयोग प्रदान करने का संकल्प भी लिया। अगस्त माह में आयोजित VHSND के दौरान 0 से 2 वर्ष तक के बच्चों की माताओं के लिए IYCF पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों में शिशु एवं छोटे बच्चों के उचित आहार, स्तनपान की सही तकनीक तथा पूरक आहार के संबंध में जानकारी दी गई। बेहतर प्रदर्शन करने वाली माताओं को प्रोत्साहित एवं सम्मानित भी किया गया। गर्भवती एवं धात्री माताओं के साथ समूह चर्चा आयोजित कर स्तनपान के सही तरीके, इसके लाभ तथा शिशु के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम की प्रभावी कार्ययोजना एवं सफल क्रियान्वयन के लिए 31 जुलाई 2026 को राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार द्वारा आयोजित वर्चुअल बैठक में वैशाली के सिविल सर्जन, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला योजना समन्वयक एवं प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधकों ने भाग लिया था। बैठक में विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की रूपरेखा तैयार की गई थी।

छात्र-छात्राओं ने विद्यालय परिसर में किया पौधरोपण

एकमा (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के निदेशानुसार विद्यालयों में पर्यावरण संरक्षण, हरियाली को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में एकमा प्रखंड के गौसपुर स्थित उत्क्रमित मध्य सह उच्च माध्यमिक विद्यालय के परिसर में इको क्लब के छात्र-छात्राओं द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में इको क्लब से जुड़े छात्र-छात्राओं ने प्रधानाध्यापक, नामित शिक्षकों एवं अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं के निर्देशन में विद्यालय परिसर के विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाए। इस दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक पौधरोपण करते हुए लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प भी लिया। विद्यालय के शिक्षकों ने छात्र-छात्राओं को पौधों के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि पेड़-पौधे पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय असंतुलन की चुनौतियों के बीच अधिक से अधिक पौधरोपण करना और लगाए गए पौधों को संरक्षित करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है।

रामनगर मुसहरी में दो लोगों की मौत से हड़कंप, एक की हालत नाजुक

मोकामा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। घोसवरी थाना क्षेत्र के रामनगर मुसहरी में शनिवार को दो लोगों की मौत से गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही घोसवरी प्रशासन हरकत में आ गई।मृतकों की पहचान रामनगर मुसहरी निवासी प्रकाश मांझी (43) और सुरेश मांझी (45) के रूप में हुई है। वहीं गांव के ही महादेव मांझी (40) की स्थिति नाजुक बताई जा रही है, जिनका इलाज पटना के एक निजी अस्पताल में चल रहा है।परिजनों के अनुसार दोनों लंबे समय से बीमार चल रहे थे। परिजनों ने बताया कि सुरेश मांझी की मौत हार्ट अटैक से हुई, जबकि प्रकाश मांझी की मौत जॉन्डिस के कारण किडनी फेल होने से हुई। शुक्रवार को दोनों को गंभीर अवस्था में पटना में भर्ती कराया गया था, जहां प्रकाश मांझी की मौत रात 11 बजे और सुरेश मांझी की मौत रात 12 बजे हो गई। वहीं अस्पताल में भर्ती महादेव मांझी डायरिया के शिकार हैं, जिनका कै-दस्त नहीं रुक रहा है।सुबह शव गांव पहुंचते ही परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया।ग्रामीणों का कहना है कि रामनगर मुसहरी चारों ओर से गंदे पानी के जलजमाव से बुरी तरह प्रभावित है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि इसी कारण दो लोगों की मौत हुई है और कई अन्य लोग भी बीमार हैं। ग्रामीणों के अनुसार तीनों शराब पीने के आदी थे।घोसवरी प्रखंड विकास पदाधिकारी आनंद प्रकाश ने बताया कि तीनों शराब पीने के आदी थे और लंबे समय से बीमार थे, इसी वजह से दो लोगों की मौत हुई है।वहीं घोसवरी थानाध्यक्ष सत्यम तिवारी ने बताया कि परिजनों के अनुसार दोनों बीमार थे और मृत्यु के बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया है।

डीएम ने दिए सख्त निर्देश, 43 बेड आरक्षित कर अस्पतालों को 24 घंटे मुस्तैद रहने का आदेश

हाजीपुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। वैशाली जिले में डेंगू और चिकनगुनिया के संभावित खतरे को देखते हुए जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट हो गया है। शुक्रवार को जिला पदाधिकारी (डीएम) वर्षा सिंह की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में डेंगू नियंत्रणार्थ जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों की गहन समीक्षा की गई। 24 घंटे मुस्तैद रहें चिकित्सकः बैठक में डीएम ने स्वास्थ्य विभाग और नगर निकाय के अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि डेंगू मरीजों के त्वरित उपचार के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर में 10 बेड, अनुमंडल अस्पताल में 5 बेड और सभी प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 2-2 बेड सुरक्षित रखे जाएं। इसके साथ ही, डेंगू वार्ड में आवश्यक दवाओं एवं उपकरणों की पूर्ण उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए चिकित्सकों और पारा मेडिकल स्टाफ की 24 घंटे (247) रोस्टर ड्यूटी लगाने का निर्देश दिया गया है। डीएम ने सदर अस्पताल से लेकर सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में डेंगू जांच के लिए रैपिड किट की उपलब्धता सुनिश्चित करने का सख्त आदेश दिया है। स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों की जानकारी देते हुए जिला वेक्टर बॉर्न डिजिज नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. गुड़िया कुमारी ने बताया कि प्रशासन किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए मुस्तैद है। अपनी तैयारियों पर बात करते हुए उन्होंने कहा, "जिले में डेंगू के मच्छरों पर प्रहार और मरीजों के सुचारू इलाज के लिए हमने पूरी तैयारी कर ली है। डीएम सर के निदेशानुसार सदर अस्पताल में 10, एसडीएच महुआ में 5 और सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 2-2 बेड यानी जिले में कुल 43 बेड मच्छरदानी के साथ आरक्षित किए जा चुके हैं। जांच को लेकर भी हमारी व्यवस्था मुकम्मल है; रैपिड टेस्ट किट के साथ-साथ सदर अस्पताल हाजीपुर में एलाईजा मशीन और किट उपलब्ध है।

उत्क्रमित मध्य व उच्च माध्यमिक विद्यालय गौसपुर के इको क्लब के छात्र-छात्राओं ने विद्यालय परिसर में किया पौधरोपण

एकमा (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के निदेशानुसार विद्यालयों में पर्यावरण संरक्षण, हरियाली को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में एकमा प्रखंड के गौसपुर स्थित उत्क्रमित मध्य सह उच्च माध्यमिक विद्यालय के परिसर में इको क्लब के छात्र-छात्राओं द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में इको क्लब से जुड़े छात्र-छात्राओं ने प्रधानाध्यापक, नामित शिक्षकों एवं अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं के निर्देशन में विद्यालय परिसर के विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाए। इस दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक पौधरोपण करते हुए लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प भी लिया। विद्यालय के शिक्षकों ने छात्र-छात्राओं को पौधों के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि पेड़-पौधे पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय असंतुलन की चुनौतियों के बीच अधिक से अधिक पौधरोपण करना और लगाए गए पौधों को संरक्षित करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। शिक्षकों ने बताया कि इको क्लब का उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक एवं जिम्मेदार बनाना तथा विद्यालय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों को बढ़ावा देना है। पौधरोपण के साथ-साथ विद्यार्थियों को जल संरक्षण, स्वच्छता, प्लास्टिक के कम उपयोग, जैव विविधता के संरक्षण तथा विद्यालय परिसर को हरा-भरा रखने के प्रति भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पौधों की नियमित सिंचाई, सुरक्षा एवं देखभाल की जिम्मेदारी लेने की बात कही। शिक्षकों ने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल कर उन्हें वृक्ष का रूप देना भी आवश्यक है।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 150 मरीजों के बीच पोषण आहार किट का हुआ वितरण

निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों को पोषण सम्बंधित सहयोग के लिए आगे आए युवा : डीएम

मोतिहारी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। टीबी मुक्त भारत अभियान को गति देने के उद्देश्य से भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, मोतिहारी परिसर में आज शनिवार को सुबह जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव की अध्यक्षता में 150 टीबी मरीजों के बीच पोषण आहार किट का वितरण किया गया। इस दौरान सौरभ सुमन यादव, प्रेसिडेंट रेड क्रॉस सोसाइटी सह जिलाधिकारी ने कहा की टीबी मरीज को पोषण सम्बन्धित सहयोग की आवश्यकता होती है, वहीं कई ऐसे गरीब कमजोर वर्ग के लोग है जिन्हे संतुलित आहार नहीं मिलने से वे टीबी की बीमारी से पूरी तरह स्वस्थ नहीं हो पाते हैं। इसलिए वैसे मरीजों के सहयोग के लिए समाजसेवी संगठन खासकर युवाओ से अपील की गई है की सभी लोग अधिक से अधिक टीबी के रोगियों को गोद लेकर 'निक्षय मित्र' बनक पोषण सम्बन्धित सहायता प्रदान करें। इस अवसर पर जिलाधिकारी के द्वारा जिला रेड क्रॉस सोसाइटी के इस पहल की प्रशंसा की गई एवं आशा की गई आगे भी इस तरह से टीबी मरीजों को समिति के माध्यम से सहयोग प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में रेड क्रॉस सोसाइटी के कार्यकारी अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार भारती तथा कार्यकारी सदस्य सह सिविल सर्जन, पूर्वी चंपारण डॉ. दिलीप कुमार, जिला यक्षमा पदाधिकारी डॉ संजीव, आईएमए के अध्यक्ष डॉ आशुतोष शरण के हाथो से भी टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरित किया गया। मंच का संचालन शिक्षाविद कौशल किशोर सिंह ने किया। इस दौरान कौशल कुमार दुबे अस्पताल प्रबंधन के द्वारा 05 टीबी मरीज को गोद लिया गया तथा पोषण पोटली वितरण किया गया, वहीं सदर अस्पताल उपाधीक्षक डॉक्टर एसएन सत्यार्थी के द्वारा 05 टीबी मरीजों को गोद लिया गया तथा पोषण पोटली दिया गया। वहीं जिले के युवा उद्योगपति विशाल जायसवाल ने 25 टीबी रोगियों को गोद लेने,टाटा मोटर्स के अमित जायसवाल एवं अभिषेक लोहिया ने भी टीबी रोगियों को गोद लेकर पोषण सम्बन्धित सहयोग हेतु सहमति दी। इस अवसर पर डॉ. आसुतोष शरण ने कहा की टीबी मुक्त अभियान के तहत टीबी से ग्रसित 150 मरीजों को पोषण आहार किट यानी फूड बास्केट का वितरण किया गया है आगे भी रेडक्रॉस व अन्य समाजसेवी संस्था सैकड़ों टीबी मरीजों को बेहतर पोषण उपलब्ध कराने की दिशा में सहयोग करेगा। उन्होंने कहा की टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता जरूरी है। पोषण सहायता जैसे प्रयास मरीजों के स्वास्थ्य और उपचार प्रक्रिया में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान कर सकते हैं। इस अवसर पर जिला रेड क्रॉस सोसाइटी के उपाध्यक्ष सह वरीय उप समाहर्ता अमरेश कुमार, जिला जनसंपर्क अधिकारी ज्ञानेश्वर प्रकाश,डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, डॉ राकेश कुमार,डीसीएम नंदन झा, डीपीसी भारत भूषण, रेडक्रॉस के रूपक कुमार रंजीत श्रीवास्तव, आमोद कुमार भी उपस्थित थे।

C M Y K

एक नजर

करंट की चपेट में आने से युवक और बच्चे की मौत

बिहारशरीफ। जिले के नूरसराय, हिलसा और दीपनगर थाना क्षेत्र में अलग-अलग घटनाओं में करंट की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से झुलस गया। हादसों के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। पहली घटना नूरसराय थाना क्षेत्र के बालचंद बीघा गांव में हुई। बताया जाता है कि रास्ते में बिजली का तार टूटकर गिरा हुआ था। इसी दौरान 40 वर्षीय अजीत चैहान उसकी चपेट में आ गए। करंट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी घटना हिलसा थाना क्षेत्र के तीना गांव में हुई, जहां लकड़ी तोड़ने के दौरान अंचल कुमार करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। परिजनों ने उन्हें इलाज के लिए बिहारशरीफ अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार चल रहा है।वहीं, तीसरी घटना दीपनगर थाना क्षेत्र के मेघी नगमा गांव में हुई। परिजनों के अनुसार, 12 वर्षीय अंशी कुमार ट्यूबवेल पर पानी पीने गया था। इसी दौरान ट्यूबवेल में प्रवाहित करंट की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ अस्पताल भेज दिया। हादसों के बाद मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने घटनाओं के पीछे बिजली विभाग की लचर व्यवस्था को जिम्मेदार ठहराते हुए सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है।

10 दिनों से दो बच्चों समेत महिला लापता

बिहारशरीफ। पावापुरी थाना क्षेत्र से दो बच्चों के साथ एक महिला के पिछले 10 दिनों से लापता होने का मामला सामने आया है। काफी खोजबीन के बाद भी महिला और दोनों बच्चों का कोई सुराग नहीं मिलने पर परिजनों ने पावापुरी थाना में लिखित आवेदन देकर गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई है। घटना के बाद से परिवार के लोग चिंतित हैं और किसी अनहोनी की आशंका जता रहे हैं। लापता महिला की मां एवं रहुई थाना क्षेत्र के इमामगंज गांव निवासी वासुदेव प्रसाद की पत्नी रूबी देवी ने शनिवार को बताया कि वह वर्तमान में पावापुरी में किराए के मकान में अपनी बेटी के साथ रहती हैं। उन्होंने बताया कि 29 जुलाई 2026 को उनकी बड़ी बेटी प्रीति कुमारी अपने दोनों बच्चों 7 वर्षीय रितिक कुमार और 5 वर्षीय रियांश कुमार को लेकर अपनी ससुराल सिलाव थाना क्षेत्र के धरहरा गांव जाने के लिए घर से निकली थी।परिजनों के अनुसार प्रीति कुमारी को देर शाम तक ससुराल पहुंच जाना था, लेकिन वह अपने दोनों बच्चों के साथ वहां नहीं पहुंची। इसके बाद परिवार के लोगों ने आसपास के इलाकों के अलावा रिश्तेदारों और परिचितों के यहां काफी खोजबीन की, लेकिन महिला और दोनों बच्चों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी।लगातार 10 दिनों तक तलाश करने के बावजूद जब महिला और बच्चों का कोई सुराग नहीं मिला तो परिवार की चिंता और बढ़ गई। इसके बाद किसी अनहोनी की आशंका को देखते हुए परिजनों ने पावापुरी थाना में लिखित आवेदन देकर पुलिस से महिला और दोनों बच्चों की तलाश कर सुरक्षित बरामदगी की गुहार लगाई।पावापुरी पुलिस ने परिजनों से प्राप्त आवेदन के आधार पर महिला और दोनों बच्चों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में जानकारी जुटाने के साथ ही मामले की जांच कर रही है। परिजनों ने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द प्रीति कुमारी और दोनों बच्चों को सुरक्षित बरामद करने की अपील की है।

तीन बंद घरों में चोरी का पुलिस ने किया पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

बिहारशरीफ। बिन्द थाना क्षेत्र के महमूदाबाद गांव में करीब एक सप्ताह पहले तीन बंद घरों में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान महमूदाबाद गांव निवासी सूरज कुमार और नीरज कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों की निशानदेही पर चोरी किया गया एक लैपटॉप भी बरामद किया है। बताया जाता है कि करीब एक सप्ताह पहले चोरों ने महमूदाबाद गांव में तीन बंद घरों के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर जेवरात, बर्तन, लैपटॉप समेत लाखों रुपये की संपत्ति चोरी कर ली थी। चोरी करने के बाद आरोपितों ने घरों के मुख्य दरवाजे पर नया ताला लगा दिया था। इस कारण आसपास के लोगों को तत्काल चोरी की घटना की जानकारी नहीं हो सकी।पुलिस ने जांच के दौरान घटना में दोनों आरोपितों की संलिप्तता की जानकारी मिलने के बाद कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष मुरली मनोहर आजाद ने बताया कि चोरी के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। उनकी निशानदेही पर एक लैपटॉप बरामद किया गया है।

तीन वारंटियों को किया गिरफ्तार

रफीगंज(औरंगाबाद)। पुलिस ने थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में छापेमारी कर तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया है। रफीगंज थानाध्यक्ष शंभु कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में बाबूगंज निवासी गुप्ता लाल खत्री के पुत्र विजय लाल खत्री, प्रेम बिगहा निवासी बंगाली यादव के पुत्र अरविंद यादव उर्फ बिंदा यादव तथा कपूर बिगहा निवासी डोमन प्रसाद के पुत्र योगेंद्र पासवान उर्फ योगेंद्र प्रसाद शामिल हैं। तीनों के खिलाफ औरंगाबाद न्यायालय से वारंट जारी था। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को जेल भेज दिया।

अभाविप द्वारा चलाया गया सदस्यता अभियान, 500 बने नए सदस्य

रफीगंज (औरंगाबाद)। शहर के विभिन्न कोचिंग व शैक्षणिक संस्थानों में शनिवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के रफीगंज इकाई ने नगर मंत्री राहुल गुप्ता के नेतृत्व में सदस्यता अभियान चलाया। अभियान के दौरान करीब 500 नए सदस्यों को जोड़ा गया। राहुल गुप्ता ने बताया कि अभियान 31 अगस्त तक चलेगा। अभियान छात्र हित में लगातार कार्य करती है। मौके पर सौरभ बाबा, रोहित कुमार, रंजन कुमार, राजू कुमार, प्रांशु कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ सितंबर में सामूहिक अनशन करेंगे शिक्षक

अंबा (औरंगाबाद)। बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ (गोप-गुट) की कुटुम्बा प्रखंड शाखा की बैठक शनिवार को म. वि. चिल्हकी में प्रखंड अध्यक्ष ज्योति भूषण की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संगठन के देशव्यापी अभियान 'शिक्षा बचाओ, देश बचाओ' के तहत शिक्षकों की समस्याओं और आंदोलन की रणनीति पर चर्चा की गई। जिला सचिव उदय कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सभी कोटि के कार्यरत शिक्षकों के लिए टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य किया गया है। उन्होंने इसे पूर्व से कार्यरत शिक्षकों के हितों के विरुद्ध बताते हुए कहा कि यह निर्णय न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने शिक्षकों से संगठित होकर आंदोलन को मजबूत करने की अपील की।

बंद नल-जल योजना व आहर पर अतिक्रमण को लेकर भाजपा की बैठक में उठी आवाज

अंबा (औरंगाबाद)। भाजपा के संडा मंडल की संगठनात्मक मासिक बैठक शुक्रवार को मंडल अध्यक्ष विजय सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संगठन की मजबूती के साथ क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं पर चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं ने लंबे समय से बंद नल-जल योजना को चालू कराने, रहमबिगहा आहर को अतिक्रमणमुक्त कराने तथा गांवों में चरमराई सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग उठाई। बैठक में प्रस्ताव पारित कर सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और अनियमितताओं पर रोक लगाने की मांग की गई। कार्यकर्ताओं ने कहा कि नल-जल योजना बंद रहने से ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, रहमबिगहा गांव के आहर पर कथित अतिक्रमण से जल संचयन और सिंचाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। इसे लेकर प्रशासन से तत्काल कार्रवाई कर आहर को अतिक्रमणमुक्त कराने की मांग की गई।

अनुमण्डल अस्पताल की उच्चस्तरीय टीम ने की जांच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। औरंगाबाद सिविल सर्जन द्वारा गठित जांच टीम ने यहां अनुमंडलीय अस्पताल में शनिवार को अस्पताल की व्यवस्था की जांच की। इसमें डॉ.रविरंजन (यक्ष्मा पदाधिकारी), डॉ. मिथिलेश कुमार सिंह (डीआइओ) एवं डॉ.सुनील कुमार शामिल थे। उपर्युक्त जांच टीम में शामिल पदाधिकारियों के समक्ष शहर के सांसद प्रतिनिधि मो कयूम अंसारी के नेतृत्व में कुव्यवस्था की ओर ध्यान आकृष्ट कराया गया, ज्ञापन सौंपा गया। कहा गया कि अस्पताल में एक डॉक्टर मो. इरफानूल जोहा को छोड़कर कोई भी डॉक्टर सप्ताह में 48 घंटे की ड्यूटी नहीं कर पाते हैं। यहां तक कि ओपीडी में भी शायद ही कोई डॉक्टर बैठते हैं। ऐसी परिस्थिति में जिस दिन या रात्रि में डॉ. इरफानूल जोहा की ड्यूटी नहीं रहती है, उस दिन पूरा अस्पताल नर्सों एवं कंपाउंडरों के भरोसे चलता है। महिला डॉक्टर तो किसी भी दिन रात्रि में इमरजेंसी ड्यूटी में नहीं रहती हैं। दुखद तो यह है कि अस्पताल में 32 डॉक्टरों का स्वीकृत पद है लेकिन केवल आठ डॉक्टर ही यहां पोस्टेड हैं। बताया गया कि डॉ.अमृत कुमार का नाम दर्ज है लेकिन वे ओपीडी में अनुपस्थित थे। मो.कयूम अंसारी के अलावा राजकमल कुमार सिंह, सुरेन्द्र सिंह, कृष्णा प्रसाद चंद्रवंशी, संजय कुमार, आदि मौजूद थे। इधर इस मामले में प्रभारी उपाधीक्षक डॉ. शांता कुमारी ने कहा कि यह मामला जांच टीम और आरोपकर्ताओं के बीच का है। दोनों के बीच जब संवाद हो रहा था वह उपस्थित नहीं थी। उन्होंने कहा कि लगाए गए आरोप गलत हैं।

किन्नरों के उत्थान हेतु विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देश के आलोक में विद्वान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा आशुतोष कुमार झा के तथा अवर न्यायाधीश तृतीय सह सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा अरविन्द कुमार के निर्देश पर 8 अगस्त 2026 को रेलवे स्टेशन, नवादा में सितारा योजना 2023 के अंतर्गत किन्नरों के पुनर्वास एवं उनके हितों की पूर्ति हेतु एक विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा के बैनर तले इस कार्यक्रम में पैनल अधिवक्ता कौशलेन्द्र कुमार ने किन्नरों के अधिकार एवं उनके लिए बनाए गए कानून के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि किन्नर हमारे ही समाज का एक अंग हैं। उन्हें हेय दृष्टि से देखना सामाजिक कुरीति है। इस कुरीति को दूर करना हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने यह भी कहा कि जिस किसी व्यक्ति को विधिक जानकारी एवं परामर्श की आवश्यकता हो, वे इस संबंध में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा से संपर्क कर विधिक सहायता/परामर्श प्राप्त कर सकते हैं, क्योंकि जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा इस हेतु सदैव तत्पर है। इस कार्यक्रम में रेलवे प्रशासन एवं कौशलेन्द्र कुमार, पैनल अधिवक्ता, तथा पारा विधिक स्वयंसेवक बबलू कुमार एवं अन्य किन्नर लोग उपस्थित हुए।

लोक संवाद कार्यक्रम में समस्याओं की हुई सुनवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मदनपुर। मदनपुर के उमगा सूर्य मंदिर परिसर में शनिवार को संध्या में एक लोक संवाद कार्यक्रम का आयोजन थाना प्रशासन द्वारा किया गया। संवाद कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना अध्यक्ष राजेश कुमार ने की। पीएसआई सुरेन्द्र कुमार ने संवाद कार्यक्रम का संचालन किया। ग्रामीणों और पुलिस प्रशासन के बीच समन्वय स्थापित करने, छोटी छोटी समस्याओं का आपसी सहमति और समन्वय से किए जाने पर जोर दिया गया। थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि पुलिस आप लोगों सुरक्षात्मक कार्य ही नहीं वल्कि मित्रवत व्यवहार भी करतीं हैं। भगवान सूर्य मंदिर और उमंगेश्वरी पर्वत पर जाने वाली सीढ़ियों की मरम्मत कराने के लिए चर्चा किए पर सामाजिक कार्यकर्ता ज्ञानदत्त पाण्डेय ने सीढ़ी मरम्मत के 25 बोला सिमेन्ट देने के कहा। जबकि सुलभ शौचालय निर्माण कराने, पेयजल व्यवस्था करने पर चर्चा हुई। जनता और प्रशासन के बीच ।संवाद प्रदान से किसी भी समस्या का समाधान किया जा सकता है। पुलिस प्रशासन समाज में शांति सौहार्द बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस अवसर पर पूर्व मुखिया सुरेन्द्र प्रसाद, सामाजिक कार्यकर्ता ज्ञानदत्त पाण्डेय, राकेश सिंह, सुबोध कुमार सिंह, धनंजय सिंह, मंटु कुमार, सुनील सिंह सहित अन्य लोग शामिल थे।

किसान संघर्ष मोर्चा ने की अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। उत्तर कोयल नहर परियोजना को मगध क्षेत्र के औरंगाबाद एवं गया जिले के करीब 12 प्रखंडों के किसानों के लिए जीवनरेखा बताते हुए उत्तर कोयल नहर किसान संघर्ष मोर्चा, मगध ने नहर में अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने की मांग की है। मोर्चा ने नहर परियोजना के अधूरे रहने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार की उदासीनता को जिम्मेदार ठहराया है। मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि पिछले तीन वर्षों से उत्तर कोयल नहर किसान संघर्ष मोर्चा मगध लगातार किसानों के हित में आंदोलन कर रहा है। संघर्ष के परिणामस्वरूप वर्तमान में नहर के जीर्णोद्धार का कार्य तेजी से चल रहा है। वर्ष

2023 से नहर का पानी जीटी रोड के पार चेई नवादा, कोटवारा एवं अंगरा कैनाल सहित मुख्य शाखा तक पहुंचा है।

मोर्चा के अनुसार, मदनपुर से आगे 211 आरडी, बारियावां के पास नहर में बनी कथित अवैध दीवार के कारण पानी आगे नहीं पहुंच पा रहा है। मोर्चा ने संबंधित नहर विभाग के अधिकारियों साथ केंद्र एवं राज्य सरकार से मांग की है कि 211 आरडी पर बनी दीवार को हटाया जाए। इसके अलावा अंगरा कैनाल में इस्माइलपुर रेलवे स्टेशन के पूर्व नहर पर रेल पुल तथा कोटवारा कैनाल में देवहोल्ट के पश्चिम नहर पर रेल पुल का निर्माण कराया जाए, ताकि सभी कैनालों के अंतिम छोर तक पर्याप्त पानी पहुंच सके। मोर्चा के सदस्यो ने कहा कि नहर में पर्याप्त पानी पहुंचने से मदनपुर, रफीगंज, गुरुआ, गुरारू, परैया, गोह, टिकारी, कोंच और आमस सहित मगध क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसानों को सिंचाई की सुविधा मिल सकेगी। इस अवसर पर मुख्य संरक्षक जयनंदन शर्मा, अध्यक्ष नंदलाल सिंह, उप सचिव अशोक यादव, सदस्य डॉ. रामानंद यादव, उप सचिव देव लाल सिंह, कोषाध्यक्ष उपेंद्र कुमार यादव, उपाध्यक्ष धनेश यादव, सदस्य किशोरी मोहन सिंह, राम पुकार यादव, ब्रह्मदेव यादव, गोपाल कुमार, बृजेश कुमार, सुजीत कुमार, डॉ. टीपी सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

16 वें एवं षष्ठम वित्त आयोग योजना की राशि चयन के लिए बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज। रफीगंज प्रखंड सभागार मे 16वीं एवं षष्ठम वीत आयोग की बीपीडीपी निर्माण हेतू आईपीपी सी की बैठक प्रखंड प्रमुख गीता सिंह की अध्यक्षता मे बैठक संपन्न हुई। प्रखंड प्रमुख ने कहा कि 16 वी एवं षष्ठम वीत आयोग के अन्तर्गत लगभग चार करोड़ की राशि योजनाओ का निर्माण के लिये बीपीडीपी तैयार की गयी है। उन्होने बताया कि प्रखंड के सभी पंचायतो मे बराबर की राशि दी जा रही है। प्रखंड मे अब तक की सबसे बडी राशि मिला है। जिससे क्षेत्र मे विकास का गति अब तेज होगी। इस अवसर पर पंचायत समिति उपेन्द्र यादव, मुखिया सेराज अंसारी, यूसुफ अली खान, गुड़िया देवी, बिदाई देवी, विजय सिंह, शंकर दयाल यादव, मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष बिंदेश्वर यादव , उप प्रमुख रंजन्ति देवी , प्रमिला देवी, ममता देवी, पंचायत समिति सदस्य ईश्वर चौधरी, गोपाल कुमार,हस्सान सिद्दिकी, बसंती देवी, सरिता कुमारी, मुकेश सिंह, सतेंद्र यादव, मीरा देवी, सुनैना देवी, आरती देवी, जैनव फहमी, साधना सिंह, समित्री देवी शामिल हुए।

भूमि विवाद के चार मामलों का जनता दरबार में आपसी सहमति से निपटारा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसपुरा। अंचल कार्यालय कक्ष में शनिवार को जमीनी विवादों के निपटारे को लेकर जनता दरबार का आयोजन किया गया। इसमें प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों से अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे 15 लोगों की फरियाद सुनी गई।

जनता दरबार में सीओ सुनील कुमार, थानाध्यक्ष दिनेश कुमार और अंचल सहायक दीपक प्रसाद ने बारी-बारी से दोनों पक्षों की समस्याओं को सुना। इस दौरान मौआरी गांव के उपेंद्र कुमार बनाम नवीन कुमार, उचित बिगहा गांव के श्रीराम सिंह बनाम देवेंद्र सिंह, दीनानाथ राम बनाम अवधेश पासवान तथा हसपुरा डीह के मो. आलम बनाम राजाराम दास के जमीनी विवादों की सुनवाई की गई। दोनों पक्षों की आपसी सहमति से चारों मामलों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया। वहीं, शेष 11 मामलों की सुनवाई के लिए संबंधित पक्षों को अगली तिथि पर पूरे कागजात के साथ उपस्थित होने का नोटिस दिया गया।

सीओ सुनील कुमार ने कहा कि जनता दरबार में विवादित मामलों का निपटारा दोनों पक्षों की आपसी सहमति से कराने का प्रयास किया जाता है। इस तरह विवादों के शांतिपूर्ण निष्पादन से समाज में बेहतर संदेश जाता है।

लोग कीचड़ में चलने को मजबूर, पक्की सड़क निर्माण कार्य की गुहार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। सरकार आज सभी गांवों को पक्की सड़क से जोड़ने का दावा कर रही है, वहीं औरंगाबाद के देव प्रखंड के हसौली पंचायत के मिसिर बिगहा के लोग कीचड़ युक्त कच्ची सड़क पर चलने को मजबूर हैं। आजादी के दशकों बीतने के बाद भी यहां के लोग पक्की सड़क के लिए तरस रहे हैं। गांव में पक्की सड़क नहीं होने के कारण बारिश के दिनों में पूरा रास्ता कीचड़ और जलजमाव में तब्दील हो गया है। इस कच्ची सड़क पर सफर करना दुष्कर हो गया है। लोगों ने शासन-प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए इस समस्या से निजात दिलाने की गुहार लगाई है। पक्की सड़क के अभाव में लोगों का रोजमर्रा का जीवन मुश्किलों से भरा है। कई बार लोग गिरकर चोटिल हो चुके हैं। ग्रामीण रवि यादव का कहना है कि नेता लोग बस वोटों के समय बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन उसके बाद उनका इस पर ध्यान नहीं जाता है जिसके चलते ये समस्या जस की तस बनी हुई है जिससे स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बाधित होती है। शिक्षा आदि में भी पड़ रही है बाधा अन्य समस्याएं भी स्थानीय ग्रामीणों को परेशान कर रहे हैं। स्कूल जाने वाले बच्चों को भी कीचड़ और गड्ढों से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे उनकी शिक्षा भी प्रभावित हो रही है। ग्रामीण कच्ची सड़क के सहारे आवागमन को मजबूर हैं, बरसात में सड़क पूरी तरह कीचड़मय हो जाती है। बारिश के कारण मिट्टी गीली हो जाती है। इससे वाहन तो दूर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि सड़क नहीं रहने के कारण गांव का विकास नहीं हो पा रहा है। यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। ग्रामीणों ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि जल्द ही इस सड़क का निर्माण नहीं कराया गया, तो वे आंदोलन को मजबूर होंगे।

मॉडर्न इंटरनेशनल स्कूल हिसुआ में सांस्कृतिक कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिले के हिसुआ स्थित मॉडर्न इंटरनेशनल स्कूल परिसर में शुक्रवार को श्रावण मास, स्वतंत्रता दिवस और रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में एक संयुक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मकसद छात्रों में देशभक्ति, सांस्कृतिक मूल्यों और आपसी भाईचारे की भावना को बढ़ाना था। कार्यक्रम की शुरुआत मॉडर्न शैक्षणिक समूह के अध्यक्ष डॉ. अनुज कुमार और निदेशक संजय कुमार ने दीप प्रज्वलित कर की। इस मौके पर डॉ. अनुज कुमार ने कहा कि त्योहार और राष्ट्रीय पर्व बच्चों को अपनी जड़ों से जोड़ने का सबसे अच्छा माध्यम हैं। स्कूल में ऐसी गतिविधियों से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है और उनमें अनुशासन के साथ रचनात्मकता भी विकसित होती है। कार्यक्रम में स्कूली छात्रों को तीन समूहों में बांटा गया था। हर समूह ने अलग-अलग थीम पर प्रस्तुति दी। बच्चों ने भजन, लोकनृत्य और शिव स्तुति के माध्यम से सावन के महत्व को दिखाया। देशभक्ति गीत, भाषण और झांकी के जरिए स्वतंत्रता संग्राम के नायकों को याद किया गया। तिरंगा यात्रा और समूह गान ने पूरे माहौल को देशभक्ति से भर दिया। भाई-बहन के रिश्ते और सुरक्षा के प्रतीक पर आधारित नाटिका और नृत्य प्रस्तुत किए गए। विजेता छात्रों को डॉ. अनुज कुमार द्वारा मेडल देकर पुरस्कृत किया गया । उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से चयनित छात्रों आगामी 15 अगस्त को नवादा के कुंती नगर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम का अभ्यास यहां के कुशल शिक्षकों द्वारा कराया जाता है ,जो जिले से सेलेक्शन हो राज्य और देश तक पहुंचकर अपना परचम लहराता है।

चार दिन काला बिल्ला लगाकर जताया विरोध

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। बिहार सरकार द्वारा प्रस्तावित विश्वविद्यालय अधिनियम 2026 के तहत विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय की स्वायतता पर कथित प्रहार का बिहार राज्य विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया प्रक्षेत्र के बैनर तले विभिन्न प्रकार से विरोध व्यक्त किया जा रहा है। दाउदनगर महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने बुधवार से शनिवार तक काला बिल्ला लगाकर विरोध करते हुए कार्यों का सम्पादन किया ल। आगामी गतिविधियों के तहत 10 अगस्त को सामूहिक अवकाश पर रहते हुए विश्वविद्यालय मुख्यालय पर रोषपूर्वक प्रदर्शन किया जाएगा तथा कुलपति को ज्ञापन सौंपा जाएगा। 11 अगस्त से 26 अगस्त तक सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मी अपने कार्यस्थल पर प्रत्येक कार्यदिवस को अपराह्न डेढ़ बजे से दो बजे के बीच नारेबाजी करेंगे। इस मौके पर दाउदनगर महाविद्यालय शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष भरत भूषण सरोज, सचिव प्रवीण कुमार, उपाध्यक्ष विपुल कुमार एवं अन्य शिक्षकेत्तर कर्मचारी जैनेन्द्र सिंह, प्रवीण, संतोष कुमार विभु, मो. सिकंदर खान, संतोष कुमार, माया देवी उपस्थित रहे।

कासमा पुलिस ने दो एनबी वारंटी को किया गिरफ्तार

रफीगंज(औरंगाबाद)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड के कासमा थाना पुलिस ने लंबित मामलों में फरार चल रहे दो नॉन-बेलेबल वारंटियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में वारंटियों के बीच हड़कंप मचा हुआ है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कमलेश सिंह, पिता स्व. ब्रीजा सिंह, ग्राम दुगुल तथा छोटन पासवान, पिता रामसेवक पासवान, ग्राम खैरी ईंटवां, थाना कासमा, जिला औरंगाबाद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों के विरुद्ध न्यायालय से एनबी वारंट जारी था। वारंट के आधार पर कासमा थाना की पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनों को विधिवत गिरफ्तार कर लिया। कासमा थानाध्यक्ष अक्षयवर सिंह ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों एनबी वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

450 कार्डधारकों को नहीं मिल रहा एक महीने का खाद्यान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद) । संसा के लगभग 450 ऐसे राशन कार्ड धारक उपभोक्ता हैं जिनको लगभग एक महीने का खाद्यान नहीं मिला है। करण आवंटन का अभाव बताया जा रहा है। जन वितरण प्रणाली विक्रेता विजय कुमार सिंह डीलर संघ के प्रखंड अध्यक्ष भी हैं। वे लगभग अप्रैल महीने से विभागीय दौड़ लगा रहे हैं। दाउदनगर से लेकर पटना तक पत्र लिख चुके हैं, लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। उनका कहना है कि धीरे-धीरे आवंटन कम मिलता रहा, नतीजा आज ऐसी स्थिति बन गई है कि लगभग एक महीने का आवंटन उनको कम मिला, जिससे लगभग 450 राशन कार्ड धारक प्रभावित हो रहे हैं। इस बैकलॉग को खत्म करने के लिए उन्होंने विभाग से 100 क्विंटल चावल और 50 क्विंटल गेहूं की मांग की है। वह बताते हैं कि लगातार कार्यालय और विभाग में पत्राचार कर रहे हैं, इसके बावजूद उनकी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। इस संबंध में उन्होंने खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के सचिव को अप्रैल में ही पत्र लिखकर समस्या से अवगत कराया था। जिसमें कहा है कि बीते कई महीनों से खाद्यान्न उठाव एवं वितरण कार्य प्रभावित रहा है, जिसके कारण खाद्यान्न का समय पर वितरण नहीं हो पा रहा है। वर्तमान स्थिति यह हैं कि आगामी माह का खाद्यान्न पूर्व माह में ही निर्गत हो जा रहा है, जबकि पूर्व से लंबित खाद्यान्न का वितरण कार्य अभी शेष हैं। खाद्यान्न कि उपलब्धता कम होने के कारण लाभुकों के बीच समयबद्ध वितरण करना कठिन हो रहा है। जिन्हीने मांग की कि जनहित एवं लाभुकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 100 क्विंटल चावल एवं 50 क्विंटल गेंहू का अतिरिक्त आवंटन दिया जाए। ताकि लंबित वितरण कार्य को शीघ्र पूरा करते हुए सभी लाभुकों के बीच खाद्यान्न सुचारू एवं समयबद्ध वितरण सुनिश्चित किया जा सके। इस मामले में अनुमंडल पदाधिकारी ने प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को भी पत्र लिखकर इस संबंध में जांच कर प्रतिवेदन देने के लिए कहा है। एसडीओ अमित राजन ने बताया कि जिला आपूर्ति पदाधिकारी को उन्होंने पत्र लिखा है और अतिरिक्त आवंटन के लिए कहा है। इधर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अतुल कुमार का कहना है कि अतिरिक्त आवंटन के लिए पत्राचार किया गया है। पुनः स्मार भी विभाग को कराया गया है। अतिरिक्त आवंटन प्राप्त होते ही विजय कुमार सिंह को आवंटित खाद्यान उपलब्ध करा दिया जाएगा।

मजदूरी मांगने पर चन्देश्वर चौधरी की गोली मारकर हत्या

बीएसपी प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दिनारा (रोहतास)। रोहतास जिले के दिनारा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मनिहारी गांव निवासी 42 वर्षीय चन्देश्वर चौधरी की बकाया मजदूरी मांगने के दौरान गोली मारकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना 5 अगस्त 2026 की सुबह करीब 6:30 बजे की बताई जा रही है। मृतक अतिपिछड़ा नोनिया समाज से थे। परिजनों एवं स्थानीय लोगों के अनुसार चन्देश्वर चौधरी अपनी बकाया मजदूरी मांगने गए थे। आरोप है कि इसी दौरान दबंग अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी और शव को अपने साथ लेकर फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल बन गया। समाज के लोगों के दबाव और पुलिस के प्रयास के बाद अगले दिन शव बरामद किया गया। इसके बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी कराकर शव परिजनों को सौंपा जिसके बाद दाह-संस्कार किया गया। घटना को लेकर 8 अगस्त को बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) का प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिलने मनिहारी गांव पहुंचा। बीएसपी की ओर से बताया गया कि पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन कुमारी मायावती एवं राज्यसभा सांसद इंजीनियर रामजी गौतम के निर्देश पर प्रतिनिधिमंडल ने परिवार से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में बिहार प्रदेश अध्यक्ष शंकर महतो, केंद्रीय प्रदेश प्रभारी मुकेश अहिरवार, स्टेट कोआर्डिनेटर इंजीनियर हरिकेश्वर राम पासवान, बिहार स्टेट प्रभारी संतोष कुमार राम समेत रोहतास, कैमूर, भभुआ और बक्सर के पार्टी पदाधिकारी शामिल रहे।

बीएसपी नेताओं ने कहा कि मजदूरी मांगने पर किसी व्यक्ति की हत्या किया जाना गंभीर और चिंताजनक घटना है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों की पहचान एवं गिरफ्तारी तथा पीड़ित परिवार को न्याय और उचित सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और न्याय मिलने तक आवाज उठाती रहेगी।

जनता दरबार में भूमि विवाद का निबटारा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चेनारी। स्थानीय अंचल कार्यालय में शनिवार को अंचलाधिकारी पुरुषोत्तम कुमार ने जमीन विवाद को लेकर जनता दरबार लगाकर कई भूमि संबंधी मामलों का निष्पादन किया। जनता दरबार में डुमरी और पहाड़पुर गांव के विवाद का निष्पादन किया गया जबकि कुल 10 मामलों में दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी बातें रखीं। इन मामलों में दोनों पक्षों को अगली तिथि पर उपस्थित होने के लिए बुलाया गया है। अधिकारियों ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर विवाद से दूरी बनाए रखने की अपील की। इस दौरान अंचल कार्यालय में लोगों की भीड़ लगी रही। अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा की गई। अंचलाधिकारी पुरुषोत्तम कुमार ने कहा कि छोटी-छोटी बातों को आपस में बैठकर विवाद का निपटारा करने में ही आमजन की भलाई है। गांव में आप लोग आपसी सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाकर रखें।

पीड़ित परिवार को न्याय मिलने तक साथ देंगे : तेजस्वी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विक्रमगंज (रोहतास)। अनुमंडल क्षेत्र के जोगिया गांव में हुई हत्या के बाद उपजे तनाव के बीच शनिवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव दिनारा पहुंचे और सीधे मनिहारी गांव में पीड़ित परिवार से मुलाकात की। हजारों की भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की लड़ाई है और जब तक पीड़ितों को न्याय नहीं मिल जाता, राजद उनके साथ खड़ा रहेगा। तेजस्वी ने मंच से जोरदार लहजे में कहा कि अब समय बदल चुका है, लोग जागरूक हो गए हैं और अब किसी भी तरह का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार की कानून-व्यवस्था लगातार बिगड़ती जा रही है और आम लोगों में असुरक्षा का माहौल है। उन्होंने कहा कि पटना लौटते ही वे पुलिस महानिदेशक से बात कर इस हत्याकांड में त्वरित कार्रवाई और दोषियों पर कार्रवाई सुनिश्चित कराएंगे। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि हर तरह के अत्याचार का माकूल जवाब दिया जाएगा। तेजस्वी ने उपस्थित लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि सरकार की नाकामी को सड़क से लेकर सदन तक उजागर किया जाएगा। इस दौरान मौके पर भारी पुलिस बल, कई थानों की पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी और दंडाधिकारी तैनात रहे ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। नेताओं के इस लगातार दौरे से गांव में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है और पीड़ित परिवार को अब न्याय मिलने की उम्मीद जगी है।

मध्य विद्यालय शिवगंज में ऑनलाइन सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्थानीय मध्य विद्यालय शिवगंज, डिहरी में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक संजय कुमार के नेतृत्व में आयोजित प्रतियोगिता ऑनलाइन मोड में कराई गई। प्रतियोगिता का संचालन विद्यालय की शिक्षिका आयुषी गौतम ने किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने मोबाइल फोन के माध्यम से ऑनलाइन परीक्षा में भाग लिया। प्रधानाध्यापक संजय कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में राष्ट्रीय आंदोलन, राष्ट्रीय ध्वज और विज्ञान से संबंधित कुल 25 प्रश्न पूछे गए। विद्यार्थियों से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की शुरुआत, प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन के नायक, राष्ट्रीय ध्वज के डिजाइनर तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रसिद्ध कथन जैसे विषयों पर प्रश्न पूछे गए। विद्यालय में पहली बार ऑनलाइन परीक्षा आयोजित होने से विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। करीब 30 छात्र मोबाइल लेकर विद्यालय पहुंचे और प्रतियोगिता में शामिल हुए। परीक्षा के परिणाम भी घोषित कर दिए गए। प्रतियोगिता में कुमार सक्षम ने प्रथम, आकाश कुमार ने द्वितीय और मंगल लाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं छात्राओं में चांदनी कुमारी प्रथम रहीं। प्रधानाध्यापक संजय कुमार ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रतियोगिता में सफल विद्यार्थियों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए शिक्षिका आयुषी गौतम को बधाई दी।

भाजपा नेता शिव शंकर प्रजापति के निधन पर कार्यकर्ताओं में शोक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व नगर महामंत्री शिव शंकर प्रजापति के निधन की खबर से पार्टी कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई। कार्यकर्ताओं ने उनके आवास पर पहुंचकर शोक-संतप्त परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त की। भाजपा जिला प्रवक्ता संजय गुप्ता ने कहा कि शिव शंकर प्रजापति का असमय निधन पार्टी और समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यों को हमेशा याद किया जाएगा।शोक व्यक्त करने वालों में पूर्व विधायक इंजी. सत्यनारायण सिंह, जिला महामंत्री प्यारेलाल ओझा, निर्दोष पांडेय, कुंवर सिंह, प्रभात शेखर सिंह, अमित गुप्ता, धनंजय शर्मा, अनिल प्रजापति, वीर बसंत लाल, सुनील पाठक, दिलीप गुप्ता, विक्रम कुमार, पिंटू सोनी, अजय ओझा, परमहंस सिंह, कमल सिन्हा, प्रवीण दुबे सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

किसानों के सीसी लोन पर अतिरिक्त ब्याज का बोझ कम करने की मांग

15 दिनों में निर्णय नहीं हुआ तो न्यायालय की शरण लेने का निर्णय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरिहट। दरिहट पैक्स अध्यक्ष सुरेश प्रसाद उर्फ मंडल जी के गोदाम सह कार्यालय परिसर में डिहरी, अकोढ़ीगोला एवं नासरीगंज प्रखंड के पैक्स अध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। पकड़िया पैक्स अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में दोपहर 12 बजे हुई बैठक में तीनों प्रखंडों के कुल 23 पैक्स अध्यक्षों ने भाग लिया। बैठक में चितरंजन सिंह के प्रस्ताव पर सर्वसम्मति से दो महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। पहले प्रस्ताव के तहत पैक्सों के कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए प्रत्येक प्रखंड से दो-दो सदस्यों का चयन कर संयोजक मंडल गठित करने का निर्णय लिया गया। संयोजक मंडल में अकोढ़ीगोला प्रखंड से वीरेंद्र कुमार सिंह एवं जितेंद्र कुमार सिंह, डिहरी प्रखंड से वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता एवं अरुण कुमार तथा नासरीगंज प्रखंड से प्रदीप कुमार एवं कृष्ण बिहारी सिंह को शामिल किया गया। दूसरे प्रस्ताव में किसानों से जुड़े सीसी लोन के ब्याज का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। पैक्स अध्यक्षों ने कहा कि किसानों से धान खरीद के लिए पैक्सों द्वारा लिए गए सीसी लोन पर ब्याज के अतिरिक्त ब्याज का भार समितियों को उठाना पड़ रहा है जो न्यायसंगत नहीं है। इस अतिरिक्त ब्याज से पैक्सों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस संबंध में जिला समाहर्ता रोहतास, प्रबंध निदेशक सासाराम-भभुआ सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक तथा डीसीसीबी अध्यक्ष को आवेदन देकर पैक्स समितियों को अतिरिक्त ब्याज के भार से मुक्त करने की मांग की जाएगी। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि 15 दिनों के भीतर इस मामले में सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता है तो पैक्स अध्यक्ष न्यायालय की शरण लेने को बाध्य होंगे। बैठक में वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता, मनोज कुमार सिंह, अजय कुमार, कमलेश मोहन, प्रदीप कुमार, राहुल कुमार ओझा, मदन मुरारी सिंह, राजेश कुमार, कृष्णा सिंह, आजाद शत्रु सहित बड़ी संख्या में पैक्स अध्यक्ष उपस्थित थे। अंत में सभी पैक्स अध्यक्षों ने किसानों के हित में एकजुट होकर आवाज उठाने तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सामूहिक रूप से संघर्ष करने का संकल्प लिया।

विमल कुमार की सर्वधर्म श्रद्धांजलि सभा में उठी निष्पक्ष जांच की मांग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था अभिनव कला संगम की ओर से शुक्रवार की शाम पाली रोड स्थित होटल पी एंड एस विंध्या में डिहरी-डालमियानगर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी स्वर्गीय विमल कुमार की सर्वधर्म श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इसमें विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों के प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और गणमान्य लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। संस्था के सचिव नंदन कुमार ने कहा कि विमल कुमार मृदुभाषी, मिलनसार और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी थे। उनके निधन से क्षेत्र ने एक संवेदनशील अधिकारी खो दिया है। संस्था की निदेशक संजय सिंह बाला ने कहा कि घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन एवं एसआईटी द्वारा जांच की जा रही है। उन्होंने लोगों से अफवाह और भ्रामक सूचनाओं से बचने तथा जांच में सहयोग करने की अपील की। सभा में वक्ताओं ने जांच में जुटे वरीय अधिकारियों से घटना की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच कर सच्चाई सामने लाने तथा मृतक के परिजनों को शीघ्र न्याय दिलाने की अपेक्षा जताई। मौके पर संस्था के अध्यक्ष संतोष सिंह, शिवाजी सिंह, कीर्तन श्रीवास्तव, प्यारे लाल ओझा, सरोज उपाध्याय, अमित कुमार पासवान, उपेंद्र ओझा, रवि तिवारी, मुकेश कुमार, कलाम हाशमी, विजय चौरसिया, पिंटू कुमार, शुभम सिंह, मनोज कुमार पांडेय, विकास कुमार कश्यप सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

लेट्स इंस्पायर बिहार ने तेजस्वी यादव के आरोपों को बताया निराधार, प्रेस वार्ता में दी सफाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सासाराम। सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन लेट्स इंस्पायर बिहार ने सासाराम में आयोजित प्रेस वार्ता में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा संगठन एवं इसके मुख्य संरक्षक आईपीएस अधिकारी विकास वैभव को लेकर लगाए गए आरोपों को निराधार एवं तथ्यात्मक रूप से गलत बताया। प्रेस वार्ता में वक्ताओं ने कहा कि लेट्स इंस्पायर बिहार एक गैर-राजनीतिक सामाजिक अभियान है जिसका उद्देश्य युवाओं को प्रेरित करना, शिक्षा, उद्यमिता एवं सामाजिक जागरूकता के माध्यम से बिहार के विकास में योगदान देना है। संगठन का दावा है कि वर्तमान में अभियान से चार लाख से अधिक युवा जुड़े हैं और विभिन्न जिलों में सामाजिक एवं शैक्षणिक गतिविधियां संचालित की जा रही है। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि संगठन का संचालन किसी राजनीतिक दल, जनप्रतिनिधि या बाहरी प्रायोजक के आर्थिक सहयोग से नहीं होता, बल्कि स्वयंसेवकों एवं सदस्यों के स्वैच्छिक अंशदान से सभी कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसलिए किसी विधायक अथवा अन्य व्यक्ति द्वारा संगठन के वित्तपोषण का आरोप पूरी तरह निराधार है। प्रेस वार्ता में डिहरी नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी की हत्या के मामले का उल्लेख करते हुए कहा गया कि इस प्रकरण की जांच बिहार पुलिस द्वारा विधिसम्मत ढंग से की जा रही है।

रालोमो प्रदेश महासचिव रिंकू सोनी की माता का निधन, एनडीए नेताओं ने जताया शोक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के प्रदेश महासचिव रिंकू सोनी की माता प्रमिला देवी (59) की शनिवार को लंबी बीमारी के बाद बाबूगंज स्थित आवास पर निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही एनडीए के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में शहरवासियों ने शोक व्यक्त किया। प्रमिला देवी के निधन से परिजनों और शुभचिंतकों में शोक की लहर है। उनका अंतिम संस्कार पाली श्मशान घाट पर किया गया। छोटे पुत्र पप्पू सोनी ने उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार के दौरान बड़ी संख्या में शहरवासी, रिश्तेदार एवं परिजन मौजूद रहे और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

साइबर फ्रॉड विषय पर विद्यालय में जागरूकता शिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सासाराम। संत शिवानंद अकादमी प्लस टू विद्यालय सासाराम रोहतास में प्रधानाध्यापक संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता एवं शिक्षक अवनीश कुमार के संचालन में साइबर क्राइम एवं साइबर फ्रॉड विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें रोहतास जिले के स्पेशल क्राइम डीएसपी चित्रा कुमारी, सब इंस्पेक्टर पूजा कुमारी, सब इंस्पेक्टर भावना राय, सब इंस्पेक्टर पवन कुमार, सब इंस्पेक्टर नंदलाल कुमार के द्वारा छात्र-छात्राओं को साइबर फ्रॉड के बारे में जानकारी दिया गया कि मोबाइल का प्रयोग करते समय ध्यान रखना है कि कोई भी ऐप आता है तो उसे डाउनलोड नहीं करना है और नहीं उसे देखना है।

कार्यालय–झारखण्ड शिक्षा परियोजना, गढ़वा

आवश्यक सूचना

राज्य परियोजना निदेशक, झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद्, राँची के पत्रांक– 3060 दिनांक–03.08.2023 के निदेशानुसार विज्ञापन सं0– JBAV/01/2023 के आलोक में जिले के 3 झारखण्ड बालिका आवासीय विद्यालय– बरडीहा, केतार एवं डंडा में रिक्त पदों के विरूद्ध पूर्णयतया अस्थायी एवं अल्पकालीन संविदा के आधार पर चयन हेतु दिनांक– 23.06.2026 को झारखण्ड बालिका आवासीय विद्यालय के जिला चयन समिति द्वारा लिये गए निर्णय के आलोक में कक्षा 09–12 हेतु दिनांक– 13.07.2026 को आयोजित काउंसलिंग (Counselling) में उपस्थित अभ्यर्थियों में से 13 अभ्यर्थियों का अंतिम रुप से चयन, जिला चयन समिति द्वारा दिनांक– 05.08.2026 की बैठक में किया गया है। अंतिम रुप से चयनित एवं प्रतीक्षा सूची कार्यालय सूचना पट्ट एवं जिले के आधिकारिक बेवसाईट www.garhwa.nic.in पर प्रकाशित किया गया है।

चयनित अभ्यर्थी 10–13 अगस्त 2026 तक कार्यालय–झारखण्ड शिक्षा परियोजना, गढ़वा, विकास भवन–बी0 पुराना समाहरणालय भवन (नजदीक कचहरी रोड, गढ़वा), प्रथम–तल पिन कोड– 822114 में उपस्थित होकर अनुबंध/ एकरारनामा करना सुनिश्चित करेंगें। तदुपरान्त उन्हे चयन पत्र निर्गत करते हुए विद्यालयों में पदस्थापित किया जायेगा।

निर्धारित तिथि के बाद अनुबंध/एकरारनामा करने हेतु अवसर प्रदान नहीं किया जायेगा।

जिला शिक्षा पदाधिकारी
–सह–जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
झारखण्ड शिक्षा परियोजना, गढ़वा।

PR 387056 Human Resource Developement(26-27)D

एक शाम शहीदों के नाम सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास)। शनिवार को अनुमंडल पदाधिकारी, बिक्रमगंज की अध्यक्षता में एक शाम शहीदों के नाम सांस्कृतिक कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं शिक्षण संस्थानों की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अनुमंडल क्षेत्र के संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मियों के साथ-साथ स्कूल एसोसिएशन के शिक्षकगण उपस्थित हुए। बैठक में कार्यक्रम के उद्देश्य, आयोजन की रूपरेखा तथा अधिक से शिक्षण संस्थानों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य शहीदों के सम्मान एवं झंडा दिवस कोष के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा युवा पीढ़ी में देशभक्ति एवं राष्ट्रसेवा की भावना को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी, बिक्रमगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बिक्रमगंज प्रखंड विकास पदाधिकारी, बिक्रमगंज अंचल अधिकारी, बिक्रमगंज एवं अन्य पदाधिकारीगण, कर्मी तथा पत्रकार बंधु उपस्थित हुए।

बिजली चोरी के खिलाफ कार्रवाई, छह लोगों पर प्राथमिकी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विक्रमगंज/दावथ (रोहतास)। विद्युत चोरी पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं राजस्व वसूली की बढ़ावा हेतु विद्युत विभाग द्वारा सूर्यपुरा एवं दावथ प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष जांच एवं छापेमारी अभियान चलाया गया। कनीय विद्युत अभियंता एवं तकनीकी कर्मियों की संयुक्त टीम ने जांच के दौरान छह लोगों को अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा का उपयोग करते हुए पकड़ा। जांच में मीटर बाईपास कर बिजली चोरी के मामले में सूर्यपुरा प्रखंड के बलिहार निवासी सरस्वती कुंवर पति-गांधी चौधरी पर 26688, सूर्यपुरा टोला निवासी नजीर मियां पिता-वाहिद मियां पर 10225, बीरेंद्र राम पिता-शम्भू राम पर 8998, धर्मेंद्र कुमार पिता-सुरेंद्र राम पर 10130 तथा दावथ प्रखंड के योगिनी निवासी रीता देवी पति-अनिल कुमार पाण्डेय पर 14158 का जुर्माना लगाया गया। वहीं कोआथ निवासी शिव प्रसाद महतो पिता-किशुन महतो का बकाया विपत्र के कारण पूर्व में विद्युत कनेक्शन विच्छेदित किया गया था। बिना बकाया राशि एवं आरसी शुल्क जमा किए पुनः अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा का उपयोग करते पाए जाने पर उनके विरुद्ध 33726 का जुर्माना लगाया गया। उक्त सभी मामलों में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इस कार्रवाई में कुल 113925 का आर्थिक दंड निर्धारित किया गया। कनीय विद्युत अभियंताओं ने बताया कि बिजली चोरी से विभाग को राजस्व की क्षति होने के साथ-साथ विद्युत आपूर्ति व्यवस्था भी प्रभावित होती है। उन्होंने उपभोक्ताओं से वैध विद्युत कनेक्शन के माध्यम से ही बिजली का उपयोग करने तथा समय पर बिजली बिल का भुगतान करने की अपील की जिन लोगों ने अभी तक विद्युत कनेक्शन नहीं लिया है वे 'सुविधा बिहार' ऐप के माध्यम से नए कनेक्शन के लिए आवेदन करें तथा विभाग द्वारा मीटर स्थापित किए जाने के बाद ही विद्युत का उपयोग करें। विभाग ने स्पष्ट किया कि बिजली चोरी एक दंडनीय अपराध है और इसके विरुद्ध विशेष जांच एवं छापेमारी अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विक्रमगंज (रोहतास)। बिक्रमगंज अनुमंडल में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले ध्वजारोहण कार्यक्रम को सफल, गरिमापूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से शनिवार को अनुमंडल पदाधिकारी, बिक्रमगंज की अध्यक्षता में अनुमंडल कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पत्र के माध्यम से आमंत्रित सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारी, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, नगर पंचायत, विद्युत विभाग, पथ निर्माण विभाग सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्राचार्य, शिक्षक प्रतिनिधि एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत में अनुमंडल पदाधिकारी ने स्वतंत्रता दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह राष्ट्रीय पर्व हम सभी के लिए गर्व और संकल्प का प्रतीक है जिसे पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ मनाया जाना चाहिए। इसके बाद कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से कार्यक्रम स्थल की समुचित व्यवस्था, साफ-सफाई, मंच सज्जा, बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम, यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने, पेयजल की उपलब्धता, विद्युत आपूर्ति में व्यवधान न हो इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन पर विशेष जोर दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि अपने-अपने विभागीय दायित्वों का निर्वहन समय सीमा के अंतर्गत पूर्ण करें और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने पुलिस प्रशासन को कार्यक्रम स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती, नगर पंचायत को स्थल की साफ-सफाई एवं सजावट, विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति, स्वास्थ्य विभाग को प्राथमिक उपचार की व्यवस्था तथा शिक्षा विभाग को स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की तैयारी समय पर सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में यह भी अनुरोध किया गया कि सभी सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थान, विद्यालय एवं सामाजिक संगठन स्वतंत्रता दिवस समारोह में सक्रिय सहभागिता निभाएं ताकि कार्यक्रम को जनभागीदारी के साथ भव्य बनाया जा सके। अंत में अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम से राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति का संदेश दे, इसके लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक है।

कार्यालय नगर पंचायत मझिऑंव

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 17/2026–27

1. विज्ञापन दाता का नाम :– कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत मझिऑंव।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय :– दिनांक 19.08.2026 को अपराह्न 4:00 बजे तक।
3. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– कार्यालय नगर पंचायत मझिऑंव।
4. निविदा प्राप्ति का स्थान, तिथि एवं समय :– कार्यालय नगर पंचायत मझिऑंव में दिनांक 20.08.2026 अपराह्न 2:00 बजे तक।
5. निविदा खोलने का स्थान, तिथि एवं समय :– कार्यालय नगर पंचायत मझिऑंव में दिनांक 20.08.2026 का अपराह्न 02:30 बजे से।
6. कार्य विवरणी :–

क्र0. सं0	वार्ड सं0	मद	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र का मुल्य	अग्रधन की राशि	अवधि
01	01	नागरिक सुविधा	Renovation of Ward office at ward no 01 under Nagar Panchayat Manjhiaon	564100	5000	11500	45 दिन
02	08	नागरिक सुविधा	Renovation of Ward office at ward no 08 under Nagar Panchayat Manjhiaon	661500	5000	13500	45 दिन
03	03	नागरिक सुविधा	Deep Bore well of size 200mmX165mmX125mm dia tube well office Chandri at ward no 03	540500	5000	11000	30 दिन
04	09	नागरिक सुविधा	Construction of RCC slab from Govt. School to pond (Amar Pashchim Tola) at ward no 09	509300	5000	10200	30 दिन
05	04	नागरिक सुविधा	Renovation of Ward office at ward no 04 under Nagar Panchayat Manjhiaon	869600	5000	17500	45 दिन

नोट :– विस्तृत सूचना एवं शर्ते अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय के सूचना पटट् पर कार्यालय अवधि में देखा जा सकता है।

कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर पंचायत मझिऑंव।

PR.NO.387016 Urban Development(26-27):D

जिले के पांच उर्वरक विक्रेताओं का लाइसेंस रद्द

डीएम ने की कृषि टास्क फोर्स की बैठक, एक निलंबित, पांच से स्पष्टीकरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। शनिवार को समाहरणालय स्थित कारगिल विजय सभा भवन में जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में जिला कृषि टास्क फोर्स सह जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि, उद्यान, भूमि संरक्षण, पौधा संरक्षण, पशुपालन, मत्स्य, गव्य विकास, लघु जल संसाधन, विद्युत आपूर्ति एवं जीविका सहित विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की अद्यतन प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान खरीफ सत्र 2026-27 में फसल आच्छादन एवं बीज वितरण की समीक्षा करते हुए बताया गया कि जिले में निर्धारित 74,504.1 हेक्टेयर लक्ष्य के विरुद्ध 68,292.1 हेक्टेयर क्षेत्र में फसल आच्छादन किया जा चुका है। जो 91.66 प्रतिशत है। मक्का का आच्छादन 99.52 प्रतिशत तथा धान रोपनी 72.76 प्रतिशत दर्ज की गई है। संकर धान, ज्वार, मडुआ एवं सांवा का शत-प्रतिशत बीज वितरण पूर्ण हो चुका है। जिला पदाधिकारी ने शेष फसलों के बीज वितरण को भी शीघ्र शत-प्रतिशत पूर्ण करने का निर्देश दिया। जिला कृषि पदाधिकारी अभिषेक रंजन ने उर्वरक की उपलब्धता की जानकारी देते हुए बताया कि खरीफ सत्र 2026-27 में यूरिया की 24,000 मीट्रिक टन आवश्यकता के विरुद्ध 30,119.31 मीट्रिक टन उपलब्ध कराया गया है तथा वर्तमान में 11,919.25 मीट्रिक टन अवशेष स्टॉक उपलब्ध है। डीएपी का अवशेष स्टॉक 8,360.42 मीट्रिक टन, एनपीके का 10,996.73 मीट्रिक टन, एसएसपी का 3,145.25 मीट्रिक टन तथा एमओपी का 1,953.52 मीट्रिक टन स्टॉक उपलब्ध है। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसानों को उर्वरक निर्धारित सरकारी दर पर ही उपलब्ध कराया जाए। यूरिया 45 किलोग्राम बोरी 266.50 रुपये, डीएपी 50 किलोग्राम बोरी 1,350 रुपये तथा एनपीके 50 किलोग्राम बोरी 1,375 रुपये से 1,450 रुपये तक निर्धारित है। कालाबाजारी रोकने के लिए जिले के सभी अनुमंडलों में सघन जांच एवं छापामारी अभियान चलाया गया। 312 प्रतिष्ठानों की जांच में 11 मामलों में अनियमितता पाई गई। कार्रवाई के तहत 5 उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस रद्द, 1 निलंबित एवं 5 से स्पष्टीकरण मांगा गया है। उन्होंने कहा कि किसानों के हित से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। बैठक में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 1,12,649 किसानों का ई-केवाईसी पूर्ण एवं 432 मामले लंबित पाए गए। डीएम ने लंबित मामलों के निष्पादन में तेजी लाने तथा मटिहानी व साम्हो अकहा कुरहा में फार्मर रजिस्ट्री के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया। प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए नीति आयोग के पायलट प्रोजेक्ट में बछवाड़ा प्रखंड का चयन किया गया है। जैविक खेती योजना में 349 वर्मी कम्पोस्ट इकाइयां पूर्ण हुई हैं। मटिहानी, डंडारी एवं बछवाड़ा में 375 कृषकों द्वारा 150 हेक्टेयर में प्राकृतिक खेती शुरू की गई है।सिंचाई की समीक्षा में 353 राजकीय नलकूपों में से 228 चालू बताए गए। पशुपालन में 6.34 लाख पशुओं की ईयर टैगिंग पूर्ण हुई है। जीविका के माध्यम से 9,146 मीट्रिक टन हरित खाद का निर्माण किया गया है। जिला पदाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि कृषि एवं किसान कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से अंतिम पायदान तक पहुंचे। किसानों को बीज-उर्वरक की उपलब्धता में कोई परेशानी नहीं हो तथा कालाबाजारी करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाए।

जनता दरबार में दो मामले निष्पादित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

वीरपुर। अंचल क्षेत्र के विभिन्न गांव से आए जमीन संबंधित विवाद को निपटारे के लिए शनिवार को पूर्व से निर्धारित कार्यक्रम के तहत अंचल कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जानकारी देते हुए वीरपुर के अंचलाधिकारी भाई वीरेंद्र ने बताया की पूर्व का दो आवेदन और नया दो आवेदन के साथ कुल चार आवेदनों पर सुनवाई की गई जिसमें से दो आवेदनों की आपसी समझौते के आधार पर निष्पादित किया गया। बाकी शेष बच्चे दो आवेदनों के लिए दोनों पक्षों को अगले तिथि में साक्ष्य के साथ उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी की जाएगी। मौके पर अंचल कर्मी सहित कई फरियादी मौजूद थे।

बरौनी अंचल कार्यालय में लगा जनता दरबार

बरौनी (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। अंचल कार्यालय परिसर में शनिवार को सीओ हेमंत अंकुर की अध्यक्षता में 'जनता दरबार' का आयोजन किया गया। इस दौरान भूमि विवाद और अंचल से जुड़े अन्य मामलों की गहन सुनवाई की गई। जनता दरबार के दौरान हेमंत अंकुर ने सख्त रुख अपनाते हुए उपस्थित सभी राजस्व और पुलिस कर्मचारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता दरबार में प्राप्त होने वाले सभी आवेदनों की निष्पक्ष जांच की जाए। अधिकारी खुद स्पॉट पर जाकर स्थिति की जांच करें और जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपें। उन्होंने स्पष्ट हिदायत दी कि किसी भी मामले का निष्पादन न्यूनतम 1 सप्ताह से अधिकतम 15 दिनों के भीतर हर हाल में हो जाना चाहिए, ताकि आम लोगों को अंचल कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें। दो नए आवेदन हुए दर्ज शनिवार को आयोजित इस जनता दरबार में भूमि विवाद से संबंधित 2 नए आवेदन प्राप्त हुए, जिन्हें दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को जांच और त्वरित निष्पादन के लिए सौंप दिया गया।

एनटीपीसी कहलगांव ने सीआईपीइटी भागलपुर के साथ किया समझौता ज्ञापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कहलगांव (भागलपुर)। एनटीपीसी कहलगाँव ने अपनी नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीपेट) भागलपुर के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया। इस पहल के तहत कहलगांव एनटीपीसी से सटे आसपास के गाँवों के 80 युवाओं को प्लास्टिक प्रोसेसिंग एवं प्लास्टिक रीसाइक्लिंग के क्षेत्र में प्लेसमेंट-लिंक्ड कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक एवं रोजगारपरक कौशल से सुसज्जित करना है, ताकि उन्हें बेहतर रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें। यह पहल युवाओं को स्थायी रोजगार एवं आजीविका के अवसरों से जोड़ने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एनटीपीसी कहलगांव के परियोजना प्रमुख रविंद्र शर्मा, एवं अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन), मनोरंजन सारंगी एवं संयुक्त निदेशक एवं प्रमुख, सीआईपीईटी भागलपुर अवीत लाकड़ा की गरिमामयी उपस्थिति में यह समझौता संपन्न हुआ। मौके पर डीजीएम के के सिंह, प्रबंधक शशांक कुमार सिंह, श्रीकांत, आदित्य कुमार आदि अधिकारी मौजूद थे। एनटीपीसी कहलगांव द्वारा की गई यह पहल स्थानीय समुदाय के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को रोजगार से जोड़ना न केवल उनके भविष्य को सशक्त करेगा, बल्कि क्षेत्र में सतत आजीविका एवं समावेशी विकास को भी बढ़ावा देगा।

महिला को सांप ने डंसा

नावकोठी (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। रजाकपुर पंचायत स्थित वार्ड संख्या 11 में शनिवार को घर के पास चापाकल पर बर्तन धोने गई एक महिला को विषैले सांप ने डस लिया। सांप के डसने से महिला की हालत बिगड़ गई। पीड़िता की पहचान रजाकपुर निवासी मो. जिब्राइल की पुत्री शहजादी खातून के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, शहजादी खातून घर के समीप स्थित चापाकल पर बर्तन धो रही थीं। इसी दौरान वहां छिपे एक विषैले सांप ने उनके हाथ में डस लिया। सांप के डसने के बाद महिला के परिजन तत्काल उन्हें इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, नावकोठी लेकर पहुंचे। परिजन सांप को पकड़ने का भी प्रयास कर रहे थे।

नियमित समीक्षा और समन्वय से मजबूत होगी शिक्षा व्यवस्था

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। सरकारी प्रारंभिक विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने और पारदर्शिता लाने के लिए नियमित निरीक्षण एवं समीक्षा जरूरी है। यह सुझाव इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, लखीसराय के संयुक्त सचिव और बनवारीपुर तेघड़ा मार्ग पर ई-रिक्शा चालक मुहम्मद कमाल हसन ने दिया है। उनका मानना है कि बेहतर समन्वय से सरकारी स्कूल बच्चों के भविष्य की मजबूत आधारशिला बन सकते हैं। सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि सरकारी प्रारंभिक विद्यालय बच्चों के भविष्य की आधारशिला हैं। इसलिए कक्षा 1 से 8 तक संचालित प्रत्येक विद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता, प्रशासनिक पारदर्शिता, अनुशासन और विद्यार्थियों के हित को निरंतर मजबूत करना आवश्यक है। इसके लिए उन्होंने शिक्षा विभाग से विद्यालयों का नियमित एवं आकस्मिक निरीक्षण, शैक्षणिक समीक्षा और प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों व शिक्षा अधिकारियों के बीच रचनात्मक संवाद को और प्रभावी बनाने का अनुरोध किया। उन्होंने विशेष रूप से उन विद्यालयों पर ध्यान देने की बात कही जो मुख्य सड़क से हटकर गांव या ग्रामीण क्षेत्र के अंदर स्थित हैं। ऐसे विद्यालयों तक पहुंचने के लिए मुख्य मार्ग से अलग होकर अंदर तक जाना पड़ता है। विभाग इन विद्यालयों के लिए विशेष व्यवस्था या निरीक्षण की प्राथमिकता तय करे, ताकि कोई भी विद्यालय केवल अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण नियमित समीक्षा से वंचित न रहे। मुहम्मद कमाल हसन ने अपने सुझाव में आगे कहा कि निरीक्षण का मकसद सिर्फ कमियां ढूंढना या कार्रवाई करना नहीं होना चाहिए। बल्कि इसका उद्देश्य होना विद्यालयों की वास्तविक आवश्यकताओं को समझना, शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापकों की समस्याओं का समाधान करना, अच्छे कार्यों को प्रोत्साहित करना, विद्यार्थियों के शैक्षणिक हित को प्राथमिकता देना चाहिए।

वीबी-जी राम जी के तहत 125 दिन गारंटीकृत मिलेगा रोजगार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। शनिवार को प्रेक्षा गृह सह आर्ट गैलरी में 'विकसित भारतऽरोजगार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025' एवं 'विकसित ग्राम पंचायत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर एक दिवसीय जिलास्तरीय पंच सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री, उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी, जिला परिषद अध्यक्ष सुरेंद्र पासवान, निदेशक एनईपी पूजा कुमारी, निदेशक डीआरडीए विवेक कुमार, डीपीओ मनरेगा बिट्टू कुमार सहित विभिन्न पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सम्मेलन में वीबी- जी राम जी अधिनियम, 2025 एवं विजीपीपी के प्रभावी क्रियान्वयन, ग्राम पंचायतों की भूमिका, संस्थागत तैयारी तथा सहभागी नियोजन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों एवं संबंधित पदाधिकारियों को अधिनियम के प्रावधानों एवं उद्देश्यों से अवगत कराते हुए ग्राम पंचायत स्तर पर योजनाओं के प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु आवश्यक तैयारियों को सुदृढ़ करना था। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी ने कहा कि वीबी- जी राम जी के तहत ग्रामीण परिवारों को अकुशल शारीरिक श्रम के लिए 125 दिनों के गारंटीकृत रोजगार का प्रावधान किया गया है। योजना के अंतर्गत कार्यों को मुख्य रूप से जल सुरक्षा, कोर ग्रामीण अवसंरचना, आजीविका अवसंरचना एवं आपदा शमन जैसी प्रमुख श्रेणियों पर केंद्रित किया गया है।

विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन पर पंच सम्मेलन आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। राज्य सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के निर्देशानुसार विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम के तहत त्रिस्तरीय पंचायत राज संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों को जागरूक एवं प्रशिक्षित करने हेतु एक दिवसीय पंच सम्मेलन का आयोजन किया गया। स्थानीय टाउन हॉल में आज आयोजित पंच सम्मेलन का उद्घाटन जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय जिला परिषद के अध्यक्ष विपिन कुमार मंडल, उप विकास आयुक्त रवि राकेश, जिला परिषद उपाध्यक्ष उपाध्यक्ष प्रणव कुमार उर्फ पप्पू यादव आदि ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलित कर किया। मौके जिले के सभी प्रखंड प्रमुख, जिला परिषद के सदस्य, सभी मुखिया, पंचायत समिति के सदस्य तथा अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के दौरान सभी को बताया गया कि पूर्व में केंद्र सरकार द्वारा संचालित मनरेगा योजना के स्थान पर इस वर्ष विगत 1 जुलाई से विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 लागू हो गया है। जिसका क्रियान्वयन राज्य एवं जिले में किया जा रहा है। ग्रामीण भारत के सुदृढ़ विकास में त्रिस्तरीय पंचायत राज संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए जनप्रतिनिधियों को अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी दी गई, ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में ग्रामीण समुदाय एवं श्रमिकों को जागरूक कर सके। इस कार्यक्रम में जिले के सभी ग्राम पंचायतों की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण होगी। जिसके बाबत इस नई व्यवस्था में ग्राम पंचायतों की भूमिका को और अधिक महत्वपूर्ण बनाया गया है। ग्राम सभा की सक्रिय सहभागिता, विकसित ग्राम पंचायत योजना आधुनिक तकनीक, सामाजिक अंकेक्षण, पारदर्शी कार्य प्रणाली तथा विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों के माध्यम से प्रत्येक पंचायत अपने क्षेत्र के समग्र विकास की योजना स्वयं तैयार करेगी। इस व्यवस्था से विकास योजनाएं स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार होंगी तथा उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी। इसका उद्देश्य केवल योजनाओं का क्रियान्वयन करना नहीं, बल्कि प्रत्येक गांव को आत्मनिर्भर, स्वावलंबी, स्वच्छ, समृद्ध एवं विकसित बनाना है।

विवाहिता की मौत, 10 लोगों पर हत्या की प्राथमिकी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नावकोठी। थाना क्षेत्र के चक्का गांव में विवाहिता सोनी कुमारी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में उसकी मां ने नावकोठी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। बखरी थाना क्षेत्र के खखरुआ गांव निवासी महेश पासवान की पत्नी गायत्री देवी ने पुलिस को दिए आवेदन में अपनी पुत्री की हत्या का आरोप उसके ससुराल पक्ष के 10 लोगों पर लगाया है। दर्ज प्राथमिकी में गायत्री देवी ने बताया है कि उनकी पुत्री सोनी कुमारी की शादी चक्का गांव निवासी रुपेश कुमार पासवान के साथ हुई थी। शादी के बाद सोनी को दो पुत्रियां हुईं, दोनों का जन्म ऑपरेशन के माध्यम से हुआ था। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि इसके बाद ससुराल पक्ष के लोग सोनी से यह कहकर नाराज रहने लगे कि अब उसके बच्चे नहीं होंगे। मृतका की मां का आरोप है कि दोनों पुत्रियों की शादी के लिए मायके पक्ष से 10 लाख रुपये की मांग की जाने लगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि सोनी की हत्या कर उसके पति की दूसरी शादी कराने की मंशा थी। इसी रंजिश में उसकी पुत्री की हत्या किए जाने का आरोप लगाया गया है।

हत्या के प्रयास के मामले में दो नामजद गिरफ्तार

नावकोठी (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। थाना क्षेत्र के रजाकपुर गांव में हत्या के प्रयास के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो नामजद वांछित आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रजाकपुर निवासी मो. वकील एवं मो. मंजूर आलम के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष मो फिरदौस ने बताया कि दोनों के विरुद्ध नावकोठी थाने में कांड संख्या 139/26 के तहत हत्या के प्रयास का मामला दर्ज था। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद दोनों आरोपित गांव छोड़कर फरार होने की फिराक में थे। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि दोनों आरोपित इसफा पुल के समीप मौजूद हैं। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इसफा पुल के पास से दोनों को हिरासत में ले लिया। पूछताछ एवं आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

मुखिया के नेतृत्व में कांवर यात्रा जत्था रवाना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नावकोठी। नावकोठी पंचायत के स्थानीय मुखिया राष्ट्रपति कुमार के नेतृत्व में शनिवार को करीब एक सौ श्रद्धालुओं का जत्था कांवर यात्रा के लिए देवघर रवाना हुआ। सर्वप्रथम ये लोग जत्था के साथ पुरानी दुर्गा मंदिर से काली स्थान मंदिर होते हुए चांदनी चौक के वैष्णवी दुर्गा मंदिर होते हुए फील्ड की दुर्गा मंदिर का दर्शन करते हुए जत्था में शामिल श्रद्धालु पहले सुल्तानगंज पहुंचेंगे, जहां गंगा नदी से पवित्र जल भरकर कांवर लेकर पैदल देवघर के लिए प्रस्थान करेंगे। सोमवार को श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे।कांवर यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा गया। रवाना होने के दौरान श्रद्धालुओं ने 'बोल बम' के जयकारे लगाए, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। श्रद्धालु सुल्तानगंज से देवघर तक की करीब 100 किलोमीटर की पैदल यात्रा पूरी करेंगे। कांवर यात्रा में शीलवंत सुदर्शन, पंकज कुमार, पिंटू सिंह, रजनीश कुमार, राम कौशल महतो, नीतीश कुमार उर्फ तोतो, अरविन्द कुमार, अवनीश कुमार, गौतम राज, रिशू, कन्हैया कुमार, ओम प्रकाश, राजकुमार साह, कुणाल कुमार, मनीष कुमार, मृत्युंजय सिंह, अनमोल कुमार सहित करीब एक सौ श्रद्धालु शामिल हैं।

प्रो. कन्हैया बहादुर के निधन पर शोक

आरा (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। सामाजिक संस्था 'नई आशा' के कार्यालय में आज एक बैठक हुई, जिसमें संस्था के उपाध्यक्ष प्रो. कन्हैया बहादुर सिन्हा के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वक्ताओं ने कहा की प्रो. सिन्हा संस्था के स्थापना काल 2004 से ही उपाध्यक्ष का पदभार संभालते हुए मार्गदर्शन करते रहे। वे निरंतर संस्था के कार्यों में विशेष रुचि के साथ अपने सदस्यों को सदैव प्रोत्साहित करते रहे। उनके निधन से संस्था को अपूर्णीय क्षति हुई है। अध्यक्षता संस्था के संरक्षक डॉ. भीम सिंह भवेश ने किया।

पथ निर्माण विभाग कराएगा कोआ पुल का निर्माण : मंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कहलगांव (भागलपुर)। कहलगांव एवं भागलपुर के लिए लाइफ लाइन कहे जाने वाले कोआ पुल का मरम्मती और पुर्ननिर्माण एनएच विभाग नहीं बल्कि पथ निर्माण विभाग कराएगा।

राज्य के पथ निर्माण मंत्री ई. कुमार शैलेन्द्र ने शनिवार को यहां क्षतिग्रस्त कोआ पुल का स्थल निरीक्षण करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि इस पुल का जांच आईटीटीयन द्वारा कराया गया है। जांच के बाद इसमें तकनीकी खराबी पायी गयी है। मल्टीपल डैमेज़ की बात बतायी गयी है। इसलिए पुल पर हल्के वाहनों के परिचालन पर रोक लगी हुई है। कोआं पुल कई तरह से क्षतिग्रस्त हुआ है, जिसमें कुछ नुकसान हल्के तो कुछ गंभीर प्रकृति के हैं। उन्होंने बताया कि यह पुल भारी वाहनों का भार सहन नहीं कर पाएगा। लेकिन सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए इस पर हल्के वाहनों के परिचालन का प्रयास शीघ्र किया जाएगा। पुल पर 'मल्टीपल डैमेज' की स्थिति को देखते हुए सुरक्षा के लिहाज से फिलहाल सभी प्रकार के वाहनों का परिचालन बंद कर दिया गया है। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने एनएच के अधिकारियों से विशेष रूप से यह भी चर्चा की कि क्या सुरक्षा उपायों के साथ इस पुल पर हल्के वाहनों का परिचालन शुरू करना सुरक्षित होगा। अधिकारियों ने कहा कि पुल की स्थिति को देखते हुए अभी छोटे वाहनों का परिचालन कराना ठीक नहीं होगा। कहलगांव एनएच 80 पर स्थित कोआ पुल की जांच की गयी है। इसमें तकनीकी खराबी पायी गयी है। उन्होंने कहा कि इस पुल का रिपेयरिंग अथवा नये सिरे से निर्माण पथ निर्माण विभाग कराएगी। क्योंकि एनएच विभाग की मेनटेनेंस अवधि समाप्त हो गयी है। हालांकि मंत्री से सवाल पूछने पर कि आरसीडी कब तक पुल का रिपेयरिंग कार्य शुरू करेगी तो वे स्पष्ट कुछ नहीं बता सके। उन्होंने कहा कि चार दिनो बाद स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। इस बारे में स्थानीय विधायक से विस्तृत जानकारी मिल जाएगी। मंत्री ने बताया कि फिजीबिलिटी जांच कर डीपीआर शीघ्र तैयार किया जाएगा। इसको लेकर वे जल्द मुख्यमंत्री से मिलेंगे। मौके पर कहलगांव के विधायक शुभानंद मुकेश एवं जिला भाजपा अध्यक्ष संतोष कुमार, प्रखंड जदयू अध्यक्ष मो. शाहवाज आलम मुन्ना सहित एन एच एस पथ निर्माण विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

श्रमिक पलायन के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव पर व्याख्यान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई एसबी कॉलेज के अंग्रेजी विभाग की ओर से शनिवार को एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय यूपी और बिहार से श्रमिकों के पलायन के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव था। व्याख्यान का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलसचिव सह अंग्रेजी के प्रोफ़ेसर डॉ. राम कृष्ण ठाकुर, कॉलेज की प्राचार्या प्रो. मीना कुमारी तथा मुख्य वक्ता पीजी अंग्रेजी विभाग के डॉ. विजय राज कुमावत ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत भाषण से हुई। प्राचार्या प्रो. मीना कुमारी ने अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कहा कि जब तक यूपी-बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर रोजगार, बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिलेंगी, तब तक इस सामाजिक संकट को रोकना असंभव है। मुख्य वक्ता डॉ. विजय राज कुमावत ने श्रमिकों के पलायन से उत्पन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक बदलावों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने पलायन के कारण परिवार, समाज और स्थानीय संस्कृति पर पड़ने वाले प्रभावों को रेखांकित किया।उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि पलायन केवल एक आर्थिक विवशता नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण समाज के ताने-बाने को पूरी तरह से बदल रहा है। कुलसचिव डॉ. राम कृष्ण ठाकुर ने भी विषय से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त किए। कहा कि शहरों से भेजे गए पैसे से गांव चल तो रहे हैं, लेकिन इसकी कीमत पारिवारिक बिखराव के रूप में चुकानी पड़ रही है। कार्यक्रम का मंच संचालन अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. नीतू देवी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्राध्यापक डॉ. पंकज कुमार ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के बीच वाद-विवाद प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने श्रमिक पलायन के विभिन्न पक्षों पर अपने विचार रखे। बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। मौके पर डॉ मेराज दानापुरी, डॉ गुंजन, डॉ सद्दाम हुसैन, डॉ उमेश कुमार राय, डॉ प्रियंका भारती, डॉ नमिता, डा रीना, डॉ मनीषा कुमारी, डॉ श्वेता गौरव, डॉ संतोष कुमार राम, डॉ आशा रानी, डॉ अनामिका, डॉ प्रेमलता, डॉ मिथिलेश कुमार गिरी, डॉ बिंकटेश्वर चौधरी, डॉ आदित्य कुमार आनंद, डॉ धनंजय प्रसाद राय, डॉ अशोक कुमार तिवारी, डॉ एसडी सिंह, डॉ राकेश कुमार, महाराजा कॉलेज के डॉ अमृतांशु, डॉ मृत्युंजय, डॉ राजीव कुमार, रमेश कुमार राय, सुमिर शर्मा, विकास कुमार, छात्र सचिन, नन्दनी, पूजा कुमारी, आकांक्षा कुमारी मौजूद थी।

विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में पंचायत सचिवों की भूमिका महत्वपूर्ण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय स्थित योजना भवन में जिले के सभी पंचायत सचिवों के साथ जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा के निदेशानुसार जिला पंचायत राज पदाधिकारी इफ़्तेख़ार अहमद की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पंचायत स्तर पर संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा उनके प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान जिला पंचायत राज पदाधिकारी ने पंचायत सचिवों से एक-एक पंचायत की योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा कार्यान्वयन में आ रही समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन निर्धारित समय-सीमा के भीतर एवं पूर्ण गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को योजनाओं का लाभ समय पर प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में पंचायत सचिवों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अतः सभी पंचायत सचिव योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करें, अभिलेखों का अद्यतन संधारण सुनिश्चित करें तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचें। बैठक में पंचायतों में संचालित विभिन्न योजनाओं की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं पंचायत सचिवों को निर्देशित किया गया कि लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराया जाए। साथ ही योजनाओं के क्रियान्वयन में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने तथा शासन द्वारा निर्गत दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करने पर विशेष बल दिया गया।

हर घर तिरंगा अभियान की तैयारी तेज, आयोजित होंगे कई कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा के निर्देशानुसार 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' के सफल आयोजन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। अभियान के सफल क्रियान्वयन एवं अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने हेतु संबंधित विभागों एवं पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। गौरतलब है कि बिहार सरकार के मुख्य सचिव के निर्देशानुसार 9 से 17 अगस्त 2026 तक 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है। इसके अंतर्गत तिरंगा यात्रा, बाइक एवं साइकिल रैली, वंदे मातरम का सामूहिक गायन, तिरंगा एवं वंदे मातरम प्रदर्शनी, सरकारी भवनों की तिरंगा रोशनी, हर घर तिरंगा थीम पर सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा सेल्फी विद तिरंगा अभियान आयोजित किए जाएंगे। अभियान में अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विद्यालय एवं महाविद्यालय, जीविका स्वयं सहायता समूह, ग्राम पंचायत एवं वार्ड सदस्य, पैक्स एवं अन्य सहकारी समितियां, एनएसएस, एनसीसी, नेहरू युवा केंद्र, खेल क्लब एवं युवा संगठन, स्वयंसेवी संस्थाएं, नागरिक समाज, व्यापारिक एवं औद्योगिक संगठन सहित विभिन्न संस्थाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। जिले के सभी प्रखंडों में प्रति प्रखंड 4,000 झंडों की दर से झंडे उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। 12 अगस्त को प्रातः 10 बजे जिला मुख्यालय एवं सभी प्रखंड मुख्यालयों में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। जिला मुख्यालय में तिरंगा यात्रा अनुग्रह इंटर स्कूल गेट से प्रारंभ होकर नगर भवन तक आयोजित की जाएगी। इसमें सभी जिलास्तरीय पदाधिकारियों की सहभागिता रहेगी। इसी क्रम में 15 अगस्त की संध्या 'हर घर तिरंगा' के नाम से नगर भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसमें स्थानीय कलाकारों द्वारा देशभक्ति गीतों पर आधारित प्रस्तुतियां दी जाएंगी। विद्यालय एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को भी विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में वंदे मातरम का सामूहिक गायन, हर घर तिरंगा थीम पर पेंटिंग, रंगोली, क्विज, भाषण एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभागियों के चयन एवं ऑडिशन की प्रक्रिया भी निर्धारित की गई है। जिला प्रशासन द्वारा तिरंगा यात्रा एवं अन्य कार्यक्रमों के दौरान आवश्यक पेयजल, अल्पाहार, प्राथमिक चिकित्सा, यातायात व्यवस्था, अस्थायी शौचालय, साफ-सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिए गए हैं। तिरंगा यात्रा के मार्गों पर यातायात व्यवस्था सुगम बनाए रखने हेतु आवश्यकतानुसार ट्रैफिक पुलिस की प्रतिनियुक्ति भी की जाएगी। अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु जिले के प्रमुख स्थलों पर फ्लेक्स एवं बैनर लगाए जाएंगे तथा कार्यक्रमों का लाइव प्रसारण एवं फोटो-वीडियोग्राफी सुनिश्चित की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों, नगर निकायों के कार्यपालक पदाधिकारियों, शिक्षा विभाग, जीविका, स्वास्थ्य, पुलिस, खेल, युवा, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट एवं गाइड सहित सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अभियान को सफल बनाने का निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी ने जिलेवासियों से अपील की है कि 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने-अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएं तथा राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को सुदृढ़ करने में सक्रिय सहभागिता निभाएं।

अवैध पार्किंग में 46 वाहनों पर लगाया जुर्माना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवैध रूप से खड़े वाहनों के विरुद्ध शनिवार को विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के अनुपालन एवं सड़क सुरक्षा तथा सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा के निर्देशानुसार जिला परिवहन पदाधिकारी सुनंदा कुमारी के नेतृत्व में परिवहन विभाग द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर जोगिया से बारून के बीच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान परिवहन विभाग की टीम द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग-19 के किनारे तथा अन्य प्रतिबंधित एवं अनधिकृत स्थलों पर पार्क किए गए वाहनों की सघन जांच की गई। जांच के क्रम में सड़क एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करते हुए अवैध रूप से पार्क किए गए कुल 46 वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। संबंधित वाहन चालकों एवं स्वामियों पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए कुल 71 हजार रूपये का शमन अधिरोपित किया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी ने वाहन चालकों एवं स्वामियों से अपील की है कि वे सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें तथा राष्ट्रीय राजमार्ग विशेषकर राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर वाहनों को किसी भी स्थिति में अनधिकृत अथवा अवैध रूप से पार्क न करें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर अनियंत्रित एवं अवैध पार्किंग से यातायात का सामान्य प्रवाह बाधित होने के साथ-साथ जाम की स्थिति उत्पन्न होती है तथा सड़क दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ जाती है। उन्होंने वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करें तथा सड़क पर वाहन खड़ा करते समय अन्य वाहन चालकों एवं आम राहगीरों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना प्रत्येक वाहन चालक की जिम्मेदारी है। जिला परिवहन पदाधिकारी सुनंदा कुमारी द्वारा स्पष्ट किया गया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग-19 सहित जिले के अन्य प्रमुख मार्गों पर अवैध पार्किंग, यातायात नियमों के उल्लंघन एवं सड़क सुरक्षा मानकों की अनदेखी के विरुद्ध विशेष अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों एवं वाहन स्वामियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन एवं परिवहन विभाग ने आमजनों से अपील की है कि सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें तथा अपने वाहनों को निर्धारित एवं सुरक्षित स्थानों पर ही पार्क करें।

फांसी लगाकर किशोर ने की आत्महत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। हसपुरा थाना क्षेत्र के टनकुप्पी गांव 15 वर्षीय किशोर ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान संजय राम के पुत्र सन्नी उर्फ राकेश कुमार के रूप में की गई। वह सातवीं कक्षा का छात्र था। जानकारी के अनुसार सन्नी रोज की तरह अपने बड़े भाई और बहन के साथ कोचिंग पढ़ने जाता था। शुक्रवार की शाम वह कोचिंग नहीं गया। जब काफी देर तक वह घर में नजर नहीं आया तो परिजन उसे खोजने लगे। इसी दौरान कुछ लोग घर की छत पर बने कमरे में पहुंचे तो वहां का दृश्य देख सब सन्न रह गए। सन्नी फंदे के सहारे लटका हुआ था। यह देखते ही परिजनों के बीच चीख-पुकार शुरू हो गई। परिजन तुरंत सन्नी को नीचे उतारकर इलाज के लिए हसपुरा अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और परिजनों से पूछताछ शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए औरंगाबाद भेज दिया। मृतक के पिता संजय राम ने बताया कि उनके बेटे ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है लेकिन उसने ऐसा कदम क्यों उठाया, इसकी जानकारी उन्हें भी नहीं है। थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। आखिर इतनी कम उम्र में सन्नी ने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

मांगों को लेकर स्वास्थ्यकर्मियों ने दिया धरना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। बिहार चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की जिला इकाई ने राज्य कार्यकारिणी के निर्णय के अनुसार शनिवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सदर प्रखंड, जम्होर के समक्ष 25 सूत्री मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन किया। धरना के बाद संघ की ओर से मांगों से संबंधित ज्ञापन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को सौंपा गया। धरना की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष आदित्य प्रकाश ने की। इस दौरान सभा को संबोधित करते हुए संघ के संरक्षक संजय कुमार सिंह ने बिहार सरकार पर कर्मचारी विरोधी रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की जायज मांगों को सरकार गंभीरता से नहीं ले रही है। यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक पहल नहीं की गई तो कर्मचारी आगे और बड़ा संघर्ष करने को बाध्य होंगे। शाखा मंत्री सतीश कुमार ने कर्मचारियों के बीच संघ की 25 सूत्री मांगों को विस्तार से रखा। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं और मांगों के समाधान के लिए संघ लगातार संघर्ष कर रहा है और आगे भी आंदोलन जारी रहेगा। धरना में संयुक्त मंत्री सौरभ कुमार, उपाध्यक्ष अमित कुमार, कोषाध्यक्ष भरत प्रसाद, अनुमंडल प्रतिनिधि संतोष कुमार राम सहित एएनएम आरती कुमारी, मंजू कुमारी, मीना कुमारी, सुनीता कुमारी, सिंधु कुमारी, सुमन कुमारी, गुलरुख, हीना नाज समेत बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

हत्या सहित अन्य मामलों में 68 आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। जिले में अपराध नियंत्रण और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने को लेकर औरंगाबाद पुलिस ने सघन अभियान चलाया। इस क्रम में शुक्रवार की रात जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में की गई कार्रवाई में कुल 68 लोगों को गिरफ्तार किया गया जिनमें से 35 अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। पुलिस की इस कार्रवाई को बड़ी सफलता माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार हत्या के शीर्ष में एक, एसटी-एसटी में आठ, हत्या के प्रयास के शीर्ष में एक, मद्य निषेध अधिनियम के तहत 10 तथा अन्य मामलों में 48 लोगों की गिरफ्तारी की गई है। इसके अलावा 157 लीटर देसी शराब, दो बाइक एवं एक मोबाइल जब्त किया गया है। वहीं 42 वारंटों का निष्पादन किया गया है। वाहन जांच अभियान के तहत 1018 वाहनों की जांच की गई जिससे 17000 रूपये शमन की राशि वसूल की गई। पुलिस पदाधिकारी उपेंद्र नाथ वर्मा ने बताया कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री से मिल प्रकाश चंद्रा ने उठाया पुरानी पेंशन, कौशल विकास से जुड़ा मुद्दा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना/औरंगाबाद। बिहार के युवाओं, पुलिसकर्मियों, रोजगार, कौशल विकास और प्रदेश के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न जनहित के मुद्दों को लेकर विधायक, हैंड्स ऑफ प्रकाश चंद्रा के संरक्षक, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव एवं लोजपा (रा.) के पिछड़ा एवं अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश चंद्रा ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। इस दौरान कई महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान वर्ष 2004 में विज्ञापित और वर्ष 2009 में नियुक्त वैसे सभी अवर निरीक्षक (दारोगा/इंस्पेक्टर) का मुद्दा प्रमुखता से उठाया, जिनकी नियुक्ति पुरानी पेंशन व्यवस्था से संबंधित विज्ञापन के आधार पर हुई थी लेकिन वर्तमान में उन्हें पुरानी पेंशन का लाभ नहीं मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने मामले को संवेदनशीलता और सकारात्मक दृष्टिकोण से सुनते हुए उचित विचार करने का आश्वासन दिया। बिहार के युवाओं को कंप्यूटर शिक्षा और कौशल विकास से जोड़ने वाली पूर्व से संचालित उपयोगी योजनाओं को बंद किए जाने के विषय पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि युवाओं के कौशल विकास और कंप्यूटर शिक्षा से जुड़ी उपयोगी योजनाओं को बंद नहीं किया जाएगा तथा इस दिशा में सकारात्मक पहल की जाएगी। सौर ऊर्ज़ा के क्षेत्र में बिहार के युवाओं और उद्यमियों को अधिक अवसर देने का मुद्दा भी उठाया गया। सोलराइजेशन के लिए जारी निविदाओं में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने तथा निविदाओं का आकार छोटा कर अधिक लोगों के लिए रोजगार और व्यवसाय के अवसर उपलब्ध कराने की मांग रखी गई। मुख्यमंत्री ने इस पर गंभीरतापूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया। प्रकाश चंद्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री के साथ हर मुलाकात जनहित के मुद्दों के समाधान की दिशा में नया विश्वास देती है।

लंबे समय से फरार चल रहे दो भाई गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अंबा (औरंगाबाद)। कानून के शिकंजे से बचकर लगातार फरार चल रहे अपराधियों व वारंटियों के खिलाफ रिसियप थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए न्यायालय से वारंट निर्गत होने के बाद से फरार चल रहे दो आरोपितों को धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान तेंदुआ गणपत गांव निवासी कामेश्वर राम के पुत्र अनिल राम और सुनील राम के रूप में हुई है। मामले की जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष संजीत राम ने बताया कि दोनों आरोपितों के खिलाफ न्यायालय से गैर जमानती वारंट जारी किया गया था। वारंट निर्गत होने के बाद से ही दोनों पुलिस की पकड़ से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल-बदलकर फरार चल रहे थे। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि फरार चल रहे दोनों भाई अनिल राम और सुनील राम इस समय अपने घर पर मौजूद हैं। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए तेंदुआ गणपत गांव में दबिश दी। पुलिस की अचानक हुई इस कार्रवाई से दोनों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और टीम ने दोनों को उनके घर से ही गिरफ्तार कर लिया।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार की दौड़ में औरंगाबाद के राजकुमार प्रसाद गुप्ता शामिल

12 अगस्त को करेंगे प्रस्तुतीकरण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद/पटना। बिहार सरकार के शिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 की चयन प्रक्रिया के तहत राज्य स्तरीय चयन समिति द्वारा अनुशंसित शिक्षकों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में औरंगाबाद जिले के राजकीय मध्य विद्यालय, सलैया (मदनपुर) के प्रधानाध्यापक राजकुमार प्रसाद गुप्ता का चयन भी हुआ है। स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, भारत सरकार द्वारा 12 अगस्त को पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 1:30 बजे तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उनका प्रस्तुतीकरण निर्धारित किया गया है। इसके लिए उन्हें 11 अगस्त को सभी अभिलेखों की हार्ड एवं सॉफ्ट कॉपी तथा पेन ड्राइव सहित प्राथमिक शिक्षा निदेशालय, पटना में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। प्राथमिक शिक्षा निदेशक कुमार निशांत विवेक द्वारा जारी पत्र के अनुसार चयनित शिक्षकों में पुष्पा प्रसाद (गोपालगंज), अभिषेक (जमुई), विप्लव कुमार (कटिहार), प्रमिला कुमारी (भोजपुर), खुशबू कुमारी (बांका) तथा राजकुमार प्रसाद गुप्ता (औरंगाबाद) शामिल हैं। राजकुमार प्रसाद गुप्ता वर्ष 1999 से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा की अलख जगाने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने बंद पड़े विद्यालयों को पुनर्जीवित कर नामांकन, उपस्थिति और सामाजिक जागरूकता बढ़ाई। स्काउट-गाइड, बाल संसद, मीना मंच, शिक्षण-अधिगम सामग्री आधारित शिक्षण, एफएलएन कोना, स्मार्ट कक्षा, पुस्तकालय और पोषण वाटिका जैसे नवाचारों से विद्यालय की पहचान बदली। उनके 'सीटी बजाओ-स्कूल चलो', 'सुपर मॉम', 'बेस्ट अभिभावक' और 'सेनेटरी पैड बैंक' जैसे अभिनव प्रयासों से विशेषकर बालिकाओं की शिक्षा और विद्यालय में ठहराव को नई मजबूती मिली। शिक्षण-अधिगम सामग्री निर्माण में उन्हें राज्य स्तरीय प्रथम पुरस्कार मिल चुका है जबकि शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में राज्यपाल सहित अनेक संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

20 लाख रूपये बैंक को वापस नहीं लौटाने पर ऋणी गिरफ्तार

औरंगाबाद(नबिटा ब्यूरो)। कुटुंबा पुलिस ने शनिवार को गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए बैंक लोन गबन मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया आरोपी कुटुंबा थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर निवासी दूधेश्वर सिंह के पुत्र अखिलेश सिंह है। आरोपी ने इंडियन बैंक की सिंहपुर शाखा से व्यवसाय के नाम पर करीब 20 लाख रुपये का ऋण लिया था। आरोप है कि लोन की राशि लेने के बाद उसने समय पर किस्तें नहीं चुकाईं और बैंक की रकम का गबन कर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार आरोपी अखिलेश सिंह पुलिस को चकमा दे रहा था। न्यायालय के आदेश पर उसके घर इश्तेहार चस्पा करने की कार्रवाई भी पूरी की जा चुकी थी। शनिवार को जैसे ही उसके होने पुख़्ता सूचना मिली, पुलिस ने तुरंत छापेमारी कर उसे दबोच लिया। थानाध्यक्ष मो. इमरान आलम ने बताया कि नीलाम पत्र पदाधिकारी द्वारा जारी वारंट के आधार पर आरोपी को गांव से गिरफ्तार किया गया है।

अपराधियों और तस्करों पर पुलिस की कड़ी नजर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। पुलिस अधीक्षक उपेंद्र नाथ वर्मा के निर्देश पर जिले में अपराध नियंत्रण, चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने तथा शराब तस्करी और अन्य आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम को लेकर नियमित सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार की देर रात जिले के चौक-चौराहों सहित विभिन्न प्रमुख स्थानों पर विशेष जांच अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान पुलिसकर्मियों ने दो और चार पहिया वाहनों को रोककर उनकी गहन जांच की। वाहनों की डिक्की, सीटों के नीचे तथा अन्य हिस्सों की तलाशी ली गई। इसके साथ ही वाहन चालकों और संदिग्ध व्यक्तियों की भी जांच की गई तथा आवश्यक दस्तावेजों की पड़ताल की गई। बिना वैध कागजात वाले वाहनों और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोगों से पूछताछ भी की गई। पुलिस अधीक्षक के अनुसार नियमित वाहन जांच और रात्रि गश्ती से अपराधियों में भय का माहौल बनेगा तथा आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत होगी। अभियान का मुख्य उद्देश्य अपराधियों, चोरों, शराब तस्करों और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। देर रात चलने वाले इस अभियान से शहर में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रमुख चौक-चौराहों पर बैरिकेडिंग कर वाहनों की क्रमवार जांच की गई जिससे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वाहन की पहचान की जा सके। जांच के दौरान पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने, आवश्यक दस्तावेज साथ रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में इस तरह का जांच अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था भंग करने वाले तथा अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस, ग्रोथ सेंटर, बियाडा, जसोइया, औरंगाबाद (बिहार) से मुद्रित एवं सत्येन्द्र नगर, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।

संपादक - कमल किशोर
नवबिहार टाइम्स (दैनिक)
सत्येन्द्र नगर औरंगाबाद (बिहार)
पिन - 824101
मो.-9431223574,9572550076
व्हाटसप नं.-7295863300
ई-मेलः nbtimesbihar@gmail.com
Web : www.navbihartime.com

झारखंड कार्यालय
31, कॉपरेटिव कॉलोनी.
बोकारो स्टील सिटी, बोकारो
मो.- 9431145865

दिल्ली प्रतिनिधि
मो.- 09818366269

जल संकट से निपटने के लिए बने कारगर नीति : रामानुज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। जिले में संभावित जल संकट को देखते हुए आहर, पोखर, तालाब, नदियों एवं पुराने कुओं को अतिक्रमणमुक्त कराकर उनका जीर्णोद्धार एवं सुव्यवस्थित करने की मांग की गई है। इस संबंध में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं जिला बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के पूर्व उपाध्यक्ष रामानुज पाण्डेय ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। पत्र में उन्होंने कहा है कि पिछले दो दिनों में जिले में अच्छी बारिश हुई है, लेकिन इसके बाद भी कम बारिश और भूजल के अत्यधिक दोहन के कारण आने वाले दिनों में जल संकट और गंभीर हो सकता है। औरंगाबाद नगर क्षेत्र में सोन नदी से पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था लगभग पूरी होने वाली है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट की समस्या बनी हुई है। रामानुज पाण्डेय ने कहा कि प्राचीन काल से ही गांवों में आहर, पोखर और तालाब जल संचयन के प्रमुख साधन रहे हैं। इनमें से कई जलस्रोत अतिक्रमण के कारण अपना अस्तित्व खो रहे हैं जबकि अनेक की लंबे समय से उड़ाही नहीं होने और जलकुंभी भर जाने के कारण वर्षा का पानी भी पर्याप्त मात्रा में संचित नहीं हो पा रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन से जिले के सभी आहर, पोखर, तालाब, नदियों एवं पुराने कुओं का सर्वेक्षण कराकर अतिक्रमण हटाने, उड़ाही कराने तथा उन्हें जल संचयन के योग्य बनाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों, नगर निकायों एवं लघु सिंचाई विभाग के माध्यम से इस दिशा में कम खर्च में प्रभावी कार्य किया जा सकता है। उन्होंने जिला प्रशासन से औरंगाबाद में जल संरक्षण की ऐसी व्यवस्था विकसित करने का आग्रह किया जो आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ बिहार ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए उदाहरण बने। उन्होंने कहा कि जल ही जीवन है और जल संरक्षण ही जीवन संरक्षण है। साथ ही उन्होंने इच्छा जताई कि भगवान भास्कर की धरती औरंगाबाद से जल संरक्षण के इस अभियान की शुरुआत हो।

रोगी कल्याण समिति की बैठक

औरंगाबाद(नबिटा ब्यूरो)। जिले के देव स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देव में रोगी कल्याण समिति की महत्वपूर्ण बैठक प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अशोक कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था, मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा बरसात के मौसम में संभावित बीमारियों की रोकथाम को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अधिकारियों एवं समिति के सदस्यों ने कहा कि गर्मी के दौरान अस्पताल आने वाले मरीजों को आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ उपचार और देखरेख की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की गई। बैठक में स्वास्थ्य प्रबंधक डॉ. विकास कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार, रोगी कल्याण समिति के आलोक कुमार सिंह, बलिंद्र प्रसाद मेहता, रीता देवी, किरण गुप्ता, अंजू देवी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।